@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
गुरूवार, 16 अक्टूबर 2025

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 337 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

'सबमें मैं हूं और सब मुझमें हैं', यही वह दृष्टिकोण है जिससे सामाजिक हिंसा रुकेगी : मोहन भागवत

एजेंसी
गांधीनगर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ मोहन भागवत ने बुधवार को गांधीनगर के कोबा स्थित प्रेक्षा विश्व भारती ध्यान केंद्र में आचार्य महाश्रमणजी से मुलाकात की। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि मैं हर साल अपनी बैटरी चार्ज करने यहां आता हूं। डॉ भागवत ने कहा कि व्यक्तिगत चरित्र और राष्ट्रीय चरित्र का आधार नैतिकता है और नैतिकता का आधार आध्यात्मिकता है, क्योंकि आध्यात्मिकता के बिना नैतिकता का कोई अर्थ नहीं है। इसी वजह से मैं ऐसे स्थानों पर जाता हूं जहां से मुझे अपने काम के लिए आवश्यक ऊर्जा मिलती है।

आचार्य महाश्रमणजी की अहिंसा की शिक्षाओं का उल्लेख करते हुए मोहन भागवत ने कहा कि यदि ऐसा दृष्टिकोण हो, ÷सबमें मैं हूं और सब मुझमें हैं÷, तो सामाजिक हिंसा रुक जाएगी। अब जबकि संघ के 100 वर्ष पूरे हो गए हैं, हमारे

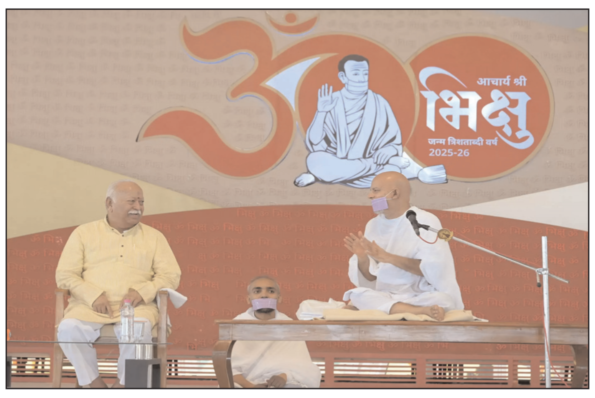

कार्यकर्ताओं ने सोचा कि हमें समाज में एक ऐसा कार्यक्रम लेकर जाना चाहिए जिससे पूरे समाज में ऐसी सद्भावना पैदा हो, जिसके आधार पर नैतिकता का निर्माण हो। इसलिए शताब्दी वर्ष में कोई बड़ा कार्यक्रम नहीं किया जाएगा, क्योंकि यदि हमने देश के लिए काम करते हुए 100 वर्ष पूरे कर लिए हैं, तो यह हमारा कर्तव्य था, इसके लिए उत्सव मनाने की कोई आवश्यकता नहीं है। सरसंघचालक ने कहा कि हमने पंच परिवर्तन नामक एक कार्यक्रम के बारे में सोचा है जिसमें पांच प्रकार के कार्यक्रम हैं:1. पारिवारिक शिक्षा, 2. सामाजिक समरसता, 3. पर्यावरण संरक्षण, 4. नागरिक कर्तव्य 5. आत्मनिर्भर जीवन (स्वदेशी)। उन्होंने कहा कि स्वयंसेवकों ने इन सभी बातों का अपने व्यवहार में पालन करना शुरू कर दिया है। शताब्दी वर्ष में स्वयंसेवक समाज में जाकर इन सब बातों को बताएंगे तथा समाज को एकजुट रखते हुए उपरोक्त दिशा में चलने वाले लोगों की संख्या बढ़ाने का प्रयास करेंगे।

दिव्यांगों के लिए मतदान केंद्रों पर विशेष इंतजाम के निर्देश

एजेंसी
नई दिल्ली। बिहार विधानसभा चुनाव और अन्य राज्यों में उपचुनावों के मद्देनजर चुनाव आयोग ने दिव्यांग मतदाताओं के लिए राज्य के सभी 90,712 मतदान केंद्रों पर व्हीलचेयर रैंप, ब्रेल सुविधा और परिवहन सहायता जैसी व्यवस्थाएं अनिवार्य रूप से करने का आदेश जारी किया है।

आयोग के अनुसार, राज्य के हर मतदान केंद्र पर व्हीलचेयर वालों और दिव्यांगों के लिए रैंप बनाए जाएंगे ताकि वे बिना किसी दिक्कत के अंदर जा सकें। दिव्यांग मतदाताओं को वोट डालने के लिए पहले प्रवेश मिलेगा। दृष्टिबाधित मतदाताओं के लिए ब्रेल लिपि में वोटिंग के लिए खास कागज और सूचनाएं दी जाएंगी। वे खुद भी बिना मदद के ईवीएम मशीन पर ब्रेल सुविधा का इस्तेमाल करके वोट डाल सकेंगे।

अगर चाहें तो एक साथी भी साथ ले जा सकते हैं। मतदान वाले दिन दिव्यांग मतदाताओं के लिए खास बस या गाड़ी की सुविधा उपलब्ध होगी। वे इस सुविधा के लिए पहले से ऑनलाइन पंजीकरण करवा सकते हैं। इसके अलावा 292 मतदान केंद्र ऐसे होंगे जिनका संचालन पूरी तरह दिव्यांग कर्मचारी करेंगे।

दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण का संकट

देश का सबसे प्रदूषित शहर बना नोएडा, अब धुंध भी छाएगी

एजेंसी
नोएडा। दिल्ली-एनसीआर में हवा की गुणवत्ता लगातार बिगड़ती जा रही है। ताजा आंकड़ों के अनुसार, नोएडा इस समय देश का सबसे प्रदूषित शहर बन गया है, जहां वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 282 तक पहुंच गया। इसके साथ ही गाजियाबाद 260 एक्यूआई के साथ दूसरे, गुरुग्राम तीसरे और दिल्ली चौथे स्थान पर है, जहां एक्यूआई 208 रिकॉर्ड किया गया। वहीं, ग्रेटर नोएडा में भी वायु गुणवत्ता 246 तक पहुंच गई, जो खतरनाक स्तर के बेहद करीब मानी जाती है। विशेषज्ञों के अनुसार, 200 से ऊपर का एक्यूआई 'बहुत खराब श्रेणी' में आता है, जबकि 300 के पार पहुंचने पर स्थिति 'गंभीर या रेड जोन' मानी जाती है। इस लिहाज से दिल्ली-एनसीआर की हवा गंभीर खतरे के निशान के बेहद करीब पहुंच चुकी है। एक ओर जहां धूल, वाहनों का धुआं, निर्माण कार्य, कूड़ा जलाना और पराली का धुआं प्रदूषण बढ़ाने के प्रमुख कारण बताए जा रहे हैं, वहीं

दूसरी ओर मौसम विभाग की रिपोर्ट ने भी चेतावनी दी है कि आने वाले कुछ दिनों में 'मिस्ट' और 'फॉग' (धुंध व कोहरा) की स्थिति बनेगी।

इससे प्रदूषक कण नीचे की सतह पर ही फंसे रहेंगे और हवा साफ होने की संभावना कम रहेगी। 15 से 20 अक्टूबर के बीच के मौसम पूर्वानुमान में अधिकतम तापमान 32 से 33 डिग्री और न्यूनतम तापमान 17 से 20 डिग्री के बीच रहेगा। सुबह और शाम के समय हल्की ठंड के साथ धुंध छाई रहेगी। ऐसे में वायु गुणवत्ता के और खराब होने की आशंका जताई जा रही है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने बच्चों, बुजुर्गों और सांस व हृदय रोग से पीड़ित मरीजों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी है। बिना जरूरी काम के बाहर निकलने से बचने, मास्क का प्रयोग करने, घरों में एयर प्यूरिफायर या पौधे लगाने जैसी सलाह दी जा रही है।

संभल में मस्जिद और 80 मकानों पर बुलडोजर कार्रवाई पर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने लगाई रोक

एजेंसी
प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के संभल में तालाब की जमीन पर बनी मस्जिद और 80 मकानों को नोटिस दिए जाने के मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बुधवार को प्रशासनिक कार्रवाई पर रोक लगा दी। अब संभल में तालाब की जमीन पर बनी संरचना पर कार्रवाई नहीं होगी। संभल के थाना रायसत्ती क्षेत्र के मोहल्ला हातिम सराय में स्थित आठ बीघा जमीन पर अवैध निर्माण के मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बड़ा आदेश दिया है। आदेश के बाद से लोगों में खुशी है। तहसीलदार के नोटिस को इलाहाबाद हाईकोर्ट में

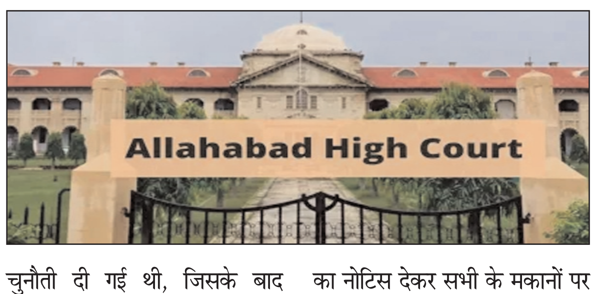

चुनौती दी गई थी, जिसके बाद महमूद आलम और 18 अन्य लोगों की याचिका पर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने आदेश दिया है। संभल प्रशासन ने तालाब की भूमि पर अवैध निर्माण का नोटिस देकर सभी के मकानों पर लाल निशान लगाए थे। याचिकाकर्ताओं के मकान को तालाब की जमीन पर बने होने के कारण अवैध करार देकर नोटिस जारी किया गया था। इससे पहले प्रशासन ने सभी मकानों पर लाल निशान लगाकर नोटिस दिया था और 15 दिन के अंदर जवाब मांगा था। साथ ही अवैध निर्माण हटाने का भी निर्देश दिया था। इस दौरान प्रशासन ने करीब 40 मकानों को अवैध चिह्नित किया था। प्रशासन ने सभी संबंधित पक्षों से 15 दिनों के अंदर संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर अवैध निर्माणों को बुलडोजर से ध्वस्त करने की कार्यवाही की बात कही थी। इसके बाद लोगों ने कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था।कोर्ट में याचिकाकर्ताओं की तरफ से सीनियर अधिवक्ता राकेश पांडे, अधिवक्ता इरशाद अहमद और अयूब खान ने पक्ष रखा था। याचिकाकर्ता का दावा है कि प्रशासन ने तहसील रिकॉर्ड जांचे बिना कार्रवाई शुरू की है। कोर्ट ने सभी पक्षों को सुनने के बाद कार्रवाई नहीं करने का आदेश जारी किया है। साथ ही कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं को चार हफ्ते के अंदर तहसीलदार के यहां आवेदन देने को कहा है।

दिव्यांगों के लिए मतदान केंद्रों पर विशेष इंतजाम के निर्देश

एजेंसी
नई दिल्ली। बिहार विधानसभा चुनाव और अन्य राज्यों में उपचुनावों के मद्देनजर चुनाव आयोग ने दिव्यांग मतदाताओं के लिए राज्य के सभी 90,712 मतदान केंद्रों पर व्हीलचेयर रैंप, ब्रेल सुविधा और परिवहन सहायता जैसी व्यवस्थाएं अनिवार्य रूप से करने का आदेश जारी किया है।

आयोग के अनुसार, राज्य के हर मतदान केंद्र पर व्हीलचेयर वालों और दिव्यांगों के लिए रैंप बनाए जाएंगे ताकि वे बिना किसी दिक्कत के अंदर जा सकें। दिव्यांग मतदाताओं को वोट डालने के लिए पहले प्रवेश मिलेगा। दृष्टिबाधित मतदाताओं के लिए ब्रेल लिपि में वोटिंग के लिए खास कागज और सूचनाएं दी जाएंगी। वे खुद भी बिना मदद के ईवीएम मशीन पर ब्रेल सुविधा का इस्तेमाल करके वोट डाल सकेंगे। अगर चाहें तो एक साथी भी साथ ले जा सकते हैं। मतदान वाले दिन दिव्यांग मतदाताओं के लिए खास बस या गाड़ी की सुविधा उपलब्ध होगी। वे इस सुविधा के लिए पहले से ऑनलाइन पंजीकरण करवा सकते हैं। इसके अलावा 292 मतदान केंद्र ऐसे होंगे जिनका संचालन पूरी तरह दिव्यांग कर्मचारी करेंगे।

दीपावली पर दिल्ली होगी जगमग: रेखा गुप्ता

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के निर्देश पर दिल्ली सरकार ने दीपावली पर्व के मद्देनज़र राजधानी को स्वच्छ, सुरक्षित और जगमग बनाने के लिए सभी विभागों को विशेष तैयारी के आदेश जारी किए हैं। इस संबंध में सभी संबंधित विभागाध्यक्षों और निकाय अधिकारियों को विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हैं, ताकि दीपावली के दौरान नागरिकों को सुगम यातायात, स्वच्छ वातावरण और उत्सवी माहौल का अनुभव मिल सके। दीपावली पर्व लेकर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा है कि यह पर्व उजास, वैभव और खुशियों का पर्व है। दीपावली केवल दीपों का त्योहार नहीं, बल्कि स्वच्छता, अनुशासन और सामूहिक सहयोग का भी प्रतीक है। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य है कि इस दीपावली पर दिल्ली जगमगाए, उजास से भरी दिखे और स्वच्छ रहे। सभी विभाग मिलकर यह सुनिश्चित करें कि नागरिकों को सुविधाजनक, सुरक्षित और उल्लासमय वातावरण मिले। मुख्यमंत्री ने दिल्ली की जनता से भी अपील की कि वे स्वदेशी उत्पादों का उपयोग करें, सफाई बनाए रखें और दीपावली को पर्यावरण-संवेदनशील उत्सव के रूप में मनाएं। इसी लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए उन्होंने दिल्ली सरकार के मुख्य सचित श्री राजीव वर्मा को सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के निर्देश जारी किए हैं और कहा है कि आगामी पर्वों के दौरान सार्वजनिक भागीदारी और सामुदायिक आयोजन बड़े पैमाने पर होंगे। इसलिए सभी विभागों और एजेंसियों के बीच आपसी समन्वय सुनिश्चित किया जाए, ताकि प्रबंधन सुचारु रहे और नागरिकों को किसी असुविधा का सामना न करना

पड़े। रेखा गुप्ता के इस आशय के निर्देश मुख्य सचिव राजीव वर्मा ने सभी विभागाध्यक्षों को अलग-अलग दिशा-निर्देश जारी किए हैं और दीपावली के पर्व पर दिल्ली में सभी व्यवस्था चाक-चौबंद रखने का आदेश जारी किया है। मुख्य सचिव ने सभी स्थानीय निकायों, विद्युत विभाग और सार्वजनिक निर्माण विभाग (PWD) को निर्देश दिए हैं कि वे अपने-अपने क्षेत्राधिकार में सभी सड़कों, बाजारों, कॉलोनियों, धार्मिक स्थलों और सार्वजनिक स्थलों की स्ट्रीट लाइटों की कार्यशीलता सुनिश्चित करें। शेष पृष्ठ 3 पर

त्रिपुरा के मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री और रेल मंत्री से की मुलाकात

एजेंसी
नई दिल्ली। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री डॉ. माणिक साहा ने बुधवार को यहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की और राज्य में चल रही विभिन्न विकास परियोजनाओं तथा भावी योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की।

प्रधानमंत्री कार्यालय ने 'एक्स' पर जानकारी साझा करते हुए कहा कि त्रिपुरा के मुख्यमंत्री डॉ. माणिक साहा ने प्रधानमंत्री मोदी से भेंट की। मुख्यमंत्री साहा ने भी 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए लिखा कि प्रधानमंत्री से मिलकर उन्हें अत्यंत प्रसन्नता हुई। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व में 'विकसित त्रिपुरा, विकसित भारत' के लक्ष्य को साकार करने के लिए राज्य सरकार कई परिवर्तनकारी पहलें कर रही है।मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को राज्य में चल रही प्रमुख विकास परियोजनाओं की जानकारी दी और कुछ अहम मुद्दों पर केंद्र के सहयोग की मांग की। इनमें राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) के तहत ब्रू-रियांग समुदाय को शामिल करने, सार्वजनिक वितरण प्रणाली में गेहूं के आवंटन में वृद्धि, त्रिपुरा में रेलवे ट्रैक को दोहरी लाइन में बदलने, अगरतला से गुवाहाटी के बीच वंदे भारत ट्रेन शुरू करने, बाह्य सहायता प्राप्त परियोजनाओं (ईएपी) की अधिकतम सीमा बढ़ाने, राज्य में 15 नए एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय (ईएमआरएस) स्थापित करने, एक कृषि बोर्ड एवं अनुसंधान केंद्र की स्थापना तथा उनाकोटि विरासत स्थल के सतत विकास जैसे

मुद्दे शामिल हैं। मुख्यमंत्री साहा ने नई दिल्ली में रेल भवन जाकर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से भी भेंट की। उन्होंने बताया कि इस बैठक में प्रधानमंत्री मोदी के 'विकसित त्रिपुरा, विकसित भारत' के विजन को साकार करने के लिए कई महत्वपूर्ण पहलों पर चर्चा की गई।

इन पहलों में अगरतला-गुवाहाटी के बीच वंदे भारत ट्रेन का शुभारंभ, राज्य के रेलवे ट्रैक का दोहरीकरण, इलेक्ट्रिक ट्रेनों का संचालन, लंबी दूरी की ट्रेनों में आधुनिक कोच और रेलवे स्टेशनों का उन्नयन शामिल हैं। इसके अलावा, अगरतला स्थित त्रिपुरा फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टिट्यूट (टीएफटीआई) के लिए नए भवन और आधुनिक पाठ्यक्रम, कॉल सेंटरों के विस्तार और विकास, तथा उन्नत साइबर सुरक्षा केंद्र की स्थापना पर भी विचार-विमर्श हुआ।

महिला अपराधों पर सख्त बंगाल के राज्यपाल, राष्ट्रपति को सौंपी दुर्गापुर दुष्कर्म मामले की रिपोर्ट

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराधों को लेकर राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने सख्त रुख अपनाया है। राज्यपाल ने दुर्गापुर दुष्कर्म मामले पर रिपोर्ट तैयार कर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और केंद्रीय गृह मंत्रालय को सौंप दी है। यह जानकारी राजभवन के एक अधिकारी ने बुधवार को दी। राजभवन के एक अधिकारी ने बुधवार को बताया कि रिपोर्ट में राज्यपाल ने मामले में अपने निष्कर्षों और पीड़िता व उसके माता-पिता के साथ अपनी बातचीत का विस्तृत विवरण दिया है। राज्यपाल ने कानून व्यवस्था को लेकर चिंता जाहिर करते हुए कहा कि राज्य में कानून तो सख्त है, लेकिन उसका सही तरीके से पालन नहीं हो रहा है। इसकी पूरी जिम्मेदारी पुलिस की है। उन्होंने कहा कि राज्य की कानून व्यवस्था में सुधार की काफी गुंजाइश है। बता दें कि बोस, पिछले दिनों पश्चिम बर्धमान जिले के दुर्गापुर गए थे और उन्होंने पड़ोसी ओडिशा के जलेश्वर की रहने वाली पीड़िता और उसके माता-पिता से बात की थी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू भी ओडिशा से हैं। इसके अलावा, बोस ने उत्तर बंगाल में बाढ़ व भूस्खलन की घटना से जुड़ी रिपोर्ट भी केंद्र और प्रदेश सरकार के सक्षम अधिकारियों को सौंप दी है। इसमें राज्यपाल भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों के अपने दौरे से प्राप्त निष्कर्षों का विवरण दिया है। साथ ही, ऐसी ही प्राकृतिक आपदाओं से पहले, दरमियान और बाद में उठाए जाने वाले आवश्यक कदमों पर सुझाव शामिल हैं। पिछले सप्ताह उत्तर बंगाल में बाढ़ और भूस्खलन में कम से कम 32 लोगों की जान चली गई। इसके साथ ही जब उनसे राज्य में चल रही एसआईआर (एसआईआर) प्रक्रिया पर सवाल किया गया, तो राज्यपाल ने जवाब दिया।

विपक्ष ने मतदाता सूची को बताया दोषपूर्ण, कहा- स्थानीय निकाय चुनाव में न हो इस्तेमाल

मुंबई । महाराष्ट्र में एनसीपी (एसपी) नेता जयंत पाटिल और कांग्रेस के बालासाहेब थोरात ने बुधवार को कहा कि राज्य की मतदाता सूची अत्यधिक दोषपूर्ण और गड़बड़ है और इसे आगामी स्थानीय निकाय चुनावों में उपयोग नहीं किया जाना चाहिए। यह बयान उन्होंने राज्य चुनाव आयुक्त दिनेश वाघमारे और मुख्य चुनाव अधिकारी एस चॉकलिंगम से मुलाकात के बाद पत्रकारों से साझा किया। यह लगातार दूसरा दिन था, जब विपक्षी नेताओं की प्रतिनिधि मंडल ने चुनाव संबंधी शिकायतें प्रस्तुत कीं। शिव सेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) अध्यक्ष राज ठाकरे भी प्रेस मीट में मौजूद थे। स्थानीय निकाय चुनाव आने वाले दो महीनों या अगले साल की शुरुआत में होने की संभावना है। जयंत पाटिल ने आरोप लगाया कि मतदाता पहचान पत्र (एपिक) और निर्वाचन सूची में अधूरी या भ्रामक पते दिए गए हैं, जो प्रक्रियागत उल्लंघन का संकेत है।

अमनीत पर FIR: एएसआई संदीप आत्महत्या मामले में केस दर्ज

एफआईआर में विधायक का नाम भी

एजेंसी
चंडीगढ़। हरियाणा पुलिस के एएसआई संदीप लाठर (42) को सुसाइड के लिए उकसाने के आरोप में दिवंगत आईपीएस अधिकारी एडीजीपी वाई पूरण कुमार की आईएएस पत्नी अमनीत कुमार, उनके विधायक साले अमित रतन, जेल में बंद गनमैन सुशील कुमार समेत चार पर एफआईआर दर्ज की गई है। यह रिपोर्ट संदीप की पत्नी संतोष ने लिखाई है इसके पहले परिजनों ने बुधवार सुबह सांत्वना देने आए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से कार्रवाई की मांग की थी। शाम करीब चार बजे सीएम के ओएसडी एफआईआर की कॉपी लेकर परिजनों के पास पहुंचे। हालांकि, परिजन अभी संदीप को शहीद का दर्जा, पत्नी को नौकरी और आर्थिक मदद का लिखित आश्वासन चाहते हैं। अभी शव का पोस्टमार्टम कराने की भी परिजनों ने सहमति नहीं दी है। उल्लेखनीय है कि एडीजीपी वाई पूरण कुमार का चंडीगढ़ में आठ दिन बाद बुधवार को पोस्टमार्टम के बाद अंतिम संस्कार किया गया। वाई पूरण कुमार ने 7 अक्तूबर को चंडीगढ़ के सेक्टर-11 स्थित अपने घर पर खुद को गोली मारी थी। उनकी आत्महत्या के ठीक आठवें दिन बीते रोज मंगलवार को रोहतक के साइबर सैल के एएसआई संदीप लाठर ने भी आत्महत्या की थी। बता दें कि संदीप कुमार मूल रूप से जींद के जुलाना गांव के निवासी थे। उन्होंने सुसाइड करने से पहले चार पेज का सुसाइड नोट और छह मिनट 28 सेकंड का वीडियो छोड़ा था। सुसाइड नोट में उन्होंने एडीजीपी पूरण कुमार को भ्रष्ट बताते हुए रोहतक रेंज में उनके तबादले के बाद भ्रष्ट पुलिसकर्मियों को आईजी कार्यालय में तैनाती दिलाने के अलावा भी कई अन्य आरोप दिवंगत एडीजीपी पर लगाए।

एनकाउंटर के नाम पर जनता को डराया जा रहा है : अखिलेश यादव

एजेंसी
लखनऊ । समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रमुख अखिलेश यादव ने बुधवार को योगी आदित्यनाथ सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सरकार केवल एनकाउंटर की राजनीति कर रही है ताकि लोगों को डराया जा सके, लेकिन राज्य की कानून-व्यवस्था सुधारने में कोई रुचि नहीं दिखा रही है। अखिलेश यादव ने कहा, 'यह सरकार एनकाउंटर करवाकर लोगों को भयभीत करना चाहती है। वे यह दिखाना चाहते हैं कि कानून व्यवस्था सुधार ली है, जबकि सच्चाई यह है कि कई निर्दोष इसका शिकार बने हैं। कई मामलों में तो पुलिसकर्मियों को भी जेल जाना पड़ा है। जैसे जौनपुर में 8-10 पुलिसकर्मी जेल में हैं।' अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर गोरखपुर और लखनऊ के गोमती रिवर फ्रंट पर स्वर्गीय कवि केदारनाथ सिंह की प्रतिमा लगाई जाएगी। उन्होंने कहा, 'गोमती रिवर फ्रंट लखनऊ की शान है, हम वहां केदारनाथ सिंह जी को सम्मानित करेंगे।' उन्होंने योगी सरकार पर झूठ बोलने का आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार सफेद टेबल पर बैठकर काले झूठ बोलती है। गोमती नदी की सफाई की योजना सिर्फ कागजों में है। जो सीवर का पानी गिर रहा है, उसका कोई स्थायी समाधान नहीं किया गया। योगी सरकार 'गोमती रिवाइवल मिशन' का ढोंग कर रही है। अखिलेश ने

कहा, 'जब समाजवादी सरकार थी, तब हमने गोमती और वरुणा नदी की सफाई का मॉडल बनाया था। वही मॉडल भविष्य में नदियों को स्वच्छ बनाएगा। लेकिन मौजूदा सरकार नदियों को नहीं, बजट को साफ कर रही है। यह सरकार केवल योजनाओं के नाम पर पैसा लूटने की तैयारी करती है।'

महागठबंधन में सीट बंटवारे को लेकर रार, कांग्रेस-राजद में 65-55 में फंसा पेंच

कांग्रेस ने 43 सीट पर किए उम्मीदवार चयनित, जल्द हो सकती है नामों की घोषणा

पटना(एजेंसी)। बिहार में चुनाव से पहले महागठबंधन में सीट बंटवारे को लेकर रार खत्म नहीं हो रही है। कांग्रेस चुनाव में 65 सीटें चाहती है और राष्ट्रीय जनता दल 55 सीटें देने को तैयार है। इधर पार्टी सूत्रों के मुताबिक महागठबंधन में पहले चरण की जिन सीटों पर सहमति बनी है उनके नाम आज घोषित हो सकते हैं। कांग्रेस ने अब तक कुल 43 सीट पर उम्मीदवार चयनित किए हैं। महागठबंधन में कांग्रेस 65 सीटों की मांग पर अड़ी है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीटों की अदला-बदली को देखते हुए पार्टी 74 सीटों पर उम्मीदवारों के नाम को अंतिम रूप दे रही है। ऐसे कांग्रेस ने सभी 243 सीटों पर दावेदारों से आवेदन मंगाए थे। महागठबंधन समन्वय समिति के समन्वयक तेजस्वी यादव के साथ बातचीत में कोई फार्मूला तय नहीं होने से मंगलवार को दिल्ली में पार्टी ने उम्मीदवारों के नाम पर विचार किए। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बैठक की अध्यक्षता की। कांग्रेस मंगलवार को भी सभी सीटों पर प्रत्याशियों के नाम को अंतिम रूप नहीं दे सकी है।

दिल्ली कांग्रेस मुख्यालय में केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक में मंगलवार को 18 नामों पर चर्चा हुई। 3 घंटे चली बैठक में इन सीटों पर प्रत्याशी के नाम को अंतिम रूप दिया गया। बैठक में 40 सीट की चर्चा हुई। शेष सीटों पर उम्मीदवार के नाम तय करने के लिए सब कमेटी का गठन किया गया है। बैठक के बाद प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि सभी मजबूत सीटों पर चर्चा हुई है। अब आगे की तैयारी कर रहे हैं।

कांग्रेस को डर सता रहा है। दिल्ली में केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक के बाद टिकट दावेदारों ने जमकर नारेबाजी भी की थी। इस कारण सदाकत आश्रम में हमेशा दिखने वाले नेताजी अब गायब हैं। दरअसल इस बार पार्टी ने सभी विधानसभा क्षेत्रों से आवेदन मंगाए थे। इस कारण दावेदारों की संख्या चार हजार से ज्यादा है। चुनावी साल में संगठन के अभाव में इन दावेदारों के सहारे ही पार्टी ने कार्यक्रमों और अभियान को सफल बनाया। कांग्रेस इन्हें आश्वस्त करती रही कि कार्यक्रमों में मेहनत के अनुसार ही टिकट मिलेगा। नई दिल्ली में दावेदारों ने डेरा जमा लिया है। केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक में कांग्रेस मुख्यालय के बाहर कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी भी की। कार्यकर्ता हाल ही में पार्टी में शामिल हुए नेताओं को तवज्जो देने से नाराज हैं।

जैसलमेर बस अग्निकांड: 2 अफसर सस्पेंड, मृतकों की संख्या 21 पहुंची

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान के जैसलमेर में हुए भीषण बस अग्निकांड के बाद सरकार ने कड़ी कार्रवाई की है। बुधवार को परिवहन विभाग ने चित्तौड़गढ़ के कार्यवाहक डीटीओ सुरेंद्र सिंह और सहायक प्रशासनिक अधिकारी चुन्नी लाल को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। जांच में सामने आया कि हादसे का शिकार हुई बस की बॉडी को चित्तौड़गढ़ परिवहन विभाग से ही अनुमोदन (अप्रूवल) मिला था। इस बीच, हादसे को लेकर पहली एफआईआर दर्ज की गई है। मृत पत्रकार राजेंद्र चौहान के भाई ने बस मालिक और ड्राइवर के खिलाफ जैसलमेर सदर थाने में केस दर्ज कराया है। मृतकों की संख्या अब 21 हो गई है। बुधवार सुबह 10 वर्षीय यूनुस ने जोधपुर के महात्मा गांधी अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। अस्पताल प्रशासन के अनुसार, अभी भी चार घायल मरीज वेंटिलेटर पर हैं, जिनकी हालत गंभीर बनी हुई है। यह हादसा मंगलवार दोपहर करीब 3-30 बजे हुआ, जब जैसलमेर से जोधपुर जा रही प्राइवेट एसी स्लीपर बस में अचानक आग लग गई। बस में सवार कई यात्री झुलस गए थे। शुरुआती जांच में संभावना जताई जा रही है कि बस के इंजन में शॉर्ट सर्किट के कारण आग फैली, जिसने देखते ही देखते पूरी बस को अपनी चपेट में ले लिया। सरकार ने घटना की जांच के आदेश दे दिए हैं और परिवहन विभाग को बस बॉडी अप्रूवल की प्रक्रिया की समीक्षा करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने मृतकों के परिजनों को 5-5 लाख रुपए मुआवजा और घायलों के इलाज का पूरा खर्च उठाने की घोषणा की है।

दिल्ली में फिर हवा हुई जहरीली, एक्यूआई 206 पर पहुंचा, ग्रैप–1 लागू

नई दिल्ली। दिल्ली–एनसीआर में हवा जहरीली हो गई है। करीब चार महीने के बाद दिल्ली–एनसीआर में प्रदूषण का स्तर खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है। बुधवार की सुबह दिल्ली और एनसीआर के कई इलाकों में धुंध की मोटी चादर छाई रही। प्रदूषण की बढ़ती स्थिति को देखते हुए मंगलवार को ही ग्रैप–1 लागू कर दिया गया था। इसके तहत प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए कई कड़े कदम उठाए गए हैं। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के मुताबिक बुधवार सुबह 7-30 बजे तक दिल्ली का एक्यूआई 206 दर्ज किया, जो खराब श्रेणी में आता है। वहीं, एनसीआर के अन्य शहरों में भी स्थिति चिंताजनक है। फरीदाबाद में एक्यूआई 189, गुरुग्राम में 156, गाजियाबाद में 145, ग्रेटर नोएडा में 123 और नोएडा में 136 दर्ज किया गया।

6 माह बाद सामने आया पत्नी के कातिल डॉक्टर का असली चेहरा, फॉरेंसिक साइंस रिपोर्ट से खुला सच

बेंगलुरु (एजेंसी)। बेंगलुरु में डॉक्टर दंपति की शादी के 11 महीने बाद एक दर्दनाक सच्चाई सामने आई है। अस्पताल के जनरल सर्जन डॉक्टर महेंद्र रेड्डी ने अपनी पत्नी डॉक्टर कृतिका रेड्डी की हत्या कर दी। कृतिका विक्टोरिया अस्पताल में डर्मेटोलॉजिस्ट थीं और बीते कुछ दिनों से बीमार थीं। घटना अप्रैल 2025 की है, जब कृतिका अपने पिता के घर रह रही थीं। तभी महेंद्र ने दो दिन तक उन्हें आईवी इंजेक्शन दिए जिसके बाद 23 अप्रैल को उनकी तबीयत बिगड़ी और अस्पताल में उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। उस समय मराठाहल्ली पुलिस ने यूडीआर (अप्राकृतिक मृत्यु रिपोर्ट) दर्ज की थी। 6 महीने बाद फॉरेंसिक साइंस लैब की रिपोर्ट में कृतिका के शरीर में एनस्थीसिया ड्रग प्रोपोफोल मिला। यह दवा सिर्फ ऑपरेशन थियेटर में इस्तेमाल होती है। इसके बाद पुलिस ने मामला को हत्या में बदल कर आरोपी डॉक्टर महेंद्र रेड्डी को मणिपाल से गिरफ्तार कर लिया। कृतिका की बहन डॉक्टर निकिता रेड्डी ने ही शक जताया था और केस दर्ज कराया। जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी के परिवार पर पहले से कई आपराधिक मामले दर्ज थे जिन्हें शादी के समय छुपाया गया था। कृतिका के पिता मुनी रेड्डी ने कहा कि उनकी बेटी ने अपने पति पर भरोसा किया था, लेकिन पति ने ही उसका विश्वास तोड़ा। परिवार ने सख्त सजा की मांग की है।

हाथियों की आबादी में 18 फ़ीसदी की गिरावट?

नई दिल्ली (एजेंसी)। जंगली हाथियों की डीएनए के आधार पर पहली बार गणना की गई है। गणना के जो परिणाम सामने आए हैं। उसके अनुसार हाथियों की संख्या 2017 में 27312 थी। वह 2021 की जनगणना में घटकर 22446 रह गई है। जो पिछली जनगणना के मुकाबले 18 फ़ीसदी कम है। यह रिपोर्ट 4 साल के बाद सार्वजनिक की गई है। वन एवं पर्यावरण मंत्रालय ने डीएनए आधारित गणना की जानकारी को गलत बताते हुए कहा है। इस बार की जनगणना वैज्ञानिक तरीके से की गई है। जिसके कारण हाथियों की जनसंख्या में कमी देखने को मिल रही है। इस बार की गणना पूरी तरीके से सही है। वही रिपोर्ट के अनुसार सड़क अतिक्रमण, रेल निर्माण और अन्य बुनियादी ढांचा की परियोजनाओं के चलते जंगल काटे जा रहे हैं। उसको लेकर मानवों और हाथियों के बीच लगातार संघर्ष बढ़ रहा है। इस संघर्ष में हाथियों की संख्या कम हो रही है। जो चिंता का विषय है।

'जिनका आंदोलन से कोई वास्ता नहीं वो आज ट्रस्टी'– जगदगुरु रामभद्राचार्य

अयोध्या (एजेंसी)। जगद्गुरु रामभद्राचार्य रामलला का दर्शन करने अयोध्या पहुंचे। इस दौरान उन्होंने अयोध्या में कौशल्या की गोद में बैठे लाडले राम के मंदिर का निर्माण कराए जाने की जानकारी दी है। उन्होंने हनुमान गढ़ी मंदिर में दर्शन किया। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास से भी मुलाकात की। उन्होंने मंदिर ट्रस्ट के सदस्यों पर नाराजगी जताते हुए कहा कि यह जो आज ट्रस्टी बने हुए हैं, यह कभी भी संघर्ष के दौरान नहीं थे। सिर्फ मैं और महंत नृत्य गोपाल दास, अशोक सिंघल, महंत अवैद्यनाथ जी थे। हम लोग जानते हैं, संघर्ष की लीला। उन्होंने बताया कि ट्रस्ट को निरंकुश नहीं होना चाहिए। शास्त्रों के मर्यादा की रक्षा करनी चाहिए और यह ट्रस्टियों की जिम्मेदारी भी है। मथुरा और काशी विवाद रामभद्राचार्य ने कहा कि हमारी भूमिका वही रहेगी, जो अयोध्या में राम मंदिर को लेकर रही है। उन्होंने अयोध्या में भव्य दीपोत्सव के आयोजन पर कहा कि अयोध्या निरंतर सजती रहेगी। प्रभु रामलला के दर्शन की इच्छा हुई तो अयोध्या आ गए हैं, यहां बहुत ही अच्छा लगा। उन्होंने कहा कि ध्वजारोहण कार्यक्रम में प्रधानमंत्री का आगमन बहुत ही हर्ष का विषय है। महंत नृत्य गोपाल दास से मुलाकात को लेकर रामभद्राचार्य ने कहा हमारी पुरानी मित्रता है। हम मित्रों की मुलाकात आनंद ही कुछ और होता है। वह अब बहुत कम पहचान पाते है, लेकिन मुझे पहचान लिया।

राजनाथ सिंह ने पूर्व सैनिकों और पूर्व सैनिकों के आश्रितों के लिए खोला पैसा का पिटारा

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पूर्व सैनिकों और पूर्व सैनिकों के आश्रितों के लिए वित्तीय सहायता योजनाओं में 100 प्रतिशत वृद्धि को मंजूरी दे दी है। बुधवार को इस बारे में जानकारी देकर रक्षा मंत्रालय ने बताया कि ये योजनाएं पूर्व सैनिक कल्याण विभाग द्वारा केन्द्रीय सैनिक बोर्ड के माध्यम से लागू होती हैं। वित्तीय सहायता में की गई प्रमुख बढ़ोतरी के तहत अनुदान 4,000 रुपए प्रति माह से बढ़ाकर 8,000 रुपए प्रति माह प्रति लाभार्थी किया गया है। यह सहायता 65 वर्ष से अधिक आयु वाले उन पूर्व सैनिकों के आश्रितों और विधवाओं को आजीवन मिलेगी, जिनकी कोई नियमित आय नहीं है और जो गैर–पेंशनभोगी हैं। वहीं शैक्षणिक अनुदान 1,000 रुपए से बढ़ाकर 2,000 रुपए प्रति माह प्रति विद्यार्थी किया गया है। यह सहायता अधिकतम दो आश्रित बच्चों को कक्षा 1 से स्नातक तक या दो वर्षीय परास्नातक कोर्स कर रही आश्रित विधवाओं को दी जाएगी। विवाह अनुदान में भी बढ़ोतरी की गई है। विवाह अनुदान को 50,000 रुपए से बढ़ाकर 1,00,000 रुपए प्रति लाभार्थी किया गया है। रक्षा मंत्रालय के अनुसार यह अनुदान अधिकतम दो पुत्रियों के विवाह अथवा विधवा पुनर्विवाह के लिए लागू होगा, बशर्ते विवाह आदेश के जारी होने के बाद संपन्न हुआ हो। रक्षा मंत्रालय का कहना है कि मंजूरी की गई नई दरें 1 नवंबर 2025 से प्राप्त आवेदनों पर लागू होंगी। इससे प्रति वर्ष करीब 257 करोड़ रुपए का वित्तीय भार पड़ेगा, जो आर्म्ड फोर्सेस फ्लैग डे फंड से वहन किया जाएगा।

बारिश ने बढ़ाया चेन्नई के जलाशयों का जलस्तर, आपूर्ति होगी मजबूत

चेन्नई (एजेंसी)। बारिश और जलग्रहण क्षेत्रों से बढ़ते जलप्रवाह के साथ चेन्नई के प्रमुख पेयजल जलाशय पूरी क्षमता के करीब हैं। इससे आने वाले महीनों में शहर में जल आपूर्ति की मजबूत होगी। तमिलनाडु जल संसाधन विभाग के आंकड़ों के मुताबिक पूंडी, पुझल, चेम्बरमबक्कम, रेड हिल्स और चोलावरम जलाशय, जो मिलकर चेन्नई की पेयजल जरूरतों को पूरा करते हैं, उनमें अब 8.328 हजार मिलियन क्यूबिक फीट पानी है, जबकि उनकी संयुक्त क्षमता 11.757 टीएमसी फीट है, जो 70.9 फीसदी का एक स्वस्थ जल संग्रहण स्तर दर्शाता है।

अब पाकिस्तान के लिए आत्मघाती कदम होगा पहलगाम जैसा हमला करना

जम्मू (एजेंसी)। पाकिस्तान की ताकत नहीं है कि वो भारत से सीधे मुकाबला कर सके। यही वजह है कि वो आए दिन भारत के खिलाफ साजिश रचता रहता है। पश्चिमी सेना कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल मनोज कुमार कटियार ने कुछ इसी तरह की साजिश वाली चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान एक बार फिर पहलगाम जैसी आतंकी साजिश रच सकता है, क्योंकि उसके पास भारत से सीधे युद्ध करने की क्षमता और हिम्मत नहीं है। जनरल कटियार ने साफ कहा कि अगर पाकिस्तान कोई हरकत करता है तो भारत की जवाबी कार्रवाई और भी घातक होगी। उन्होंने कहा, अगर वे कुछ करते हैं तो हमारा जवाब पहले से कहीं ज्यादा घातक होगा। इसमें कोई शक नहीं। हम पूरी तरह तैयार हैं और मुझे पूरा विश्वास है कि अगली कार्रवाई और निर्णायक होगी। जम्मू में पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत ने पाकिस्तान को भारी नुकसान पहुंचाया था। उन्होंने कहा, हमने उसकी चौकियों और हवाई ठिकानों को तबाह कर दिया। लेकिन हमें सतर्क रहना होगा, क्योंकि वह फिर कुछ करने की कोशिश कर सकता है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान अपनी दुर्भावनापूर्ण नीतियों से बाज नहीं आएगा, क्योंकि उसके पास भारत से सीधे लड़ने की न तो क्षमता है और न ही साहस। उन्होंने कहा, भारतीय सेना पूरी तरह तैयार है और हमें जनता का पूरा समर्थन प्राप्त है। यही कारण है कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हम पाकिस्तान को करारी हार देने में सफल रहे। 22 अप्रैल को हुए पहलगाम आतंकी हमले में 25 पर्यटकों और एक स्थानीय व्यक्ति की मौत के बाद भारत ने 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था, जिसके तहत पाकिस्तान और पाकिस्तान-आधिकृत कश्मीर में आतंक ढांचे को तबाह किया गया।

तमिलनाडु में हिंदी पर बैन की तैयारी: सीएम स्टालिन की भाषाई स्वाभिमान नीति आई फिर चर्चा में

–हिंदी फिल्में, गाने, विज्ञापन बोर्ड्स और होर्डिंग्स पर रोक का प्रस्ताव

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन के नेतृत्व वाली द्रविड़ मुन्नेत्र कड़गम (डीएमके) सरकार राज्य में हिंदी भाषा के इस्तेमाल पर बैन लगाने वाला विधेयक विधानसभा में पेश करने की तैयारी कर रही है। माना जा रहा है कि प्रस्तावित बिल में हिंदी फिल्मों, गानों, विज्ञापन बोर्डों और होर्डिंग्स में हिंदी भाषा के प्रयोग पर रोक लगाने का प्रावधान शामिल हो सकता है।

सूत्रों के अनुसार, सरकार ने मंगलवार देर रात कानूनी विशेषज्ञों और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ आपात बैठक बुलाई, जिसमें बिल के मसौदे पर विस्तार से चर्चा हुई। यह बिल 14 से 17 अक्टूबर तक चल रहे विधानसभा के विशेष सत्र में पेश किया जा सकता है। गौरतलब है कि तमिलनाडु में लंबे समय से हिंदी भाषा को लेकर विवाद चलता रहा है। डीएमके और अन्य द्रविड़ दल केंद्र की 'तीन-भाषा नीति' का विरोध करते रहे हैं। मुख्यमंत्री स्टालिन ने कई मौकों पर कहा है कि राज्य के लोगों पर हिंदी थोपने का कोई भी प्रयास स्वीकार्य नहीं होगा।

मार्च 2025 में पेश किए गए राज्य बजट के दौरान भी स्टालिन सरकार ने एक प्रतीकात्मक भाषाई कदम उठाते हुए बजट दस्तावेजों और सिंबल से रुपए का हिंदी प्रतीक हटाकर तमिल अक्षर का उपयोग किया था, जो ÷रुबाई (रुपया)÷ शब्द का पहला अक्षर है। यह निर्णय उस समय भी राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा में रहा था।

संभावित प्रभाव और राजनीतिक संदेश

प्रस्तावित बिल पारित होने के बाद राज्य में सार्वजनिक स्थलों, विज्ञापनों, सिनेमा हॉलों, रेडियो प्रसारणों और गानों में हिंदी के प्रयोग पर रोक लगाई जा सकती है। हालांकि, अभी तक आधिकारिक मसौदा सार्वजनिक नहीं किया गया है। यदि यह बिल लाकर पारित किया जाता है, तो तमिलनाडु देश का पहला राज्य बन जाएगा जहां हिंदी भाषा के सार्वजनिक उपयोग पर औपचारिक प्रतिबंध लागू होगा। सीएम स्टालिन का कहना है कि हम तमिलनाडु की सांस्कृतिक पहचान और भाषाई स्वतंत्रता की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं। किसी पर कोई भाषा थोपी नहीं जाएगी।

सोनम वांगचुक की हिरासत को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई 29 अक्टूबर को

नई दिल्ली (एजेंसी)। सामजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की हिरासत को चुनौती देने वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को सुनवाई टल गई। अब मामले की अगली सुनवाई 29 अक्टूबर को होगी। बात दें कि सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि जे. अंगमो की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने याचिका में संशोधन करने की इजाजत मांगी है। न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति एन.वी. अंजारिया की पीठ को सुनवाई करनी है। इससे पहले, केंद्र सरकार और अन्य प्राधिकारियों से जवाब मांगा गया था। लेह प्रशासन ने अपने हलफनामे में राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) के तहत वांगचुक की हिरासत का बचाव किया है। लेह के जिलाधिकारी रोमिल सिंह डोंक ने कहा कि हिरासत आदेश 26 सितंबर को पारित किया गया था। उन्होंने कहा कि वह इस बात से संतुष्ट थे और अभी भी संतुष्ट हैं कि व्यक्ति को हिरासत में रखा जाए। हिरासत का आधार राज्य की सुरक्षा, सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने और समुदाय के लिए आवश्यक सेवाओं के लिए हानिकारक गतिविधियों को बताया गया है।

केरल में हिजाब विवाद छात्रा के पिता और स्कूल प्रबंधन ने बैठकर सुलझाया

–कुछ तत्व इसे लेकर सांप्रदायिक माहौल खराब करने की कर रहे थे कोशिश

एर्नाकुलम (एजेंसी)। केरल के एर्नाकुलम जिले में एक छात्रा को हिजाब पहनने की अनुमति न देने से उपजा विवाद सुलझ गया। छात्रा के पिता ने बातचीत के बाद स्कूल के ड्रेस कोड का पालन करने की बात कही। वहीं, शिक्षा विभाग की जांच रिपोर्ट ने छात्रा को धार्मिक स्वतंत्रता के तहत हिजाब पहनने की अनुमति देने की सिफारिश की है। मामला कैथोलिक चर्च द्वारा संचालित सेंट रीटा पब्लिक स्कूल पल्लुरुथी का है, जहां कक्षा 8 की छात्रा के पिता पीएम अनस ने अपनी बेटी को कक्षा में हिजाब पहनने की अनुमति देने की मांग की थी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक स्कूल प्रशासन ने इसे यूनिफॉर्म नीति का उल्लंघन बताते हुए अस्वीकार कर दिया था। सोमवार और मंगलवार को स्कूल में तनाव के बाद कक्षाएं निलंबित कर दी गई थीं। मंगलवार को कांग्रेस सांसद हिबी ईडन की मध्यस्थता में छात्रा के माता-पिता और स्कूल प्रबंधन के बीच बातचीत हुई, जिसके बाद अनस ने कहा कि वह और उसकी बेटी स्कूल प्रबंधन के निर्देशों का पालन करेंगे। वह नहीं चाहते कि यह मामला सांप्रदायिक रंग ले। हमें समाज में भाईचारा बनाए रखना है। हिबी ईडन ने कहा कि कुछ तत्व इस विवाद के बहाने सांप्रदायिक विभाजन पैदा करने की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने कहा कि छात्रा के पिता का यह फैसला केरल की धर्मनिरपेक्ष परंपरा को मजबूत करने वाला है। इस बीच राज्य के सामान्य शिक्षा मंत्री वी. शिवनकुट्टी ने बताया कि जांच में स्कूल की ओर से गंभीर चूक पाई गई है। उन्होंने फेसबुक पर लिखा- छात्रा को हिजाब पहनने के कारण कक्षा से बाहर करना संविधान द्वारा प्रदत्त धार्मिक स्वतंत्रता और शिक्षा के अधिकार का उल्लंघन है। यह गंभीर अनुशासनहीनता है। जांच रिपोर्ट में अनुशंसा की गई है कि छात्रा को हिजाब पहनने की अनुमति दी जाए और स्कूल चाहें तो उसके रंग और डिजाइन तय कर सकता है। मंत्री ने कहा कि केरल की धर्मनिरपेक्ष पहचान के विपरीत कोई शैक्षणिक संस्था कार्य नहीं कर सकती। ऐसी घटनाएं दोबारा नहीं होनी चाहिए। इससे पहले केरल हाईकोर्ट ने स्कूल प्रबंधन को संभावित कानून-व्यवस्था की स्थिति को देखते हुए पुलिस सुरक्षा देने का आदेश दिया था।

चुनाव में धनबल, शराब, नशे व उपहारों के इस्तेमाल को लेकर आयोग सख्त

आयोग ने चुनाव खर्च पर नजर रखने व्यय पर्यवेक्षकों को भी किया तैनात

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर भारत निर्वाचन आयोग ने चुनाव में धनबल, शराब, नशे और मुफ्त उपहारों के इस्तेमाल पर रोक लगाने के लिए सख्त कदम उठाया है। आयोग ने सभी प्रवर्तन एजेंसियों को सख्त निर्देश दिए हैं ताकि चुनाव प्रक्रिया निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से संपन्न हो सके। चुनाव आयोग ने 6 अक्टूबर को बिहार विधानसभा के आम चुनाव और 8 विधानसभा सीटों के उपचुनाव की घोषणा की थी। अब आयोग ने चुनाव खर्च और अवैध गतिविधियों पर नियंत्रण के लिए विशेष निगरानी की व्यवस्था की है।

चुनाव आयोग ने इस अभियान में कई एजेंसियों को शामिल किया है, जिनमें राज्य पुलिस विभाग, आबकारी विभाग, आयकर विभाग, एफआईयू-आईएनडी, आरबीआई, एसएलबीसी, डीआरआई, सीजीएसटी, एसजीएसटी, कस्टम्स, प्रवर्तन निदेशालय, नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो, रेलवे प्रोटेक्शन फोर्स, सीआईएसएफ, एसएसबी, बीसीएएस, एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया, डाक विभाग, वन विभाग और राज्य सहकारी विभाग शामिल हैं। इन सभी को निर्देश दिया है कि चुनाव के दौरान धन, शराब, ड्रग्स या अन्य प्रलोभनों के जरिए मतदाताओं को प्रभावित न किया जा सके।

आयोग ने चुनाव खर्च पर नजर रखने के लिए व्यय पर्यवेक्षकों को तैनात किया है। ये अधिकारी अधिसूचना जारी होते ही अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों में पहुंच गए हैं और वहां व्यय निगरानी से जुड़ी टीमों से मिलकर नजर रख रहे हैं। आयोग ने कहा कि फ्लाइंग स्क्वॉड, सर्विलांस टीमें और वीडियो मॉनिटरिंग टीमें चौबीसों घंटे सक्रिय रहेंगी ताकि किसी भी संदिग्ध गतिविधि या मतदाताओं को प्रभावित करने की कोशिशों पर तुरंत कार्रवाई की जा सके।

चीन ब्रह्मपुत्र बना रहा सबसे बड़ा बांध, पड़ोसी देशों पर बनाना चाहता है दबाव

–भारत ने जलविद्युत योजना का अनावरण का फैसला कर दिया जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन ब्रह्मपुत्र नदी पर दुनिया का सबसे बड़ा बांध बनाकर मनमानी करने की सोच रहा है। इस बांध के जरिए वह अपने पड़ोसी देशों को रौंदकर अपना व्यापार बढ़ाने की पूरी कोशिश कर रहा है। अब भारत ने भी इसका जवाब देने का फैसला लिया है। दरअसल, भारत सरकार ने ब्रह्मपुत्र नदी पर ही 6.4 लाख करोड़ रुपए की जलविद्युत योजना का अनावरण किया। भारत के इस फैसले के पीछे रणनीति है जो कि भविष्य में भारत के कई राज्यों को फायदा पहुंचाने वाली है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस जलविद्युत परियोजना के बनने से पूर्वोत्तर राज्यों की बिजली की जरूरत आसानी से पूरी होगी। इसके अलावा अन्य राज्यों को भी बिजली आपूर्ति की जा सकेगी। केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) ने कहा है कि केंद्र सरकार ने बढ़ती बिजली मांग को पूरा करने के लिए 2047 तक ब्रह्मपुत्र बेसिन से 76 गीगावाट से ज्यादा जलविद्युत क्षमता स्थानांतरित करने के लिए 6.4 ट्रिलियन रुपए की पारेषण योजना तैयार की है।

सोमवार को जारी रिपोर्ट में सीईए ने कहा कि इस योजना में पूर्वोत्तर राज्यों के 12 उप-बेसिनों में 208 बड़ी पनबिजली परियोजनाएं शामिल की गई हैं, जिनकी संभावित क्षमता 64.9 गीगावाट और पंप-स्टोरेज संयंत्रों से अतिरिक्त 11.1 गीगावाट है। बेसिन की सीमापारीय प्रकृति और चीन से निकटता के कारण जल प्रबंधन और बुनियादी ढांचे की योजना एक रणनीतिक मुद्दा बन गया है। चीन के ब्रह्मपुत्र पर बांध बनाए जाने के बाद भारत को डर सता रहा है कि यह बांध भारतीय क्षेत्र में पानी के प्रवाह को 85 फीसदी कम कर सकता है। इतना ही नहीं, कभी युद्ध की स्थिति आई तो चीन इस बांध का दुरुपयोग भी कर सकता है। इससे ब्रह्मपुत्र के निचले इलाके को नुकसान पहुंचने का खतरा है।

बता दें ब्रह्मपुत्र नदी, जो चीन के तिब्बत से निकलती है और भारत-बांग्लादेश से होकर बहती है, अपने भारतीय क्षेत्र में विशेषकर चीन सीमा के निकट अरुणाचल प्रदेश में, अहम जलविद्युत क्षमता रखती है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि ब्रह्मपुत्र बेसिन अरुणाचल प्रदेश, असम, सिक्किम, मिज़ोरम, मेघालय, मणिपुर, नागालैंड और पश्चिम बंगाल के कुछ हिस्सों को कवर करता है और भारत की अप्रयुक्त जलविद्युत क्षमता का 80 फीसदी से ज्यादा इसमें समाहित है। अकेले अरुणाचल प्रदेश में 52.2 गीगावाट की क्षमता है। बता दें चीन ने जुलाई में दक्षिण-पूर्वी तिब्बत में भारत की सीमा के पास ब्रह्मपुत्र पर एक बड़े बांध का निर्माण शुरू किया है। भारत ने इस साल की शुरुआत में इस परियोजना को लेकर चिंता जताई थी। जनवरी में भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा था कि चीन से यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया है कि ब्रह्मपुत्र के निचले इलाकों के हितों को ऊपरी इलाकों में हो रही गतिविधियों से नुकसान न पहुंचे।

दीपावली पर दिल्ली होगी जगमग: रेखा गुप्ता

प्रथम पृष्ठ का शेष

किसी भी खराब लाइट की तुरंत मरम्मत की जाए, ताकि दीपावली के अवसर पर दिल्ली उजास से भर उठे। मुख्य सचिव ने दिल्ली पुलिस (ट्रैफिक विंग) को निर्देश दिया गया है कि त्योहार के दौरान बाजारों और प्रमुख सड़कों पर अतिरिक्त बल तैनात किया जाए। प्रभावी यातायात योजना लागू की जाए ताकि भीड़-भाड़ वाले इलाकों और बाजारों में वाहनों और भीड़ का सुचारु प्रवाह बना रहे। मुख्य सचिव वर्मा ने दिल्ली नगर निगम और नई दिल्ली नगरपालिका परिषद को आदेश दिए हैं कि वे सफाई व्यवस्था को और बेहतर बनाएं। कूड़े के समय पर निस्तारण और जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त सफाई कर्मियों की तैनाती सुनिश्चित करें। मुख्य सचिव ने निर्देश दिया कि गलियों, बाजारों, सार्वजनिक स्थलों और धार्मिक स्थलों में विशेष सफाई अभियान चलाया जाए ताकि दीपावली पर राजधानी स्वच्छ और आकर्षक दिखे। मुख्य सचिव ने बाजारों में स्ट्रीट वेंडर्स के उचित प्रबंधन और स्थान निर्धारण के लिए नगर निगम और स्थानीय पुलिस को समन्वय के साथ काम करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि त्योहारी सीजन में भी व्यवसाय प्रभावित न हो और सार्वजनिक सुविधा व सुरक्षा बनी रहे। मुख्य सचिव ने प्रत्येक विभाग और एजेंसी से एक नोडल अधिकारी नियुक्त करने का अनुरोध किया है, जो अन्य विभागों के साथ समन्वय स्थापित करे और इन तैयारियों की नियमित निगरानी करे। सभी विभागों से यह भी कहा गया है कि वे अपनी कार्रवाई रिपोर्ट शहरी विकास सचिव को प्रेषित करें। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की "वोकल फॉर लोकल" की भावना को आगे बढ़ाते हुए मुख्य सचिव ने कहा है कि विभाग और एजेंसियां नागरिकों, बाजारों और विक्रेताओं को स्वदेशी उत्पादों के प्रयोग और बिक्री के लिए प्रेरित करें। इससे न केवल स्थानीय व्यापार को बढ़ावा मिलेगा बल्कि आत्मनिर्भरता की भावना भी सशक्त होगी।

मुठभेड़ में बंबीहा गैंग के दो शूटरों को लगी गोली

कौमी पत्रिका

गुरुग्राम। गुरुग्राम में अपराध शाखा सेक्टर-39 व सेक्टर-40 की पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में शनिवार की रात करीब 11 बजे हुई मुठभेड़ में बंबीहा गैंग के दो शूटरों को पकड़ा है। मुठभेड़ में पुलिस की जवाबी कार्रवाई के दौरान पैरों में गोली लगने से दोनों बदमाश घायल हो गए। मुठभे ? में कुल 11 राउंड फायर हुए, इनमें सात राउंड बदमाशों और चार राउंड फायर पुलिस की ओर से किए गए। दोनों घायलों को उपचार के लिए सेक्टर-10 स्थित नागरिक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अपराध शाखा सेक्टर-39 की पुलिस को शनिवार की रात को सूत्रों से सूचना मिली कि पंजाब में हत्या करने के मामलों में वांछित दो बदमाश बाइक पर सवार होकर गोल्फ कोर्स 200 फूटा रोड पर आएंगे। वे यहां पर किसी बड़ी आपराधिक वारदात को अंजाम देने की फिराक में हैं। इस बारे में अपराध शाखा सेक्टर-39 के प्रभारी मोहित कुमार ने इस बारे में उच्च अधिकारियों को अवगत

कराया और अपराध शाखा सेक्टर-40 के प्रभारी ललित को सूचना दी। इसके बाद अपराध शाखा सेक्टर-39 व सेक्टर-40 की पुलिस टीमें सभी सुरक्षा उपकरणों सहित गोल्फ कोर्स एक्सटेंसटन रोड पहुंचीं। सूचना में बताई गई बाइक को ढूंढना शुरू किया तो पुलिस टीम को उमरीपुर गांव रोड के पास एक बाइक आती हुई दिखाई दी। पुलिस टीम ने चालक को बाइक रोकने का इशारा किया। पुलिस टीम को देखकर बिना नंबर प्लेट की बाइक पर सवार दो युवक मौके से भागने का प्रयास करने लगे। पुलिस ने बाइक का पीछा किया गया तो पीछे बैठे युवक ने पुलिस टीम पर एक फायर किया। इसके बाद पुलिस से बचने के लिए युवक बाइक को तेज गति से भगाने लगे तो बाइक का असंतुलित होकर गिर गई। बाइक गिरते ही दोनों युवक अलग-अलग दिशा में भागने लगे तो पुलिस टीम ने हवाई फायर करते हुए दोनों को आत्मसमर्पण करने के लिए कहा। दोनों युवकों ने पुलिस पर फायर करना शुरू कर दिया। इस दौरान एक गोली सहायक उपनिरीक्षक अभिलाष की बुलेट प्रूफ जैकेट पर भी लगी। पुलिस ने जवाबी कार्रवाई में दोनों आरोपियों के पैरों में फायर किए तो दोनों आरोपियों के पैर में 1-1 गोली लगी और वे घायल होकर गिर गए। पुलिसकर्मियों ने दोनों आरोपियों को काबू कर लिया। पुलिस ने एफएसएल व सीन ऑफ क्राइम की टीमों से घटनास्थल का निरीक्षण कराया। आरोपियों द्वारा सरकारी कार्य मे बाधा डालने और पुलिस पर गोली चलाकर जानलेवा हमला करने पर उनके खिलाफ सेक्टर-65 थाने में बीएनएस व शस्त्र अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस ने आरोपियों से दो पिस्टल, दो कारतूस एक बाइक बरामद की है। वहीं, घटनास्थल से 11 खाली खोल कारतूस (सात आरोपियों की आरे से और चार पुलिस की ओर से फायर किए गए) बरामद किए हैं। अपराध शाखा सेक्टर-39 व सेक्टर-40 की पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में गोली लगने से घायल हुए दोनों बदमाश पंजाब के अमृतसर के रहने वाले हैं। आरोपियों की पहचान अमृतसर की मिलाप कॉलोनी निवासी सुमित शर्मा (21 वर्ष) और साहदोवाल निवासी सुखमनजीत (19 वर्ष) के रूप में हुई है। गोली लगने से घायल हुए दोनों बदमाशों को उपचार के लिए सेक्टर-10 स्थित नागरिक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सुमित शर्मा ने 10वीं कक्षा तक और सुखमनजीत ने 12वीं कक्षा तक पढ़ाई की है। आरोपी सुमित अगस्त 2025 में पंजाब के अमृतसर में हत्या के मामले में वांछित अपराधी है। वहीं, आरोपी सुखमनजीत वर्ष 2022 में अमृतसर के महतो गांव में हत्या करने के मामले में भगोड़ा अपराधी है। आरोपियों का आपराधिक रिकॉर्ड जांचने पर पता चला कि आरोपी सुमित पर हत्या करने, हत्या का प्रयास करने जान से मारने की धमकी देने व शस्त्र अधिनियम के तहत छह मामले दर्ज हैं। वहीं, आरोपी सुखमनजीत पर हत्या करने के तहत एक मामला पंजाब में पहले भी दर्ज है।

बैंक मैनेजर दामाद को उतारा था बेरहमी से मौत के घाट, बेटा-बेटी संग कलेक्ट्रेट बार के अध्यक्ष दोषी करार

आगरा। आगरा के ताजगंज की रामरघु एग्जॉटिका कॉलोनी में 12 अक्तूबर 2023 को बैंक मैनेजर सचिन उपाध्याय की गला दबाकर हत्या के मामले में कोर्ट ने उनके ससुर कलेक्ट्रेट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष बिजेंद्र रावत, साले कृष्णा रावत और पत्नी प्रियंका उर्फ मोना को दोषी करार दिया। एडीजे-17 नितिन ठाकुर की कोर्ट में बुधवार को सजा पर सुनवाई होगी। तीनों दोषियों को हिरासत में लेकर जेल भेज दिया गया। केस में सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष की तरफ से 18 गवाह पेश किए गए। पांच गवाह बचाव पक्ष ने पेश किए। थाना मंसुखपुरा के टीकतपुरा निवासी सचिन उपाध्याय की शादी फरवरी 2015 में बालूगंज निवासी बिजेंद्र रावत की बेटी प्रियंका उर्फ मोना के साथ हुई थी। तब सचिन गुजरात में बैंक ऑफ इंडिया की शाखा में मैनेजर थे। मृतक के पिता केशव देव शर्मा ने 18 अक्तूबर 2023 को थाना ताजगंज में केस दर्ज कराया था। बताया था कि सचिन से प्रियंका झगड़ा करती थी। इसके कारण बेटा गुजरात से वापस आ गया। उसकी तैनाती शमसाबाद स्थित बैंक की शाखा में हो गई। वर्ष 2020 में दोनों शमसाबाद मार्ग स्थित रामरघु एग्जॉटिका में रहने लगे थे। सचिन ने सितंबर में भाई गौरव के नाम से पेट्रोल पंप के लिए आवेदन किया तो बहू ने सचिन से झगड़ा किया। 11 अक्तूबर को सचिन घर आया था। उसने सारी बातें बताई थीं। 10 बजे बेटे के साले कृष्णा रावत ने फोन करके सचिन और प्रियंका के बीच झगड़े की जानकारी दी। उन्होंने फोन मिलाया तो स्विच ऑफ था। 12 अक्तूबर की शाम बेटे के ससुर बिजेंद्र रावत ने उन्हें फोन कर सचिन के मौत की जानकारी दी। वह मौके पर पहुंचे तो देखा कि बेटे के शरीर पर चोट के निशान थे। उन्होंने सचिन की हत्या का आरोप बहू प्रियंका, उसके पिता बिजेंद्र रावत, भाई कृष्णा रावत और एक अज्ञात पर लगाया था। केस में दोषी मृतक का साला कृष्णा रावत जेल में था। पत्नी और ससुर जमानत पर चल रहे थे। तत्कालीन डीसीपी सिटी ने डॉक्टरों के पैनल से सचिन के शव का पोस्टमार्टम कराया था जिसकी वीडियोग्राफी भी हुई थी। रिपोर्ट में गला घोंटने से दम घुटना की बात सामने आई थी। शरीर पर चोट के छह निशान मिले थे जो हल्के जले थे। इस मामले में जनवरी 2024 में आरोपपत्र दाखिल किया गया था। इसमें बिजेंद्र रावत को आपराधिक षड्यंत्र (धारा 201) का आरोपी बनाया था, जबकि बेटी प्रियंका और बेटे कृष्णा को हत्या और साक्ष्य मिटाने (302, 201) का आरोपी बनाया था। हत्या के पीछे पत्नी का झगड़ा दर्शाया गया था। 25 से अधिक गवाहों के साथ इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य भी जुटाए गए थे। मुकदमे की विवेचना निरीक्षक क्राइम राजकुमार ने की थी। मृतक का पोस्टमार्टम चिकित्सकों के पैनल से कराया गया था। इसमें मौत गला दबाने से होने की पुष्टि हुई थी। जलाया भी गया था। पुलिस ने घर से प्रेस और कपड़े बरामद किए थे। कृष्णा रावत के बहन प्रियंका के घर पर पौन घंटे तक रुकने की पुष्टि हुई थी। डिजिटल साक्ष्य मिल गए थे। हत्या के बाद घटना को आत्महत्या दर्शाने का प्रयास किया गया था। सचिन के पिता केशव देव शर्मा सेवानिवृत्त शिक्षक हैं। पुलिस विवेचना के मुताबिक, हत्या की वजह कलह बनी थी। पत्नी को पति का परिजन से मिलना पसंद नहीं था। विवेचना में पाया गया था कि घटना वाले दिन सचिन गांव गए थे। परिवार से मिलकर आए थे। सचिन ने भाई के नाम से पेट्रोल पंप के लिए आवेदन किया था। पत्नी इससे नाराज थी। पति के घर आने पर पत्नी ने झगड़ा किया। अपने भाई को बुला लिया था। इसके बाद ही हत्या की गई थी। पिता का कहना है कि बेटे की 11 अक्तूबर को हत्या कर दी गई थी। अगले दिन उन्हें सूचना दी गई। बिजेंद्र रावत ने डीएम से शिकायत कर रात में ही शव का पोस्टमार्टम कराने का दबाव बनाया था।

प्रदेश में खत्म हुई ई कारों-स्कूटरों में मिलने वाली सब्सिडी, फैसला न होने से ठप हुई ब्रिकी

लखनऊ। ई कारों और ई स्कूटरों पर मिलने वाली सब्सिडी 13 अक्तूबर को खत्म हो गई है। सब्सिडी आगे जारी रहेगी या नहीं या फिर नीति में बदलाव होगा, इसे लेकर शासन स्तर से अभी कोई निर्णय नहीं लिया गया है। माना जा रहा है कि जल्द इस मामले में बैठक होगी और इस पर फैसला लिया जाएगा। मंगलवार को औद्योगिक विकास विभाग और परिवहन विभाग से सब्सिडी संबंधी किसी तरह के दिशा निर्देश जारी न होने से पूरे प्रदेश में ई वाहनों की बिक्री लगभग ठप हो गई है। ई वाहन प्रोत्साहन नीति के तहत 13 अक्तूबर तक ई वाहनों पर रोड टैक्स शून्य था। इसके अलावा एक लाख रुपये की सब्सिडी अतिरिक्त थी। यानी एक ई कार पर ढाई से तीन लाख रुपये तक की सब्सिडी का प्रावधान था। खन्ना हुंडई के एमडी पुनीत खन्ना ने कहा कि सोमवार तक स्टाक खाली कर दिया। अभी तक कोई गाइडलाइंस नहीं आई हैं इसलिए बुकिंग भी बंद हैं। टाटा मोटर्स के डीलर सुमन कपूर ने कहा कि सब्सिडी पर संशय होने के कारण बुकिंग बंद है। शासन के वरिष्ठ अधिकारियों के मुताबिक ई वाहनों पर सब्सिडी जारी रहेगी या नहीं, इसपर अभी कोई निर्णय नहीं लिया गया है।

NAME CHANGE
I, PRIYA SRIVASTAVA D/O OM PRAKASH SRIVASTAVA R/O H-142, ASSOTECH WINDSOR COURT, SECTOR-78, NOIDA, DISTT- GAUTAM BUDDH NAGAR 201301. THAT I HAVE CHANGED THE NAME OF MY MINOR SON NAME FROM ISHAN SRIVASTAVA TO ISHAAN SRIVASTAVA FOR ALL.

NAME CHANGE
I, MOHD IKRAM S/O ALLUDDIN,residing at H.No.73,Gali No.4,33 Foota Road,Bhagirathi Vihar Phase-1,Delhi-110094, have changed my name to IKRAMUDDIN

NAME CHANGE
I hitherto known as Om Mazumder alias Subhodeep Mazumder S/O Subhasish Mazumder, R/O 623, Arun Vihar, Sector-29, Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh- 201301,have changed my name and shall hereafter be known as OM MAZUMDER.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, PRADEEP KUMAR S/O KEDARNATH PRASAD, R/O H.No- J-05, Type-3, Mahanadi extension Ignou Campus Maidan Garhi Ignou Hauz Khas South Delhi Delhi -110068, declare that name of my wife has been wrongly written as NITI AGGARWAL in my minor Son's namely SUBH AGGARWAL aged 16 Years in his School record. The actual name of my wife is NITI AGRAWAL, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
It is for general information that I, NANDAN RAM S/o RUPLAL RAM R/o House No. 542, Kh.No. 88, Pehlad Pur Bangar, PO: Pehlad Pur Bangar, Dist. North West Delhi, Delhi-110042, declare that name of my wife has been wrongly written as MEERA DEVI in my minor son namely GOVIND KUMAR aged 15 years in his School Records. The actual name of my wife is SUNEETA DEVI.

NAME CHANGE
It is for general information that I, MOHAMMAD YASIN S/o NIZAMUDDIN R/o RZ-3, Gali No.4, Durga Park, Nasirpur, PO: Palam Village, Dist. South West Delhi-110045, declare that name of mine has been wrongly written as MOHD YASHIN in my minor son namely MD SAKIR aged 17 years in his 10th class Educational Documents. The actual name of mine is MOHAMMAD YASIN, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
It is for general information that I, JEETENDRA PRASAD S/o JAGDISH MAHTO R/o Jhuggi No.167/176A, Harijan Basti, Anant Ram Dairy, R K Puram (Main), South West Delhi-110066, declare that name of mine has been wrongly written as JITENDRA in my minor son namely PRINCE KUMAR aged 16 years in his 10th class Educational Documents. The actual name of mine is JEETENDRA PRASAD, which may be amended accordingly.

सार्वजनिक सूचना
यह प्रमाणित किया जाता है कि श्रीमती सुदेश, पत्नी श्री वीर पाल, श्री श्याम लाल से संपत्ति संख्या A-51, क्षेत्रफल 1440.69 वर्ग फुट, खसरा संख्या 10/24/2, चावला पार्क, चंदर नगर, गांव खुरेजी खास, शाहदरा, दिल्ली-110051 के अपर ग्राउंड फ्लोर (बिना रूफ राइट्स) को खरीदने का इरादा रखती हैं। उक्त संपत्ति की मूल स्वामित्वकर्ता श्रीमती प्रेमवती थीं, जिनका नाम राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज है। बाद में, उन्होंने यह संपत्ति दिनांक 11.11.1997 को एक नोटराइज़्ड जनरल पावर ऑफ अटॉर्नी (GPA), नोटराइज़्ड एग्रीमेंट टू सेल (ATS) और वसीयत (Will) के माध्यम से श्री अश्वनी कुमार को हस्तांतरित की। श्री अश्वनी कुमार ने दिनांक 30.04.2004 को नोटराइज़्ड GPA, ATS और Will के माध्यम से यह संपत्ति श्री बी.बी. लाल अग्रवाल को हस्तांतरित की। तत्पश्चात, श्री बी.बी. लाल अग्रवाल ने दिनांक 26.10.2004 को नोटराइज़्ड तक्क,-ज्ञस और Will के माध्यम से यह संपत्ति श्रीमती शांति देवी को हस्तांतरित कर दी। दुर्भाग्यवश, श्रीमती शांति देवी का निधन दिनांक 31.12.2010 को हो गया, जबकि उनके पति श्री प्रभु दयाल का निधन पहले ही दिनांक 17.10.2007 को हो चुका था। वे अपने पीछे निम्नलिखित विधिक उत्तराधिकारियों को छोड़ गए- श्रीमती राधा रानी, श्रीमती मधु रानी, श्रीमती रोज़ी, श्रीमती लक्ष्मी एवं श्री श्याम लाल। बाद में, श्रीमती राधा रानी, श्रीमती मधु रानी, श्रीमती रोज़ी और श्रीमती लक्ष्मी ने अपनी-अपनी हिस्सेदारी अपने सगे भाई श्री श्याम लाल के पक्ष में त्याग दी। इस प्रकार, श्री श्याम लाल उक्त संपत्ति के पूर्ण स्वामी हैं। कृपया ध्यान दें कि यह संपत्ति वर्तमान में बजाज हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, गाज़ियाबाद शाखा, उत्तर प्रदेश से वित्तपोषित किए जाने का प्रस्तावित है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।
[ASHWANI KUMAR] Advocate
Chamber No. 122,
Tehsil Compound, Ghaziabad, U.P.

NAME CHANGE
I, JAYSHRI is a real mother of No. 2803344X Rank HAV Name PASTE UMESH BHAGWAN presently residing VILL KALAMBIST, PO- KALAMBIST, TEH-SAWANTWADI, DIST-SINDHUDURG STATE-MAHARASHTRA, PIN-416531, have changed my name from JAYSHRI TO JAYASHRI BHAGWAN PASTE and date of birth from 05/08/1953 to 16-09-1948 for all future purposes. Vide affidavit dated 15.10.2025 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, KAMAL is a real mother of No. 2810803N Rank HAV Name LENGUTE NITIN DA??? presently residing VILL-GOUNDHALA, POST-LEHANI, TEH-RISOD, DIST-WASHIM, STATE-MAHARASHTRA, PIN-444504, have changed my name from KAMAL TO KAMAL DAJIBA LENGUTE ,And date of birthf from 03/02/1961 To 01/01/1954 for all future purposes. Vide affidavit dated 15.10.2025 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, MANGAL is a real mother of No. 2810056N Rank L/HAV Name MUTHAL KAILAS KONDAJI presently residing VILL VADGOAN PINGLA, PO- VADGOAN PINGLA, TEH- SINNAR, DIST NASHIK, STATE-MAHARASHTRA, PIN-422502, have changed my name from MANGAL TO MANGAL KONDAJI MUTHAL. And date of birth from 02/04/1972 to 02/06/1972 for all future purposes. Vide affidavit dated 15.10.2025 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, Deepak S/O Ved Prakash, R/O WZ-202, GALI NO-13, SADH NAGAR PART-1, PALAM COLONY, DIST: South West Delhi, Delhi-110045, have changed the name of my minor son Lovey 15 years and he shall hereafter be known as Khushal Arya.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I RAKESH KUMAR AHIRWAR S/o HEERA LAL R/o Khasra no-761, Pradhan Enclave, Pavi Sadakpur, Loni Dehat, PO: Loni DIST: Ghaziabad Uttar Pradesh - 201102, declared that name of my minor son has been wrongly written as HARASH in my minor son namely HARSH aged 15 years in his school record The actual name of my minor son is HARSH respectively which my be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, hitherto known as Suraj Parkash S/O Bihari Lal R/O 41/j-35 Beadon pura, Karol Bagh S.O. Central Delhi, Delhi-110005, have changed my name and shall hereafter be known as SURAJ.

NAME CHANGE
I, hitherto known as Mohinder Sethi alias Mohinder nath Sethi S/O Ram Payara, R/O 13/35A, third floor, tilak nagar, Tilak Nagar, PO: Tilak Nagar, DIST: West Delhi, Delhi -110018, have changed my name and shall hereafter be known as Mohinder Sethi.

NAME CHANGE
I hitherto known as Ginni Bhardwaj S/O Rajkumar Bhardwaj, R/O J-21, ADHYAPAK NAGAR, NANGLOI, West Delhi, Delhi-110041, have changed my name and shall hereafter be known as ABHISHEK BHARDWAJ.

NAME CHANGE
I PRADEEP KUMAR S/O ROHTASH SINGH DIXIT R/O F-78 GALI NO. -3, EAST VINOD NAGAR PATPARGANJ DELHI- 110091, I have changed my name to PARDEEP KUMAR Permanently

NAME CHANGE
I, BALU SUBBURAM SURESH BABU S/O BALU RAMALINGAM SUBBURAM, residing at H NO-1389, C-1, SECTOR-C, VASANT KUNJ, NEW DELHI-110070 have changed my name to SURESH BABU BALU SUBBURAM for all future purpose.

NAME CHANGE
I AMREEN W/O MANOWAR ALI R/O H.NO V-84 SECTOR -D BHAGWATI VIHAR UTTAM NAGAR DELHI -110059 I have changed my name to AMREEN IQUBAL Permanently

NAME CHANGE
I JEEWAN JOT SINGH BHATIA S/O GURPREET SINGH BHATIA R/O H.NO-5 BLOCK 34,OLD RAJINDER NAGAR DELHI - 110060, I have changed my name to JEEWAN JOT SINGH Permanently

NAME CHANGE
I NISHA D/O VEER SINGH R/O H31/12A GALI NO-24 JAI PRAKASH NAGAR GHONDA DELHI 110053. HAVE CHANGED MY NAME TO NISHA MORIA

NAME CHANGE
I, AMANJEET SINGH SARLA S/O KARAMJEET SINGH R/O C-34, NIRMALPURI, OLD DOUBLE STOREY, LAJPAT NAGAR-IV, NEW DELHI-110024, I have changed my name from AMANJEET SINGH TO AMANJEET SINGH SARLA for all future purpose.

NAME CHANGE
I, RUCHI wife of No.-15802370M, Rank-L/NK Name-RAM NIVAAS residing at BIHARMAAN NAGLA, BANNUWAL NAGAR PHASE-II, PO-IZZAT NAGAR, DIST-BAREILLY, UTTAR PRADESH-243122, have changed my name from RUCHI to RUCHI DEVI for all future purposes vide Affidavit dated 15/10/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, Tejasvi Dixit R/o Flat No-B-1303, 13th Floor, Tower-B, Elite Homz, Sector-77, Noida, Uttar Pradesh-201301 have changed my minor daughter name From Eeshvi to Eeshvi Dixit for all future purposes

NAME CHANGE
It is for general information that I, DEVALE PANDHARINATH SHANKAR S/O SHANKAR BHIMA DEVALE R/O VPO-VADAGAON, TEH-KAGAL, DIST-KOLHAPUR (MAHARASHTRA)-416218, declare that name of mine and my minor son has been wrongly written as DEVALE PANDHARI NATH and RAJVARDHAN P DEVALE in my son RAJRVARDHAN PANDHARINATH DEVALE Aged 14 Years in his school record. The actual name of mine are DEVALE PANDHARINATH SHANKAR and RAJRVARDHAN PANDHARINATH DEVALE respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
It is for general information that I, Uday Kumar S/o Dilip Prasad Yadav R/o H.No.B 254, Gali No.3, Gauri Shankar Enclave-2, Prem Nagar-3, Kirari Suleman Nagar, North-West Delhi, Delhi-110086, declare that name of mine and my-wife has been wrongly written as Uday Yadav And Poonam Yadav in my-minor daughter Payal Yadav aged 16 years in her 10th Class CBSE Marks Statement Cum Certificate. The actual name of mine and my-wife are Uday Kumar and Poonam.

NAME CHANGE
I, Aishwarya Sahni D/O Sunil Kapoor W/O Arjunpreet Singh Sahni R/O Villa No-4, Sec-93A, ATS Green Village Noida Gautam Budha Nagar UP 201301 Have changed my name to Aishwarya Kapoor for all future purposes.

NAME CHANGE
I, BHOGADI SANYASIRAO Father of No. 23102790L Rank-SEP Name- BHOGADI VAMSI residing at D NO-2-49, VILL-VEERAVILLI AGRAHARAM, PO-VEERAVILLI AGRAHARAM, TEHSIL-MADUGULA, DIST-ANAKAPALLI, ANDHRA PRADESH-531026, have changed my name from BHOGADI SANYASIRAO to BOGADI SANYASI RAO for all future purposes, Vide Affidavit dated 15/10/2025 before Notary Public Delhi

NAME CHANGE
I, BHOGADI NAGAMANI mother of No. 23102790L Rank-SEP Name-BHOGADI VAMSI residing at D NO-2-49, VILL-VEERAVILLI AGRAHARAM, PO-VEERAVILLI AGRAHARAM, TEHSIL-MADUGULA, DIST-ANAKAPALLI, ANDHRA PRADESH-531026, have changed my name from BHOGADI NAGAMANI to BOGADI NAGAMANI for all future purposes Vide Affidavit dated 15/10/2025 before Notary Public Delhi.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, MOHAMMAD YUNUS S/O MOHAMMAD SHAKUR R/O L-II-126, MADANGIR, PUSHPA BHAWAN, S.O, SOUTH DELHI, DELHI- 110062 declare that name of mine and my wife have been wrongly written as YOUNUS and ZAKRA in my minor daughter namely ALIYA MALIK aged 14 years in her birth certificate. The actual names of mine and my wife are MOHAMMAD YUNUS and ZAKIRA respectively which may be amended accordingly. It is certified that I have complied with other legal requirements in the connection

NAME CHANGE
I KAVITA GAUTAM w/O ANAND MUKUND R/o 103,JAY AMBEY APARTMENT,NEW KONDLI, MAYUR VIHAR PHASE-3 DELHI-110096, have changed my name to KAVITA GAUTAM PANDEY for all future purpose.

NAME CHANGE
I, REVA CHOUDHARY D/o Sanjay Nayol R/o C-122, F/F, Suncity, Sec-54, Gurgaon, Haryana-122011, have changed my name to REVA permanently

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, Janki Devi W/O Late Hari Mehto, 118-D, Dhawalgiri Apartments, sector-11, Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh - 201301, declare that the name of mine has been wrongly written as Janki Devi Mehto in my minor daughter Nikita aged 14 years in her school records, the actual name of mine is Janki Devi, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, hitherto known as MARIMUTHU S/O RAMU R/O 173 TRANSIT CAMP, RAGHUVIR NAGAR, TAGOR GARDEN ,DIST-WEST DELHI , DELHI-110027 have changed my name and shall hereafter be known as RAJU.

NAME CHANGE
I, hitherto known as NAVEEN KUMAR DAHIYA alias NAVEEN KUMAR S/O DAYANAND R/O FLAT NO-273, SEC-E, POCKET-II, VASANT KUNJ, VASANT KUNJ, SOUTH WEST DELHI, DELHI-110070 have changed my name and shall hereafter be known as NAVEEN KUMAR.

NAME CHANGE
It is for general information that I, ISHA SHAHI D/o BABU RAM SHAHI R/o C-3/ 249, Gali No - 17, Near R.D Public School, Nangli Vihar Extn., Bapraula, Po: Baprola, DIST: West Delhi, Delhi-110043, declare that the name of mine my father and mother have been wrongly written as ISHA, BABURAM SAHI and ASHA SAHI in my 10th and 12th class Educational Documents. The actual name of mine , my father and my mother are ISHA SHAHI, BABU RAM SHAHI and ASHA SHAHI respectively; which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I hitherto known as YADAV POONAM PANCHDEV D/O PANCHDEV CHHOTKAN YADAV W/O RAVISHANKAR YADAV R/O H.NO. - 53, Gujjar Mohalla, Masjid, Chandan Hola, PO: Chandanhoola , DIST : South Delhi , Delhi - 110074 have changed my name and shall hereafter be known as POONAM PANCHDEV YADAV.

PUBLIC NOTICE
I hitherto known as ANKIT YADAV alias SURENDRA KUMAR S/O AKHILESHWAR RAY, R/O H.No-344-347, 3rd Floor, Guru Ram Dass Nagar, VTC- Laxmi Nagar, PO- Laxmi Nagar, Sub District- Gandhi Nagar, District- East Delhi, State- Delhi- 110092, have changed my name and shall hereafter be known as SURENDRA KUMAR

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, PRASHANT S/O KUNWARPAL R/O H.No- 20 GALI NO 3, Hapur Road, Old Bus Stand, Deena Garhi, Ghaziabad, PO: Ghaziabad, Dist: Ghaziabad, Uttar Pradesh-201001, declare that name of mine and my father has been wrongly written as PRASHANT SAGAR and KUNWAR PAL SINGH in my 10th class educational documents. The actual name of mine and my father are PRASHANT and KUNWARPAL which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
It is for general information that I, Vikas S/o Khiladi R/o D-46, Vijay Vihar Phase-1, Sector-4 Rohini, Raja Pur Kalan, North West Delhi, Delhi-110085 declare that name of my father has been wrongly written as Khilari in my 10th and 12th Class Educational Documents. The actual name of my father is Khiladi.

NAME CHANGE
I hitherto known as VISHVANATH PANDE S/O DEVANAND PANDE R/O 21, JINDAL PIPES LIMITED, PARSON, GHAZIABAD, UTTAR PRADESH-245304 have changed my name and shall hereafter be known as VISHWANATH TIWARI.

NAME CHANGE
I, Jitender Kumar S/O Mahendra Singh, R/O 217, GALI N0-3,SEWA NAGAR. MEERUT ROAD, Ghaziabad, Ghaziabad, Uttar Pradesh, 201001, have changed the name of my minor daughter Naina aged 16 years and she shall hereafter be known as PRACHI.

NAME CHANGE
It is for general information that I, VANSHIKA D/o Mahender Kumar, R/o T-39, Ground Floor, Baba Farid Puri, West Patel Nagar, New Delhi-110008, declare that name of my father has been wrongly written as Mahendra Kumar in my 10th and 12th educational documents. The actual name of my father is Mahender Kumar, which may be amended accordingly

Name Correction
I, DHIRAJ KUMAR, (FATHER, Guardian) & on behalf of my minor son EKAKSH RAI (New Name) Previously called DHAIRY RAI (Old Name) S/o Sh. DHIRAJ KUMAR, R/o H. NO. MCF-2356, SANJAY COLONY, GALI NO. 30, SEC-23, FARIDAABD, SEC-22, FARIDABAD, HARYANA-121005 have changed my minor Son's name from DHAIRY RAI to EKAKSH RAI for all future purposes.

NAME CHANGE
I,Nisha Mishra C/o Pradip Kumar R/o 26,Ghatiya Mishran ,Etawah,Uttar Pradesh,20601, have changed my name to Prem janki Mishra for all future purposes

NAME CHANGE
I AMAN S/O SURENDER KUMAR R/O H.N0-7673/27 STREET N0-05, BEGU ROAD KALYAN NAGAR, SIRSA, HARYANA-125055 HAVE CHANGE MY NAME TO AMAN SETHI FOR ALL PURPOSE

NAME CHANGE
I, Mohd Ajaz S/o Abdul Rashid R/o 3175, Phatak Teliyan, Turkman Gate, Delhi-110006 have changed my name to Ajaz.

NAME CHANGE
I, Jhuma Singh, W/O Amit Singh, R/o H. No. 16, Zamrudpur, Greater Kailash Part-I, New Delhi □110048, declare that name of mine has been wrongly written as Jhooma Singh in my son Gaurav Singh school record. My correct name is Jhuma Singh.

NAME CHANGE
I, hitherto known as MANJU W/O ARUN KUMAR R/O L-1, A-169, GALI NO-14, SANGAM VIHAR, DELHI-110062 have changed my name and shall hereafter be known as MANJU BHARDWAJ. It is certified that I have complied with other legal requirements in the connection.

NAME CHANGE
I, hitherto known as ARUN KUMAR S/O HIRA LAL R/O L-1, A/169, BLOCK-L-1A, SANGAM VIHAR, DELHI-110062 have changed my name and shall hereafter be known as ARUN BHARDWAJ. It is certified that I have complied with other legal requirements in the connection.

NAME CHANGE
I, hitherto known as ASHISH KUMAR S/O ARUN KUMAR R/O L-1, A/169, GALI NO-14, SANGAM VIHAR, DELHI-110062 have changed my name and shall hereafter be known as ASHISH BHARDWAJ. It is certified that I have complied with other legal requirements in the connection

NAME CHANGE
I, GYAN DABAS S/O RANDHIR SINGH DABA R/O RZ-G-26, DHARAMPURA, NAJAFGARH, SOUTH WEST DELHI, bokanDELHI-110043 HAVE CHANGED MY MINOR DAUGHTER NAME FROM "KRITIKA" TO "KRITIKA DABAS " FOR ALL FUTURE PURPOSE.

NAME CHANGE
I, HARISH KUMAR S/O RAJESH KUMAR R/O H.NO-2802, 2ND FLOOR, GALI RAJPUTANA, CLOCK TOWER, ARYA PURA, OLD SUBZI MANDI, MALKA GANJ, NORTH DELHI, DELHI-110007 HAVE ADD MY SURNAME TO HARISH KUMAR GUPTA FOR ALL FUTURE PURPOSE.

NAME CHANGE
I, GITA / GITA GOSAIN, W/O PARVEEN, R/O FLAT NO D-305,MONSOON BREEZE SOCIETY, NARUNG PUR, TEHSIL MANESAR, SECTOR-78, GURGAON, HARYANA-122001 HAVE CHANGED MY NAME TO GEETA ARORA FOR ALL FUTURE PURPOSE

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, Anju Devi W/o Om Prakash Choudhary R/o Rathore Samaj Shiv Mandir C-Block, Gali No 11, Mangolpuri, Mangolpuri N Block, North West Delhi, Delhi-110083 declare that name of mine has been wrongly written as Anju Kumari in my minor daughter Shilpa aged 17 years in her 12th Class Educational Documents. The actual name of mine is Anju Devi.

सार्वजनिक सूचना
खातून पत्नी श्री समीउल्लाह निवासी मकान खुशहाल पार्क, लोनी, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश-201102. आधार कार्ड संख्या 3471 3406 7294 एतद्द्वारा शपथपूर्वक ब्यान करती हूँ कि मेरा पुत्र खालिद आये दिन हमारे साथ लड़ाई झगड़ा करता रहता है इसलिये उसके अनैतिक आचरण व दुर्व्यवहारों के कारणों से दुःखी होकर मैंने उसे अपनी समस्त चल-अचल संपत्ति से बेदखल कर उससे अपने सभी पारिवारिक सम्बन्ध विच्छेद कर लिये है। यह भविष्य में पुत्र खालिद से मेरा व मेरे परिवार का किसी प्रकार का कोई वास्ता व सरोकर नहीं रहा है और भविष्य में यदि कोई उसके साथ किसी प्रकार का कोई लेन-देन करता है तो इसके लिये वह स्वयं जिम्मेदार होगा तथा उसके द्वारा किये गये किसी भी कृत के लिये मैं और परिवार जिम्मेदार नहीं होगा तथा वह स्वयं जिम्मेदार होगा।

PUBLIC NOTICE
Be it known to the public at large that my clients Sh. Parmjit Singh S/O Late Lal Singh, and his wife Smt. Sukhvinder Kaur, both, R/O H.No. 103, 1" Floor, Type-2, DCP Office and Staff Quarters, Rohini Sector 5, New Delhi-110085, have severed their relations from their son namely Sh. Manpreet Singh S/O Sh. Parmjit Singh, and Daughter-in-law (Putar-vadhu) Smt. Ranjana Rani W/O Sh. Manpreet Singh, both R/O H.No. 103, 1 Floor, Type 2, DCP Office and Staff Quarters, Rohini Sector 5, New Delhi-110085, have disowned them from all their moveable and immoveable properties. Henceforth, my clients shall not be responsible for any acts, deeds and things of their abovenamed son and daughter-in-law (Putar-vadhu) and anybody dealing with her in any manner shall- be doing so at his/her own risk and responsibility.
(AMARDEEP SINGH)
ADVOCATE
CHAMBER NO. 449, DWARKA COURT COMPLEX SECTOR-10, DWARKA, NEW DELHI-110075

NAME CHANGE
I, SONAL wife of JC-735763F, Rank-NB SUB, Name-DUMADIYA SHAILESHBHAI RAYSANGBHAI, residing at VILL-JASAPAR, PO-MULI, DIST-SURENDRA NAGAR, GUJARAT-363510, have changed my name from SONAL to SONALBEN SHAILESHBHAI DUMADIYA for all future purposes, in my husband□s service record my date of birth wrongly mentioned as 02/12/1986 instead of my correct date of birth as 02/07/1983 Vide Affidavit dated 15/10/2025 before Executive Magistrate, New Delhi.

NAME CHANGE
I, JC-735763F, Rank-NB SUB, Name-DUMADIYA SHAILESHBHAI RAYSANGBHAI legal father of HARPALKUMAR, residing at VILL-JASAPAR, PO-MULI, DIST-SURENDRA NAGAR, GUJARAT-363510, have changed my minor son□s name from HARPAL KUMAR to HARPALKUMAR SHAILESHBHAI DUMADIYA for all future purposes vide affidavit dated 15/10/2025 Before Executive Magistrate, New Delhi.

NAME CHANGE
I, JC-735763F, Rank-NB SUB, Name-DUMADIYA SHAILESHBHAI RAYSANGBHAI legal father of RAVI, residing at VILL-JASAPAR, PO-MULI, DIST-SURENDRA NAGAR, GUJARAT-363510, have changed my minor son□s name from RAVI to RAVI SHAILESHBHAI DUMADIYA for all future purposes vide affidavit dated 15/10/2025 Before Executive Magistrate, New Delhi.

NAME CHANGE
I, ALKA JAGWANI D/O GHANSHYAM DAS HARYANI W/O PAWAN JAGWANI resident of N-55, FIRST FLOOR, GREATER KAILASH-1, DELHI-110048, have changed my name to ALLKAH JAGWANI for all future purposes.

NAME CHANGE
I, PALLAVI JAGWANI D/O PAWAN JAGWANI resident of N-55, FIRST FLOOR, GREATER KAILASH-1, DELHI-110048have changed my name to PALLAVII JAGWANI for all future purposes.

NAME CHANGE
I, MEERA SHARMA, D/O CHANDAN SINGH ADHIKARI, R/O FLAT NO-001,GOKUL APARTMENT,SHIV PARK,KAKROLA,DWARKA,SOUTH WEST DELHI,DELHI-110078,HAVE CHANGED MY NAME TO MEERA SINGH FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE
I, Harpreet Kaur, W/o Pawan Kumar, R/o H. No. E-125, Street No. 7, East of Kailash, Garhi, New Delhi-110065, declare that name of mine, my husband and my minor Son's has been wrongly written as Harpreet, Pawan and Yuvraj in my minor Son's namely Yuvraj Kumar aged about 14 years in his School Record. The actual name of mine, my husband and my minor Son's are Harpreet Kaur, Pawan Kumar and Yuvraj Kumar.

NAME CHANGE
I Sahida Begum W/O Shakeel Ahmad R/O. House no-387, Gali no-1 Kardampuri EXTN Delhi - 110094 changed my name to Shaida Khatoon.

NAME CHANGE
I, Mohd Kaif S/o Shahid R/o H.No. 321, Street No. 8, Jagatpur Village, Burari, North Delhi, Delhi-110084 have declare that Shahid Saifi and Shahid is the name of one and the same person.

NAME CHANGE
I,Nisha Mishra C/o Pradip Kumar R/o 26,Ghatiya Mishran ,Etawah,Uttar Pradesh,20601, have changed my name to Prem janki Mishra for all future purposes

PUBLIC NOTICE
Be it known to the public at large that my clients Sh. Kamakhya Prasad S/o Sh. Suryadev Prasad and Smt. Tara Munni Devi W/o Sh. Kamakhya Prasad, both R/o H.No. 520, Gali No.05, Lakhpat Colony Part-2, Meethapur Extn., Badarpur, S.W. Delhi, Delhi-110044, we debarred, disowned and discarded our relationship with our sons namely Rahul Kumar (Aadhar Card No.8609-4815-9239) and Bablu Kumar (Aadhar Card No.6783-4222-8352) from all our moveable and immoveable properties due to their rude and indecent behavior and fighting towards us and our family and they are not in the control of my clients. If anybody deals with them, then he/she will do so at his/her own risks, costs & consequences. My clients shall not be responsible for the same in any manner in future

NAME CHANGE
I hitherto known as SWEETY D/O VEER KUMAR R/O H.No 52 , Near Kheda Devta Mandir, VTC: Dallupura Enclave, Preet Vihar, East Delhi, Delhi -110096 have changed my name and shall hereafter be known as VEDA.

NAME CHANGE
It is for general information that I, BAHADUR SINGH DOGRA S/o PARASH RAM DOGRA R/o 1/69, Ground Floor, M B Road, Govt Boys Sr. Secondary School, Sector 1, Pushp Vihar, Po: Malviya Nagar, Dist: South Delhi, Delhi-110017, declare that name of mine and my Father has been wrongly written as Shri BAHADUR SINGH and Shri PARAS RAM in my Service Record. The actual name of mine and my father are BAHADUR SINGH DOGRA and PARASH RAM DOGRA, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I hitherto known as DIVYANSHU SINHA S/o SANJAY KUMAR SINHA Permanent R/o Champa Devi Bhawan Krishna Nagar, Gorakhpur, 668, Basharatpur, Gorakhpur, Uttar Pradesh - 273004 Currently residing at FF -205 ,Shree Apartment Unione residency ,Akabarpur Behrampur, Gaziabad Uttar Pradesh 201009 have changed my name and shall hereafter be known as DIVYANSH RAJ SINHA.

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

आईपीएस ओपी सिंह को मिला डीजीपी का अतिरिक्त प्रभार

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने आईपीएस वाई पूरन कुमार आत्महत्या मामले में पुलिस महानिदेशक शत्रुजीत कपूर को छुट्टी पर भेजने के बाद आईपीएस अधिकारी ओपी सिंह को पुलिस महानिदेशक का अतिरिक्त प्रभार सौंपा है। हरियाणा के राज्यपाल की स्वीकृति के बाद गृहसचिव सुमिता मिश्रा ने इस संबंध में आदेश जारी करते हुए कहा कि वर्ष 1990 बैच के आईपीएस अधिकारी शत्रुजीत कपूर के अवकाश पर जाने के दौरान वर्ष 1992 बैच के आईपीएस अधिकारी ओपी सिंह को पुलिस महानिदेशक का अतिरिक्त प्रभार सौंपा जाता है। ओपी सिंह इस समय हरियाणा पुलिस हाउसिंग कारपोरेशन के एमडी, एफएसएल मधुबन के निदेशक, एचएसबीएनसीबी के महानिदेशक पद पर तैनात हैं। ओपी सिंह 31 दिसंबर 2025 को सेवानिवृत्त हो रहे हैं। सरकार द्वारा जारी आदेशों में यह स्पष्ट नहीं है कि ओपी सिंह इस पद पर कब तक रहेंगे।

झज्जर में रसगुल्ला फैक्टरी और रिटेल स्टोर में छापा,लिए नमूने

झज्जर। त्योहारी सीजन में मिठाइयों और दूसरे खाद्य पदार्थों में मिलावट पर रोक लगाने के लिए खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम लगातार छापेमारी कर रही है। खाद्य सुरक्षा अधिकारी राजेश वर्मा के नेतृत्व में विभाग की टीम ने जिलेभर में खाद्य पदार्थों के नमूने लेने की प्रक्रिया तेज कर दी है। विभाग की टीम ने बहादुरगढ़ स्थित एक रसगुल्ला फैक्टरी में छापा मारा और रसगुल्ले का नमूना लिया।शहर में स्थित रिलायंस रिटेल स्टोर से देशी घी के चार नमूने लिए गए। सभी नमूनों को जांच के लिए प्रयोगशाला में भेजा गया है। जांच रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। त्योहारी सीजन में बाजार में घटिया क्वालिटी की मिठाइयां और खाद्य पदार्थ आने की शिकायतें लगातार मिल रही हैं। दिल्ली और आसपास के राज्यों से मिलावटी मिठाई और नकली घी बड़ी मात्रा में बाजारों में पहुंचने की आशंका के चलते विभाग ने यह अभियान शुरू किया है। खाद्य सुरक्षा अधिकारी राजेश वर्मा ने कहा, विभाग की प्राथमिकता है कि त्योहारों के दौरान उपभोक्ताओं तक स्वच्छ और सुरक्षित खाद्य सामग्री ही पहुंचे। उन्होंने बताया कि लिए गए सभी नमूनों की जांच रिपोर्ट करीब 15 दिनों में प्राप्त होगी। किसी नमूने में मिलावट या गुणवत्ता की कमी पाई जाती है तो संबंधित दुकान मालिकों या संस्थान संचालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। राजेश वर्मा ने कहा कि विभाग की ओर से त्योहारी सीजन के अंत तक जांच अभियान लगातार जारी रहेगा।

दीपावली पर स्वदेशी उत्पाद अपनाने का संकल्प लें : कुलगुरु प्रो.सिंह

सोनीपत। दीनबंधु छोटू राम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मुरथल के कुलगुरु प्रो. प्रकाश सिंह ने इस बार दीपावली पर विश्वविद्यालय में वोकल फॉर लोकल के संदेश देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जब हर घर में स्वदेशी दीये जलेंगे, तब हम आत्मनिर्भर भारत की ओर बढ़ेंगे। कुलगुरु ने विश्वविद्यालय परिवार, प्रदेश वासियों और देशवासियों से आग्रह किया कि इस दीपावली पर स्वदेशी वस्तुओं से घर सजाएँ और देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करें। प्रो. सिंह ने विद्यार्थियों, शिक्षकों और कर्मचारियों से अपील की कि इस बार दीपावली पर विदेशी वस्तुओं के स्थान पर स्वदेशी उत्पादों का प्रयोग करें। उन्होंने कहा कि ऐसा करने से देश का धन देश में रहेगा और भारतीय उद्योगों को मजबूती मिलेगी। उन्होंने एनसीसी कैडेट, एनएसएस स्वयंसेवकों और विश्वविद्यालय परिवार के अन्य सदस्यों से भी आग्रह किया कि वे न केवल स्वयं स्वदेशी उत्पादों का उपयोग करें, बल्कि अपने रिश्तेदारों और पड़ोसियों को भी इसके लिए प्रोत्साहित करें। कुलगुरु ने कहा कि इस पहल से देश के छोटे उद्योग, हस्तशिल्प और ग्रामोद्योग मजबूत होंगे, रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और आर्थिक विकास में योगदान मिलेगा।

छात्रा की अश्लील वीडियो बनाई और कर दी वायरल

झज्जर। किशोरावस्था की एक स्कूली छात्रा की उसके ही दोस्त ने मोबाइल फोन पर चैटिंग के दौरान अश्लील वीडियो बना ली और वायरल कर दी। घटना तीन-चार साल पहले उस वक्त की है जब वे दोनों एक स्कूल में पढ़ते थे और दोनों गहरे दोस्त थे। कई साल के बाद अब वीडियो वायरल हुआ तो किसी के मोबाइल फोन में छात्रा के पिता की नजर पड़ गई। सेक्टर-6 थाना पुलिस ने छात्रा की शिकायत पर आरोपी युवक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरोपी अभी फरार है। फिलहाल 18 साल की हो चुकी उक्त छात्रा अब बहादुरगढ़ के एक कालेज में बीए प्रथम वर्ष में पढ़ती है। यह परिवार मूल रूप से मध्य प्रदेश का रहने वाला है लेकिन कई सालों से बहादुरगढ़ की एक कालोनी में रहता है। छात्रा ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि चार साल पहले वह एक स्कूल में पढ़ती थी। इसी दौरान बहादुरगढ़ के सांखोल निवासी एक युवक के साथ उसकी दोस्ती हो गई। दोस्ती इतनी गहरी हुई कि वे दोनों मोबाइल पर चैटिंग करने लगे। आरोप है कि इसी दौरान आरोपी ने उसके कपड़े उतारने की अश्लील वीडियो बना ली। यह वीडियो कुछ समय पहले वायरल कर दी गई।

कुरुक्षेत्र में शुरू हुई इलेक्ट्रिक बस सेवा, मुख्यमंत्री ने 10 बसों को किया रवाना

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कुरुक्षेत्र में इलेक्ट्रिक बस सेवा की सौगात देते हुए 10 इलेक्ट्रिक बसों को झंडी दिखाकर रवाना किया। मुख्यमंत्री सैनी के साथ पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने गीता स्थली ज्योतिसर से लेकर कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय तक इलेक्ट्रिक बस का सफर किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने घोषणा करते हुए कहा कि नागरिक दीपावली तक इन इलेक्ट्रिक बसों में निःशुल्क सफर कर सकेंगे। मुख्यमंत्री आज गीता स्थली ज्योतिसर में हरियाणा राज्य परिवहन विभाग की तरफ से आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे।

मुख्यमंत्री ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि यह इलेक्ट्रिक बसें अलग अलग रूट पर चलाई जाएंगी। इस इलेक्ट्रिक बस सेवा से देश विदेश से आने वाले पर्यटकों को भी फायदा मिलेगा। इसके साथ ही अंतरराष्ट्रीय गीता

महोत्सव, सूर्य ग्रहण मेला, सोमवती अमावस्या के साथ-साथ अन्य मेलों में इलेक्ट्रिक बस सेवा का यात्री फायदा उठा सकेंगे। उन्होंने कहा कि जीरो कार्बन उत्सर्जन सार्वजनिक परिवहन शुरू करने के उद्देश्य से राज्य परिवहन हरियाणा ने भारत सरकार के राष्ट्रीय इलेक्ट्रिक मोबिलिटी मिशन 2020 के अंतर्गत हरियाणा और उसके आस-पास के राज्य में पर्यावरण अनुकूल इलेक्ट्रिक बस सेवा चलाने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा के पानीपत, यमुनानगर, करनाल, पंचकूला, हिसार, रोहतक, रेवाडी, सोनीपत में 5-5 बसें और अंबाला में 10 ई-बस सेवा शुरू की जा चुकी हैं और अब दीपावली के पावन पर्व से पहले कुरुक्षेत्र शहर में श्रद्धालुओं व तीर्थ यात्रियों को इलेक्ट्रिक सिटी बस सेवा प्रदान की है। यह राज्य सरकार के लिए एक बड़ी उपलब्धि है क्योंकि यह पूरे देश में किसी भी राज्य की एक अनूठी परियोजना है। इस सिटी बस सेवा से न केवल कुरुक्षेत्र के नागरिकों को लाभ होगा बल्कि शून्य प्रदूषण और शून्य ध्वनि प्रदूषण भी होगा। उन्होंने कहा कि 375 बसों के संचालन के लिए सभी 10 शहरों में अलग-अलग सिटी बस सेवा डिपो का निर्माण भी किया जा रहा है। इसमें पानीपत इलेक्ट्रिक बस डिपो का निर्माण पूरा हो चुका है।

ग्रामीण आवास योजना-2.0 में 779 नाम पर प्लॉट आवंटित

एजेंसी

सोनीपत। मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना-2.0 के तहत जिला परिषद हॉल सोनीपत में गोहाना, खरखौदा, मुड़लाना, गन्नौर और सोनीपत ब्लॉक के 13 गांवों की ग्रामसभा द्वारा अनुमोदित पात्र लाभार्थियों को लकी ड्रा के माध्यम से प्लॉट आवंटित किए गए। इस अवसर पर कुल 779 लाभार्थियों को उनके नाम पर प्लॉट उपलब्ध कराए गए।

अतिरिक्त उपायुक्त लक्षित सरीन ने बताया कि ड्रा की प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी तरीके से की गई। इसमें विभिन्न ग्राम पंचायतों के पात्र परिवारों का चयन किया गया। उन्होंने कहा कि योजना का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के पात्र परिवारों को आवास हेतु प्लॉट उपलब्ध कराना है, ताकि वह अपने सपनों का घर बना सकें और सम्मानजनक जीवन जी सकें। इस अवसर पर डीडीपीओ ललिता वर्मा, अतुल (एई-हाउसिंग फॉर ऑल), बीडीपीओ अंकुर, बीडीपीओ राजेश टिवाना, बीडीपीओ परमेन्द्र और बीडीपीओ सुरेन्द्र आर्य सहित विभाग के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में लाभार्थियों ने योजना के प्रति अपनी संतुष्टि व्यक्त की और कहा कि इस योजना से ग्रामीण क्षेत्र के कमजोर वर्ग को स्थायी आवास मिलने में मदद मिलेगी। अधिकारी भी इस योजना की सफलता और पारदर्शिता पर संतुष्ट दिखाई दिए।

जिले के 37 गांवों के अंत्योदय परिवारों को ड्रा से अलाट हुए प्लॉट

एजेंसी

सिरसा। मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना-2 के द्वितीय चरण के तहत सिरसा के पंचायत भवन में 100-100 वर्ग गज प्लाटों के ऑनलाइन ड्रा निकाले गए। इस दौरान 2535 आवेदकों को ड्रा में शामिल किया गया। मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना-2 के द्वितीय चरण के तहत 37 गांवों के जरूरतमंद पात्र परिवारों को 100-100 वर्ग गज के प्लॉट के ऑनलाइन माध्यम से अलाट किए गए हैं। जिला परिषद के सीईओ डा. सुभाष चंद्र ने बताया कि बड़ागुढा खंड के भादड़ा, भीवां, चकेरियां, ढाबां, झोरडरोही, कर्मगढ, मलड़ी, रोहण, सहारणी, सुखचैन तथा थिराज गांव के पात्र परिवारों को मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना के तहत प्लाट अलाट किए गए हैं। इसी तरह डबवाली खंड के गांव बनवाला, कालूआना, लंबी, ऐलनाबाद खंड के किशनपुरा/ढाणी जटान, मेहनाखेड़ा में भी प्लाट आवंटित किए गए हैं। नाथूसरी चौपटा खंड के गांव अरनियांवाली, बकरियांवाली, बरासरी, चाहरवाला, कागदाना,

गिगोरानी, गुढियाखेड़ा, कुक्कड़थाना, कुतियाना, माखोसरानी, मोडियाखेड़ा, रामपुरा ढिल्लो, रूपाणा, दड़बा खुर्द, शक्करमंदोरी व तेजियाखेड़ा में प्लाट आवंटित किए गए हैं।

ओढां खंड के गांव घुकांवाली, रानियां खंड के गांव गिंदड़ा, जोधपुरिया, सिरसा खंड के गांव कुसुंभी, नेजाडेला कलां व बग्गुवाली के आवेदकों के लिए 100-100 गज के प्लाट आवंटित किए गए हैं। उन्होंने बताया कि 37 गांवों में 2535 लाभपात्रों की पहचान की गई है और जिन गांवों में पंचायत की जमीन उपलब्ध थी, वहां लाभपात्रों को प्लाट आवंटित कर दिए गए हैं। दूसरे फेज में 4388 प्लाट अंत्योदय परिवारों को देने के लिए रखे गए थे। इस अवसर पर जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी बलजीत सिंह व सभी बीडीपीओ, संबंधित विभाग के अधिकारी व आवेदक उपस्थित रहे।

आईपीएस आत्महत्या केस में सर्वसमाज की बैठक को कांग्रेस ने दिया

एजेंसी

हिसार। आईपीएस वाई पूरन सिंह सुसाइड मामले में क्रांतिमान पार्क में सर्वसमाज की बैठक हुई। इसमें विभिन्न संगठनों ने परिवार की मांगों को पूरा करने व इस मामले में गिरफ्तारी व एफआईआर दर्ज करने संबंधी मामले में अपना समर्थन दिया। कांग्रेस पार्टी की तरफ से कांग्रेस जिला अध्यक्ष बृजलाल बहबलपुरिया व अन्य नेता समर्थन देने पहुंचे और इस संबंध में उपायुक्त को एक ज्ञापन भी दिया।

जिला अध्यक्ष बृजलाल बहबलपुरिया ने कहा कि कांग्रेस पार्टी पूरी इस मामले में पूरी तरह से आईपीएस वाई पूरन सिंह के परिवार के साथ है और उन्हें हर हाल में न्याय मिलना चाहिए। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी भी चंडीगढ़ में परवार को सांत्वना देने पहुंचे हैं, जिन्होंने सरकार से इस मामले में ड्रामेबाजी करने की बजाय सख्त कार्यवाही की मांग की है। बृजलाल बहबलपुरिया ने मंगलवार को कहा कि एक आईपीएस अधिकारी द्वारा जातिगत प्रताड़ना झेलते हुए आत्महत्या करना बहुत बड़ी घटना है और इसके लिए

भाजपा में व्याप्त जाति-पाति व धर्म की राजनीति जिम्मेदार है। इसके बावजूद हरियाणा सरकार द्वारा इस मामले में 7 दिन बीत जाने के बाद भी परिवार द्वारा आरोपियों की मांग को पूरा नहीं किया जो कि दुर्भाग्यपूर्ण है और यह दिवंगत आईपीएस के पार्थिक शरीर का अपमान है। सात दिन से विभिन्न संगठन और परिवार के सदस्य आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं लेकिन हरियाणा सरकार के कानों पर जूं तक नहीं रेंग रही। हरियाणा सरकार आनन-फानन में पोस्टमार्टम कर इस मामले को दबाना चाहती थी लेकिन विभिन्न संगठनों व विपक्ष के विरोध के बावजूद उसे अपने कदम पीछे खींचने पड़े। उन्होंने कहा कि जब आईपीएस अधिकारी ही जातिगत प्रताड़ना से अछूता नहीं है तो अनुसूचित जाति के सामान्य नागरिक का इस प्रदेश में क्या हाल होगा।

महेंद्रगढ़-नारनौल को वैश्विक पर्यटक स्थल के तौर पर विकसित करने से पर्यटकों को मिलेगा शानदार अनुभव : अरविंद शर्मा

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने एक राज्य-एक वैश्विक गंतव्य संकल्प में महेंद्रगढ़ की ढोसी की पहाड़ी व नारनौल को दुनिया के मानचित्र पर लाने की पैरवी की है। उन्होंने कहा कि पर्यटन मंत्रालय ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक धरोहर की नगरी महेंद्रगढ-नारनौल को विकसित करे तो देश ही नहीं, विदेशी पर्यटक एक शानदार पर्यटक स्थल को अनुभव कर पाएंगे। पर्यटन मंत्री ने कहा कि प्राकृतिक एवं अरावली पहाड़ियों में इस पर्यटक स्थल के विकसित होने से दक्षिण हरियाणा में रोमांच, धरोहर, प्राकृतिक चिकित्सा एवं खेल आधारित गतिविधियों का समागम केंद्र तैयार होगा।पर्यटन मंत्री उदयपुर (राजस्थान) में पर्यटन मंत्रालय द्वारा आयोजित दो दिवसीय राज्य पर्यटन मंत्रियों की बैठक में बोल रहे थे। केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत की अध्यक्षता में देशभर के पर्यटन मंत्रियों की बैठक में 50 शीर्ष पर्यटक स्थल विकसित किए जाने पर राज्यों के प्रस्तावों पर मंथन हुआ। हरियाणा का प्रतिनिधित्व करते हुए पर्यटन मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने के लिए ढोसी की पहाडी और नारनौल की ऐतिहासिक हवेली, किले, कुंए, बावबडी, छतरी, द्वार, मंदिर, गुंबद और स्मारकों को एकीकृत विरासत विकास व्यवसायिक पर्यटन के केंद्र के तौर पर विकसित करने का भी प्रस्ताव दिया। उन्होंने कहा कि गुरूग्राम, फरीदाबाद, दिल्ली, नोयडा, गाजियाबाद में

एक राज्य-एक वैश्विक गंतव्य स्थल के तहत प्रदेश में महेंद्रगढ़ में ढोसी की पहाड़ी और विरासत नगरी नारनौल को वैश्विक पर्यटक स्थल के तौर पर विकसित करने की पैरवी की। डॉ. शर्मा ने कहा कि ढोसी की पहाड़ी और नारनौल की बावड़ी, मकबरों पर महलों की धरोहर को दुनिया के पर्यटन मानचित्र पर स्थापित किया जाना समय की मांग है। पर्यटन मंत्री शर्मा ने कहा कि विश्व स्तरीय पर्यटक स्थल बनाने योजना के तहत संरक्षण एवं पर्यटन के नजरिए से विकसित किया जा सकता है। ढोसी की पहाड़ी को रोमांचक एवं सांस्कृतिक पर्यटन स्थल बनाते हुए ट्रैकिंग व लंबी पैदल चढ़ाई, रोपवे प्रोजेक्ट, पर्यावरण अनुकूल शिविर, स्काईडाइविंग, सांग व अन्य संगीतमय प्रस्तुतियों के अतिरिक्त शिल्प बाजार व कारीगरों के प्रदर्शन को बेहतरीन तरीके से पेश किया जाएगा।

पर्यटन मंत्री ने फरीदाबाद को फरीदाबाद जैसी अरावली पहाड़ियों की सुंदरता और प्राकृतिक संरचना के बीच बैठकें, सम्मेलन और प्रदर्शनियों के अवसरों को बढ़ाने की जरूरत है। उन्होंने बैठक के दौरान उपस्थित पर्यटन मंत्रियों को कुरूक्षेत्र में 15 नवंबर से प्रारंभ हो रहे अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव में शामिल होने व फरवरी माह में फरीदाबाद में 39वें अंतरराष्ट्रीय शिल्प मेले में शामिल होने का न्यौता भी दिया।

पानीपत में रूई से भरे ट्रक में लगी आग

एजेंसी

पानीपत। पानीपत स्थित छोटू राम चौक के पास सुबह सड़क किनारे खड़े रुई से भरे ट्रक में आग लग गई। जानकारी के अनुसार ऊपर से गुजर रही बिजली की तारों में हुए शॉर्ट सर्किट से निकली चिंगारी ट्रक में लदी रुई में गिर गई जिससे आग भड़क उठी, और कुछ ही देर में उसने विकराल रूप ले लिया। आसपास के लोगों ने ट्रक से लपटे उठती देख तुरंत पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस व फायर ब्रिगेड की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। थाना किला प्रभारी श्रीनिवास ने बताया कि ट्रक सड़क किनारे खड़ा था और उसके ऊपर से बिजली की लाइन गुजर रही थी। अचानक लाइन में शॉर्ट सर्किट हुआ, जिससे आग लग गई और घटना के समय ट्रक में कोई व्यक्ति मौजूद नहीं था। जिससे बड़ा हादसा टल गया। पुलिस ने बताया कि ट्रक के ड्राइवर और मालिक की पहचान की जा रही है। फिलहाल आग लगने से ट्रक पूरी तरह से जल गया है उन्होंने ने कहा कि पूरे मामले की जांच की जा रही है।

घर में खाना बनाते समय सिलेंडर फटा, दो घरों की छत उड़ी, चार जख्मी

एजेंसी

फरीदाबाद। जवाहर कॉलोनी में रात एक घर में गैस सिलेंडर फट गया। इससे दो मंजिला घर के ऊपर बने दो कमरे उड़ गए और इनके मलबे में दबकर 2 महिलाएं और 2 बच्चे घायल हो गए। इनमें से एक बच्चे की हालत नाजुक है। यह हादसा उस समय हुआ जब एक महिला रसोई में खाना बना रही थी। सिलेंडर फटने की तेज आवाज सुनकर मौके पर आसपास के लोग पहुंचे। उन्होंने सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। मामले की सूचना पाकर मौके पर पहुंची सारण थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, जवाहर कॉलोनी की गली नंबर 3 में राजीव कुमार के मकान में किराए पर दो परिवार रहते हैं। इस दो मंजिला मकान में ग्राउंड फ्लोर पर मकान मालिक खुद रहते हैं और फर्स्ट फ्लोर पर बने दोनों कमरे उन्होंने किराए पर दे रखे हैं। एक कमरे में सोहित (35) अपनी पत्नी पारुल (28) के साथ रहता है। इनकी एक बेटी नेहा (2) है। जबकि, दूसरे कमरे में गिरीश अपनी पत्नी अनीता (28) के साथ रहता है। इन दोनों का भी एक बेटा दवांग (2) है। सोहित और गिरीश फरीदाबाद की ही एक निजी कंपनी में नौकरी करते हैं।पुलिस के अनुसार, सोमवार रात करीब 10 बजे को पारुल

अपने कमरे की किचन में खाना बना रही थी। उस समय दोनों बच्चे और महिलाएं ही कमरों में थीं। सोहित और गिरीश कहीं काम से बाहर थे। इसी दौरान पारुल के कमरे में सिलेंडर फट गया। सिलेंडर फटने की तेज आवाज हुई, जिससे आसपास के लोग मौके पर दौडक़र पहुंचे। मकान मालिक राजीव का कहना है कि धमाके में उनके दोनों कमरे उड़ गए। इसके मलबे में दोनों महिलाएं और बच्चे दब गए थे। लोगों ने तेजी से मलबा हटाया और दबे हुए चारों लोगों को निकाला। लोगों ने पारूल, अनीता और इनके बच्चे नेहा व दवांग को इलाज के लिए बीके अस्पताल में भर्ती कराया, जहां इनकी हालात सीरियस देखते हुए दिल्ली रेफर कर दिया गया। लोगों ने पुलिस को भी मामले की सूचना दी थी। इसके बाद मौके पर सारण थाना पुलिस पहुंची। पुलिस प्रवक्ता यशपाल ने बताया है कि सभी घायलों का अभी इलाज चल रहा है। अभी तक गैस सिलेंडर के फटने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। हालांकि, लोग कह रहे हैं कि गैस लीक होने के कारण यह हादसा हुआ।

रेलवे स्टेशन पर चला सर्च ऑपरेशन, संदिग्धों से पूछताछ कर ली तलाशी

एजेंसी

फरीदाबाद। त्यौहारों के सीजन में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर फरीदाबाद पुलिस पूरी तरह से सतर्क दिखाई दे रही है। इसी कड़ी में फरीदाबाद के ओल्ड रेलवे स्टेशन पर जीआरपी ने सर्च आपरेशन चलाकर यात्रियों के सामान की जांच की। यह अभियान त्योहारों के दौरान किसी भी अप्रिय घटना से बचने और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए चलाया गया। ओल्ड रेलवे स्टेशन थाना प्रभारी राजपाल ने अपनी टीम के साथ प्लेटफार्म पर पहुंचकर यात्रियों के बैग, सूटकेस और अन्य सामानों की गहन जांच की। इस दौरान पुलिस कर्मियों ने यात्रियों को समझाया कि वे यात्रा के दौरान किसी भी तरह का हथियार, ज्वलनशील पदार्थ या संदिग्ध सामान साथ लेकर न चलें। चेकिंग के दौरान किसी भी यात्री के पास कोई संदिग्ध वस्तु नहीं पाई गई। थाना प्रभारी राजपाल ने बताया कि यह चेकिंग अभियान दिवाली, छठ पूजा और बिहार में होने वाले चुनावों

को ध्यान में रखते हुए चलाया जा रहा है, क्योंकि इन अवसरों पर यात्रियों की संख्या बढ़ जाती है और भीड़भाड़ के चलते सुरक्षा जोखिम भी बढ़ता है। उन्होंने कहा कि स्टेशन के सभी प्लेटफार्मों पर पुलिस कर्मी दिनभर सक्रिय रहेंगे और सुबह, दोपहर व शाम के समय नियमित रूप से जांच की जाएगी। सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने के लिए स्टेशन परिसर में गश्त बढ़ा दी गई है। पुलिस टीम हर आने-जाने वाले व्यक्ति पर पैनी नजर रख रही है। थाना प्रभारी ने यात्रियों से अपील की है कि वे किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या वस्तु की जानकारी तुरंत रेलवे पुलिस को दें, ताकि किसी भी तरह की घटना को समय रहते रोका जा सकेगा।

लिंक भेजकर ठगी करने वाले फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़

एजेंसी

गुरुग्राम। लिंक भेजकर रुपए ट्रांसफर करके धोखाधड़ी करने वाले फर्जी कॉल सेंटर का पुलिस ने पर्दाफाश किया है। मौके से दो महिला समेत पांच आरोपी काबू किए गए हैं। आरोपियों के कब्जे से आठ मोबाइल फोन, चार सिम कार्ड व दो डायरी बरामद की गई हैं। पुलिस प्रवक्ता संदीप कुमार ने बताया कि आरोपियों अमर, अमन व ज्ञानेंद्र को अदालत में पेश करके दो दिन का पुलिस हिरासत रिमांड लिया गया। जानकारी के अनुसार 16 जुलाई 2025 को एक व्यक्ति ने पुलिस थाना साईबर अपराध पश्चिम गुरुग्राम की पुलिस टीम को एक लिखित शिकायत दी। शिकायत में कहा कि उसे फोन कॉल पर फर्जी बैंक कर्मचारी बनकर क्रेडिट कार्ड में मासिक चार्ज रिडीम करने की बात कही गई। फर्जी लिंक के माध्यम से फोन का एक्सेस लेकर व क्रेडिट कार्ड की डिटेल्स भरवाकर रुपए ट्रांसफर करके धोखाधड़ी से ठगी कर ली गई। इस शिकायत पर

पुलिस थाना साईबर अपराध पश्चिम में केस दर्ज करके जांच शुरू की गई।

थाना साईबर अपराध पश्चिम के प्रबंधक संदीप कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कार्रवाई शुरू की। इस मामले में सोमवार 13 अक्टूबर को दिल्ली स्थित अक्षरधाम में बने फर्जी कॉल सेंटर पर रेड की। मौके से दो महिलाओं सहित पांच आरोपियों को काबू किया। आरोपियों की पहचान ज्ञानेंद्र (उम्र 36 वर्ष), अमर उर्फ बंटा (उम्र-26 वर्ष) दोनों निवासी उत्तम नगर दिल्ली, अमन (उम्र-24 वर्ष, शिक्षा 7वीं) निवासी राजा पार्क मोहन गार्डन दिल्ली, अमिता (उम्र-26 वर्ष) निवासी सी ब्लॉक उत्तम नगर दिल्ली व यासना (उम्र-26 वर्ष) नन्हे पार्क उत्तम नगर दिल्ली के रुप में हुई। पुलिस पूछताछ में आरोपी अमर उर्फ बंटा शर्मा ने बताया कि उसका गारमेंट्स का बिजनेस था।

PUBLIC NOTICE

I, AABHA AGGARWAL D/o ANIL AGGRAWAL, Ex. W/o TANUJ AGGARWAL, residing at H.No.12 Friends Conlony Ward No.31 Panipat Haryana-132101 declare that I got Divorce from my husband vide Court Decree in CNR NO.HRPP01-009273-2024 dated 05.03.2025 Further I have changed the name of my minor daughter namely VRIDHI AGGARWAL aged 5 years and she shall hereafter be known as VEDA SHREE AGGARWAL

मारपीट में घायल युवक ने रोहतक पीजीआई में तोड़ा दम, परिजनों ने शव लेने से किया इंकार

एजेंसी

रोहतक। मारपीट में घायल हुए गांव कसरैंटी निवासी जोगेंद्र ने सुबह पीजीआई रोहतक में दम तोड़ दिया। परिजनों ने पुलिस पर कार्रवाई न करने का आरोप लगाते हुए शव लेने से इंकार कर दिया। परिजनों का कहना है कि 14 दिन के बाद भी पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ कोई कारवाई नहीं की और इस दौरान आरोपी ने परिजनों ने को शिकायत वापिस लेने की धमकी तक दी। परिजनों ने पुलिस ने इस बारे में अवगत कराया, लेकिन पुलिस ने कोई कारवाई नहीं की। परिजनों ने कहा है कि जब तक आरोपियों को गिरफ्तार नहीं किया जाता, वह शव का संस्कार नहीं करेंगे। पुलिस के अनुसार गांव कसरैंटी निवासी अनिल व जोगेंद्र को एक अक्टूबर रात को ब्लॉक समिति के वाईस चेयरमैन सुनील उर्फ शीला ने झगड़ा किया था और अपने साथियों के साथ मिलकर दोनों युवकों पर हमला कर दिया था, जिससे अनिल व जोगेंद्र गंभीर रुप से घायल हो गए और दोनों को सिविल अस्पताल में भर्ती कराया था, जोगेंद्र की हालत गंभीर होने के चलते उसे निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था और बाद में परिजन उसे पीजीआई ले गए, जहां पर मंगलवार सुबह उसकी उपचार के दौरान मौत हो गई। सूचना पाकर पुलिस पीजीआई पहुंची और शव को अपने कब्जे में ले लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया, लेकिन परिजनों ने पोस्टमार्टम करवाने से इंकार कर दिया। झगड़े के बाद अनिल व जोगेंद्र को जब सिविल अस्पताल ले जाया गया तो आरोपियों ने अस्पताल में भी दोनों पर हमला किया था, इस मामले में शिकायत भी दी थी, लेकिन पुलिस ने कोई कारवाई नहीं की। सांपला थाना प्रभारी बिजेंद्र सिंह का कहना है कि संबंध में पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर रखा है और मामला दर्ज होने के बाद से ही आरोपी फरार है।

रूस से तेल की आपूर्ति में 10 प्रतिशत की गिरावट होने के बाद भी सबसे बड़ा सप्लायर

नई दिल्ली

भारत के लिए होने वाले तेल की आपूर्ति में 10 प्रतिशत की गिरावट आई है इसके बाद भी रूस भारत का सबसे बड़ा कच्चा तेल आपूर्तिकर्ता बना हुआ है, लेकिन इस साल जनवरी से अगस्त 2025 के बीच रूस से भारत को तेल की आपूर्ति में पिछले साल की तुलना में लगभग 10 प्रतिशत की कमी आई है। खबरों के मुताबिक कैपलर के आंकड़ों के मुताबिक, सितंबर 2025 में भारत ने औसतन 45 लाख बैरल प्रतिदिन कच्चा तेल आयात किया, जो अगस्त की तुलना में करीब 70,000 बैरल अधिक था, हालांकि पिछले साल के मुकाबले लगभग समान रहा। इनमें रूस की हिस्सेदारी करीब 34 प्रतिशत यानी लगभग 16 लाख बैरल प्रतिदिन रही। इंडियन ऑयल कंपनी का कहना है कि भारत की तेल खरीद पूरी तरह आर्थिक गणना पर आधारित होती है, न कि किसी राजनीतिक दबाव पर। उन्होंने कहा कि भारत वही तेल खरीदता है जो कीमत और गुणवत्ता के लिहाज से लाभकारी हो। विशेषज्ञों का मानना है कि त्योहारी सीजन (अक्टूबर से दिसंबर) में ईंधन की मांग बढ़ने के साथ भारत फिर से रूसी तेल आयात बढ़ा सकता है, क्योंकि यह अब भी उच्च गुणवत्ता और बेहतर लाभ दर के चलते सबसे किफायती विकल्प बना हुआ है।

हालांकि अमेरिका लगातार भारत पर रूसी तेल की खरीद घटाने का दबाव बना रहा है, लेकिन भारत ने स्पष्ट किया है कि वह अपनी ऊर्जा जरूरतों के अनुसार निर्णय लेगा। बाजार विशेषज्ञों के मुताबिक, रूस से आयात में कमी अमेरिकी दबाव की वजह से नहीं, बल्कि रूसी डिस्काउंट घटने, वैश्विक तेल कीमतों में उतार-चढ़ाव, और अन्य देशों से सस्ता तेल मिलने के कारण हुई है। हाल के महीनों में अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतें घटी हैं, जिससे रूस की दी जाने वाली छूट घटकर सिर्फ 2 डॉलर प्रति बैरल रह गई है, जबकि पहले यह कहीं अधिक थी।

जापानी कंपनी निसान इंडिया की बढ़ती जा रही हैं मुश्किलें

नई दिल्ली

जापानी कंपनी निसान इंडिया की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। सितंबर 2025 में लगातार चौथे महीने एक्स-ट्रेल की एक भी यूनिट नहीं बिकी। यह स्थिति कंपनी के लिए गंभीर चिंता का विषय बन गई है। कंपनी की किफायती एसयूवी मैग्नाइट ही फिलहाल उसकी बिक्री को संभाले हुए है, जबकि प्रीमियम एसयूवी निसान एक्स-ट्रेल की स्थिति लगातार खराब हो रही है। करीब रुपए 49.92 लाख की एक्स-शोरूम कीमत पर पेश की गई यह 7-सीटर लग्जरी एसयूवी एडवांस्ड फीचर्स से लैस है, लेकिन ग्राहकों से इसे अपेक्षित प्रतिक्रिया नहीं मिल रही। बिक्री के आंकड़ों पर नजर डालें तो जनवरी और फरवरी 2025 में एक्स-ट्रेल की एक भी यूनिट नहीं बिकी थी, मार्च में 15 यूनिट, अप्रैल में 76 और मई में 20 यूनिट की बिक्री हुई। इसके बाद जून से सितंबर तक बिक्री का आंकड़ा फिर शून्य पर लौट आया। यानी पूरे साल में अब तक केवल 111 यूनिट ही बिक पाईं, जो भारतीय बाजार में इसके कमज़ोर प्रदर्शन को दर्शाता है। एक्स-ट्रेल डी1 सेगमेंट की प्रीमियम एसयूवी है, जिसमें 7 एयरबैग, 4 डब्ल्यूडी सिस्टम, पैनोरमिक सनरूफ और डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर जैसे फीचर्स मौजूद हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसका हाइब्रिड वर्जन लोकप्रिय है, लेकिन भारत में इसकी ऊंची कीमत, सीमित डीलर नेटवर्क और ब्रांड की कमजोर मौजूदगी इसके लिए बड़ी बाधाएं बनी हुई हैं। ऑटो एक्सपर्ट्स का मानना है कि निसान ने लंबे समय से भारतीय बाजार में नए मॉडल लॉन्च नहीं किए, जिससे ब्रांड कनेक्ट कमजोर हो गया है। साथ ही, कंपनी की मार्केटिंग और सर्विस रणनीति भी प्रतिस्पर्धियों की तुलना में कमजोर रही है।

यूएई का एमिरेट्स एनबीडी बैंक भारतीय प्राइवेट बैंक आरबीएल को खरीदेगा

इस रणनीति का उद्देश्य आरबीएल बैंक की पूंजी संरचना को मजबूत बनाना

नई दिल्ली

भारतीय बैंकिंग सेक्टर में एक बड़ा बदलाव आने वाला है। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के दूसरे सबसे बड़े बैंक, एमिरेट्स एनबीडी बैंक पीजेएससी, भारतीय प्राइवेट बैंक आरबीएल बैंक को खरीदने की प्रक्रिया में है। आर्थिक विशेषज्ञों के मुताबिक, एमिरेट्स एनबीडी बैंक आरबीएल में करीब 15,000 करोड़ रुपए के निवेश के लिए अंतिम चरण की बातचीत कर रहा है। इस निवेश के पूरा होने पर यूएई बैंक आरबीएल बैंक का सबसे बड़ा शेयरधारक बन जाएगा और उसका नियंत्रण अपने हाथों में लेगा।

यह बड़ा निवेश प्रेफरेंशियल अलॉटमेंट के जरिए किया जाएगा, जिसमें एमिरेट्स एनबीडी बैंक आरबीएल बैंक के शेयर और वॉरंट्स खरीदेगा। इसके बाद, अतिरिक्त 26फीसदी शेयरों के लिए एक ओपन ऑफर भी लाया जाएगा। इस रणनीति का उद्देश्य आरबीएल बैंक की पूंजी संरचना को मजबूत बनाना है ताकि बैंक की वित्तीय स्थिति में सुधार हो सके। वर्तमान में आरबीएल बैंक का मार्केट कैप करीब 17,786.8 करोड़ है। निवेश पूरा होने के बाद एमिरेट्स एनबीडी बैंक आरबीएल बैंक की कुल इक्विटी का 51 फीसदी अपने नाम कर लेगा, जिससे उसे बैंक के संचालन पर प्रभावी नियंत्रण मिल जाएगा। सूत्रों की माने तो भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने हाल ही में इस सौदे के लिए सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है, जिससे एमिरेट्स एनबीडी बैंक की भारत में उपस्थिति और भी मजबूत होगी। यह डील न केवल बैंकिंग सेक्टर में यूएई बैंक की पकड़ बढ़ाएगी, बल्कि भारत और पश्चिम एशिया के बीच बढ़ते रेमिटेंस मार्केट में भी उसकी स्थिति को सशक्त करेगी। खाड़ी देशों में बसे भारतीय प्रवासी देश के कुल प्रवासी समुदाय का करीब आधा हिस्सा हैं। आरबीआई आंकड़ों के मुताबिक वित्तीय वर्ष 2024 में खाड़ी से भारत आए कुल 38.7 अरब डॉलर के रेमिटेंस में से आधा हिस्सा सिर्फ यूएई से आया था। यह भारत के लिए विदेशी मुद्रा का दूसरा सबसे बड़ा स्रोत है। ऐसे में एमिरेट्स एनबीडी बैंक का आरबीएल बैंक में निवेश, दोनों देशों के आर्थिक संबंधों को भी नई दिशा देगा।

इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग ने की सरकार से स्थायी प्रतिष्ठान नियमों की समीक्षा की मांग

मकसदः टैक्स प्रणाली को प्रतिस्पर्धी बनाना ताकि चीन जैसे देशों से मुकाबला कर सकें

नई दिल्ली

भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग ने सरकार से स्थायी प्रतिष्ठान नियमों की समीक्षा करने की मांग की है, ताकि टैक्स प्रणाली को प्रतिस्पर्धी बना सकें और देश चीन और वियतनाम जैसे देशों के साथ बेहतर मुकाबला कर सके। भारतीय सेल्युलर और इलेक्ट्रॉनिक्स संघ (आईसीईए) ने कहा है कि इन देशों ने पिछले दशक में अपने नियमों को इस तरह तैयार किया है कि विदेशी कंपनियों की मौजूदगी टैक्स योग्य बनी रहे, लेकिन वैश्विक प्रतिस्पर्धा पर असर न पड़े। आईसीईए में ऐपल, टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स, ओप्पो और डिक्सन जैसी प्रमुख कंपनियां शामिल हैं। सूत्रों के मुताबिक सरकार इसपर पहले से ही विचार कर रही है। नीति आयोग ने हाल ही में विदेशी निवेशकों के लिए भारत में स्थायी प्रतिष्ठान और लाभ आवंटन में निश्चितता, पारदर्शिता और एकरूपता बढ़ाना शीर्षक से एक रिपोर्ट जारी की है। आईसीईए के अध्यक्ष पंकज मोहिंद्रू ने कहा कि अब इलेक्ट्रॉनिक्स और स्मार्टफोन उत्पादन की ग्रोथ निर्यात पर आधारित है, इसलिए टैक्स नियमों को इस तरह से तैयार किया जाना चाहिए कि निर्यात पर बोझ न पड़े और भारतीय कंपनियां वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बन सकें। आईसीईए के मुताबिक भारत का इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन अब 135 अरब डॉलर तक पहुंच गया है, जिसमें से 64 अरब डॉलर सिर्फ स्मार्टफोन उत्पादन का है। पिछले दशक में स्मार्टफोन निर्माण 20 गुना बढ़ा है और वित्त वर्ष 2024-25 में इसका निर्यात 24 अरब डॉलर तक पहुंच गया है।

टाटा संस आईपीओ लाती है तो ग्रुप की लिस्टेड कंपनियों को फायदा, बढ़ जाएगा निवेश का मूल्य

नई दिल्ली

अगर टाटा समूह की होल्डिंग कंपनी टाटा संस आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाती है तो समूह की प्रमुख सूचीबद्ध कंपनियों, जिनकी संख्या सात है, को बड़ा फायदा हो सकता है। इससे टाटा संस में उनके निवेश का मूल्य बढ़ जाएगा, जो वर्षों पहले टाटा संस के वर्तमान संभावित मूल्यांकन की तुलना में कम मूल्यांकन पर किया गया था। टाटा मोटर्स, टाटा स्टील, टाटा केमिकल्स और टाटा पावर जैसी सूचीबद्ध समूह कंपनियां टाटा संस में शेयरधारकों का तीसरा सबसे बड़ा समूह हैं। ये टाटा ट्रस्ट्स और शापूरजी पलोनजी समूह के बाद आती हैं। इसके अलावा ट्रेंट के पास इस साल मार्च के अंत में टाटा संस में लगभग 1,000 प्रति शेयर के सममूल्य वाले संचयी तरजीही शेयर हैं, जिनकी कीमत लगभग 15 करोड़ रुपये है। समूह की सात सूचीबद्ध कंपनियों की टाटा संस में कुल मिलाकर लगभग 12.1 प्रतिशत हिस्सेदारी है। टाटा संस में सूचीबद्ध कंपनियों की हिस्सेदारी उनका ऐसा बड़ा बिना वसूला लाभ है, जिसे टाटा संस के सूचीबद्ध होने पर 'उचित' बाजार मूल्यांकन मिलेगा। सात टाटा ट्रस्टों को संयुक्त रूप से प्रवर्तक के रूप में वर्गीकृत किया गया है और उनके पास टाटा संस की 65.3 प्रतिशत हिस्सेदारी है। सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट और सर रतन टाटा ट्रस्ट क्रमशः 27.98 प्रतिशत और 23.56 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ टाटा संस के दो सबसे बड़े

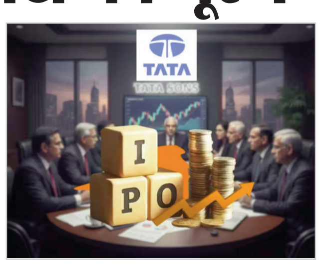

शेयरधारक हैं। दूसरी ओर, शापूरजी पलोनजी समूह अपनी दो निवेश फर्मों - स्टर्लिंग इन्वेस्टमेंट कॉरपोरेशन प्राइवेट लिमिटेड और साइरस इन्वेस्टमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से 18.4 प्रतिशत हिस्सेदारी का मालिक है।

भारत में 1.33 लाख करोड़ निवेश करेगी गूगल

–पहला एआई हब आंध्र प्रदेश में बनाएगी

नई दिल्ली गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बात की। इस बातचीत के दौरान पिचाई ने पीएम मोदी को बताया कि उनकी कंपनी अगले पांच साल में भारत में 15 बिलियन डॉलर यानी लगभग 1.33 लाख करोड़ रुपए निवेश करेगी। इस बात की जानकारी पिचाई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट शेयर कर दी। पिचाई ने पीएम मोदी से बातचीत में आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम में गूगल के पहले एआई हब का प्लान भी शेयर किया। गूगल ने विशाखापट्टनम में एक बड़ा डेटा सेंटर और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस बेस शुरू करने का ऐलान किया है, जो अमेरिका के बाहर उसका सबसे बड़ा एआई हब होगा। देशभर में विकास को गति देंगे पिचाई ने इसे ऐतिहासिक कदम बताते हुए कहा कि यह हब गीगावाट-स्केल की कंप्यूटिंग कैपेसिटी, एक नए इंटरनेशनल सबमरीन केबल गेटवे और लार्ज स्केल एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर को जोड़ेगा। उन्होंने कहा कि इसके जरिए हम भारत में एंटरप्राइजेज और यूजर्स के लिए अपनी एडवांस टेक्नोलॉजी लाएंगे, एआई इनोवेशन को बढ़ावा देंगे और देशभर में विकास को गति देंगे।

लोगों को मिली खुशखबरी!घटी महंगाई, अमेरिका से ट्रेड डील में हुई प्रगति

आईएमएफ बोले- भारत अब दुनिया की अर्थव्यवस्था का इंजन बन रहा

नई दिल्ली बीते दो दिनों में महंगाई में कमी से लेकर विदेशों में भारत की तारीफ की खबरों ने दिल को सुकून दिया। इससे भारत सरकार और देशवासियों को भी बहुत फायदा होगा। जानकारी के मुताबिक सितंबर महीने के आंकड़े बताते हैं कि खुदरा महंगाई, यानी सीपीआई, जो आम आदमी की जेब पर असर डालती है, वह गिरकर 1.54फीसदी पर आ गई है। ये जून 2017 के बाद का सबसे निचला स्तर है। इसका मतलब है कि खाने-पीने की चीजें, जैसे सब्जियां और अनाज, अब सस्ते हो रहे हैं। अगस्त में ये 2.07फीसदी थी, जो थोड़ा ज्यादा थी। अब बाजार में सामान सस्ता मिलेगा, तो घर चलाना आसान होगा. किसानों को भी खेती की लागत कम करने में मदद मिलेगी/। इसके अलावा थोक महंगाई जो बड़े व्यापारियों और फैक्टरियों के लिए मायने रखती है, वह भी सितंबर में घटकर 0.13फीसदी हो गई। अगस्त में ये 0.52फीसदी थी। सरकार ने बताया कि खाने का सामान, फैक्ट्री के प्रोडक्ट और अन्य चीजों के दाम कम होने से ये राहत मिली है। थोक में सामान सस्ता होने से दुकानों में भी कीमतें कम होंगी, जो अच्छी बात है। वहीं बात भारत और अमेरिका के बीच व्यापारिक रिश्तों की है। दोनों देशों के बीच जो ट्रेड डील रुकी हुई थी, अब उसमें प्रगति दिख रही है। हाल ही में अमेरिकी टीम दिल्ली आई थी, और अब भारतीय दल इसी हफ्ते अमेरिका जाएगा। रिपोर्ट के मुताबिक बातचीत सही रास्ते पर है और रुके हुए मुद्दे सुलझ सकते हैं। अगर ये डील हो गई, तो भारत का निर्यात बढ़ेगा, नौकरियां आएंगी और हमारी अर्थव्यवस्था को नया जोश मिलेगा। अमेरिका जैसे बड़े देश के साथ डील हमारे लिए मौका है। सबसे गर्व वाली खबर आईएमएफ से आई। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की प्रमुख क्रिस्टालिना जॉर्जीवा ने भारत की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि भारत अब दुनिया की अर्थव्यवस्था का इंजन बन रहा है। आईएमएफ-वर्ल्ड बैंक की बैठक से पहले उन्होंने बताया कि भारत की आर्थिक नीतियों ने सबको गलत साबित किया, जो इसकी प्रगति पर शक करते थे। भारत की रफ्तार देखकर दुनिया हैरान है।

सुप्रीम कोर्ट की मंजूरी के बाद सहारा समूह 88 संपत्तियां अडानी प्रॉपर्टीज को बेचेगा!

नई दिल्ली सहारा समूह की कंपनी सहारा इंडिया कमर्शियल कॉर्पोरेशन अपनी 88 संपत्तियां अडानी प्रॉपर्टीज को बेचने की तैयारी में है। मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में हुई सुनवाई में कंपनी की ओर से वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने कहा कि सहारा और अडाणी समूह के बीच इस सौदे पर टर्म शीट पर हस्ताक्षर हो चुके हैं। यह दस्तावेज कोर्ट को सीलबंद लिफाफे में सौंपा है। सिब्बल ने कहा कि डील सुप्रीम कोर्ट की मंजूरी मिलने के बाद ही आगे बढ़ेगी और इससे मिलने वाली रकम सहारा के बकायों से कहीं ज्यादा होगी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह सौदा करीब एक लाख करोड़ का हो सकता है। यह रकम सहारा समूह पर निवेशकों के बकाए से कई गुना ज्यादा बताई जा रही है। सुप्रीम कोर्ट ने 2012 में आदेश दिया था कि सहारा अपनी दो कंपनियों- सहारा हाउसिंग और सहारा रियल एस्टेट के जरिए जुटाई गई रकम को सेबी-सहारा खाते में जमा करे। यह राशि करीब 25,000 करोड़ रुपए थी, लेकिन अब तक समूह को करीब 9,481 करोड़ रुपए और जमा करने हैं। इस सौदे से सहारा को बकाया चुकाने और निवेशकों का पैसा लौटाने में बड़ी राहत मिल सकती है। अडाणी समूह की ओर से वरिष्ठ वकील मुकुल रोहतगी ने कोर्ट को बताया कि समूह इन सभी 88 संपत्तियों को एकमुश्त खरीदने की योजना बना रहा है। उन्होंने कहा कि सौदे की सटीक रकम की जानकारी उन्हें नहीं है, लेकिन डील सुप्रीम कोर्ट की अनुमति के बाद ही आगे बढ़ेगी। सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि सेबी-सहारा खाते से निवेशकों के पैसे की वापसी की प्रक्रिया पहले से चल रही है, इसलिए यह डील सरकार की जांच के बाद ही आगे बढ़नी चाहिए।

हरे निशान पर बंद हुआ भारतीय शेयर बाजार

सेंसेक्स 575 अंक चढ़ा, निफ्टी 25300 के पार

नई दिल्ली

एशियाई और यूरोपीय बाजारों में तेजी के बीच बैंकिंग और वित्तीय शेयरों में लिवाली से बुधवार को भारतीय बाजार हरे निशान पर बंद हुआ। अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा इस महीने के अंत में ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद के बीच यह तेजी आई। बेंचमार्क सेंसेक्स और निफ्टी में करीब एक प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई।

30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 575.45 अंक या 0.70 प्रतिशत उछलकर 82,605.43 अंक पर बंद हुआ।

कारोबार के दौरान यह 697.04 अंक या 0.84 प्रतिशत बढ़कर 82,727.02 अंक पर पहुंच गया। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 178.05 अंक या 0.71 प्रतिशत की बढ़त के साथ 25,323.55 पर आ गया।

रुपये में आई 75 पैसे की तेजी

डॉलर के मुकाबले 75 पैसे की तेजी के साथ 88.06 (अनंतिम) पर बंद हुआ, जो कि लगभग चार महीनों में इसकी सबसे बड़ी इंट्राडे बढ़त है। ऐसा आरबीआई के संभावित हस्तक्षेप और घरेलू बाजारों में तेजी के कारण हुआ। विदेशी मुद्रा व्यापारियों ने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच व्यापार वार्ता को लेकर आशावाद के कारण घरेलू बाजार में लगभग 0.70 प्रतिशत की तेजी आई।

सेंसेक्स की कंपनियों का हाल

सेंसेक्स की कंपनियों में बजाज फाइनेंस और बजाज फिनसर्व सबसे ज़्यादा लाभ में रहीं। एशियन पेंट्स, लार्सन एंड टुब्रो, ट्रेंट, अल्ट्राटेक सीमेंट, इटरनल और अदानी पोर्ट्स भी लाभ में रहीं। वहीं, टाटा मोटर्स, इंफोसिस, टेक महिंद्रा और एक्सिस बैंक पिछड़ गए।

यूरोपीय बाजारों में दिखी बढ़त

एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कोस्पी, जापान का निक्केई 225 सूचकांक, शंघाई का एसएसई कंपोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंगसेंग तेजी के साथ बंद हुए। यूरोपीय बाजारों में सकारात्मक रुख रहा।

मंगलवार को अमेरिकी बाजार मिश्रित रुख के साथ बंद हुए। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि दो दिनों की बिकवाली के बाद राष्ट्रीय बाजार में थोड़ी तेजी आई; फेड अध्यक्ष द्वारा ब्याज दरों पर नरम रुख अपनाने तथा मात्रात्मक सख्ती समाप्त करने पर विचार करने से वैश्विक बाजार में धारणा मजबूत हुई।

सोने,चांदी की कीमतों मे आया अछाल

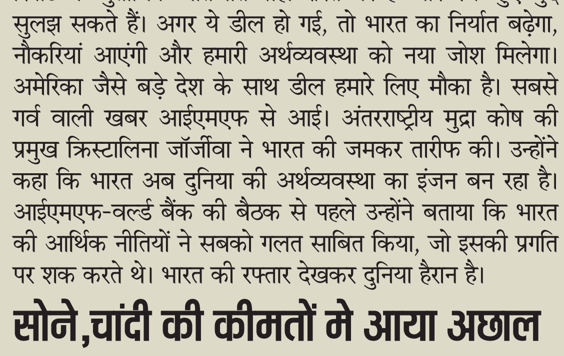

नई दिल्ली दिवाली करीब आते ही सोना-चांदी की कीमतें आकाश छू रही हैं। एमसीएक्स पर सोने की कीमत 1,26,697 रुपए प्रति 10 ग्राम जबकि चांदी की कीमत 1,60,131 रुपए प्रति किग्रा पर पहुंच गयी है। वहीं गत दिवस दिल्ली सर्राफा बाजार में सोने की कीमतें 2,850 रुपए बढ़कर पहली बार 1.3 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम के स्तर के ऊपर पहुंच गयीं। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, 99.9 फीसदी शुद्धता वाले सोने की कीमत 2,850 रुपए बढ़कर 1,30,800 रुपए प्रति 10 ग्राम के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई, जबकि पिछली सत्र में यह 1,27,950 रुपए पर बंद हुई थी। 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना भी 2,850 रुपए बढ़कर 1,30,200 रुपए प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) के नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। वहीं इसका पिछला बंद भाव 1,27,350 रुपए प्रति 10 ग्राम था। चांदी भी 6,000 रुपए के उछाल के साथ 1,85,000 रुपए प्रति किलोग्राम सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गई, जो लगातार पांचवें दिन की बढ़त है। पिछले बाजार सत्र में यह 1,79,000 रुपए प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। वहीं माना जा रहा है कि सर्राफा कीमतों में तेजी का कारण त्योहारी और शादी-ब्याह के मौसम से पहले मांग बढ़ना है। डॉलर के मुकाबले रुपए में आई कमजोरी भी इसका एक कारण है। ये 12 पैसे गिरकर 88.80 के अपने सर्वकालिक निचले स्तर पर आ गया। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना रिकॉर्ड ऊंचाई से नीचे आया पर फिर भी ऊपर बना रहा। वहीं दिन में पहले 4,179.71 डॉलर प्रति औंस के सर्वकालिक उच्च स्तर तक पहुंचने के बाद, यह 0.72 फीसदी बढ़कर 4,140.34 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था।

रेयर अर्थ मिनरल्स के निर्यात पर सख्ती ''चीन बनाम दुनिया'' की लड़ाई बना

चीन ने सप्लाई चेन पर किया सीधा हमला, ट्रंप ने दी टैरिफ दोगुना करने की चेतावनी

वॉशिंगटन

अमेरिका और चीन के बीच व्यापारिक तनाव फिर बढ़ गया है। इसकी वजह चीन का रेयर अर्थ मिनरल्स के निर्यात पर सख्त नियम लागू करना। इन मिनरल्स के बिना इलेक्ट्रिक वाहनों से लेकर एयरक्राफ्ट तक का उत्पादन करना मुश्किल है। अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेन्ट ने चीन के इस कदम को उकसाने वाली कार्रवाई बताया है और कहा कि यह अब चीन बनाम बाकी दुनिया की लड़ाई बन गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक चीन ने 9 अक्टूबर को नए नियम लागू किए हैं, जिनके तहत कोई भी कंपनी चाहे वह चीनी हो या विदेशी यदि उसके उत्पाद में 0.1 फीसदी से ज्यादा रेयर अर्थ मैटेरियल है, तो वह सरकार की अनुमति के बिना निर्यात नहीं करेगी। सैन्य इस्तेमाल के लिए इन खनिजों पर पूरी तरह रोक लगा दी गई है। चीन इस समय वैश्विक स्तर पर इन खनिजों के 70 फीसदी खनन और 90 फीसदी प्रोसेसिंग करता है। बेसेन्ट ने कहा कि ये खनिज छोटे मात्रा में इस्तेमाल होते हैं, लेकिन इनके बिना उत्पादन असंभव है। उन्होंने कहा कि चीन ने सप्लाई चेन पर सीधा हमला किया है, जिसे अमेरिका स्वीकार नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि अमेरिका भारत, यूरोप और एशिया के लोकतांत्रिक देशों के साथ मिलकर इसका जवाब देगा। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने चीनी सामानों पर टैरिफ दोगुना करने की धमकी दी है, जो नवंबर से 130

फीसदी तक बढ़ सकता है। उन्होंने कहा कि चीन की नीतियां बेहद आक्रामक हैं और अमेरिका अपने उद्योगों की रक्षा करेगा। हालांकि बाद में ट्रंप ने सोशल मीडिया पर लिखा- सब ठीक होगा। शी जिनपिंग और मैं दोनों अपने देशों के लिए स्थिरता चाहते हैं। बेसेन्ट ने कहा कि चीन की यह रणनीति उसकी आर्थिक कमजोरी को दर्शाती है। हालांकि उम्मीद है कि जल्द चर्चाओं से तनाव कम होगा।

इलेक्ट्रिक एसयूवी आयोनिक 5 की बिक्री में लगातार गिरावट

नई दिल्ली कार निर्माता कंपनी हुंडई मोटर इंडिया की प्रीमियम इलेक्ट्रिक एसयूवी आयोनिक 5 की बिक्री लगातार गिरावट पर है। इस गिरावट के पीछे क्रेटा इलेक्ट्रिक की मजबूत डिमांड है, जिसने आयोनिक 5 की मार्केट पॉपुलैरिटी पर सीधा असर डाला है। सितंबर 2025 में इस एसयूवी की केवल 6 यूनिट बिकीं, जो इस साल की सबसे कमजोर मासिक बिक्री रही। बिक्री आंकड़े बताते हैं कि जनवरी से सितंबर 2025 के बीच आयोनिक 5 की कुल 135 यूनिट ही बिकी हैं। जनवरी और फरवरी में 16-16 यूनिट, मार्च में 19, अप्रैल में 16, मई में 11, जून में 12, जुलाई में 25, अगस्त में 14 और सितंबर में सिर्फ 6 यूनिट बिकीं। यह आंकड़े साल की दूसरी छमाही में मांग में तेज गिरावट को दिखाते हैं। कई डीलर अब स्टॉक क्लियर करने के लिए 5 लाख से 7 लाख रुपये तक का डिस्काउंट दे रहे हैं। आयोनिक 5 की एक्स-शोरूम कीमत रुपए 45.95 लाख है और यह प्रीमियम इलेक्ट्रिक एसयूवी सेगमेंट में आती है। इसमें 12.3-इंच की दो डिजिटल स्क्रीन, 6 एयरबैग्स, लेवल-2 एडीएएस और 21 एडवांस सेफ्टी फीचर्स शामिल हैं। इंटीरियर में ईको-फ्रेंडली मटेरियल और रीसायकल प्लास्टिक का इस्तेमाल किया गया है। परफॉर्मेंस के लिहाज से 72.6 केडब्ल्यूएच बैटरी, 631 किलोमीटर की रेंज और 217 एचपी इलेक्ट्रिक मोटर इसे आधुनिक और पर्यावरण-अनुकूल एसयूवी बनाती है।

इस्राइल-हमास युद्धविरामः आशा की किरण या अस्थायी विराम?

ललित गर्ग

अमेरिकी राष्ट्रपति ने इजरायली संसद को संबोधित करते हुए गाजा शांति समझौते को पश्चिम एशिया की ऐतिहासिक सुबह की संज्ञा दी। वे कुछ भी दावा करें, फिलहाल यह कहना कठिन है कि प्रमुख मुस्लिम देश इजरायल को मान्यता देने के लिए तैयार होंगे।

गाजा की धरती लम्बे दौर से संघर्ष, हिंसा, विनाश और तबाही की त्रासदी की गवाह रही है, आज फिर एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है जहाँ शांति की एक हल्की किरण दिखाई तो देती है, परंतु उसके चारों ओर धुएँ और राख का अंधकार अब भी विद्यमान है। हाल ही में हुए युद्ध-विराम ने न केवल मध्यपूर्व बल्कि समूचे विश्व को राहत की एक साँस दी है। गाजा में अमन-चैन की ओर जो सुखद कदम बढ़े हैं, उनका स्वागत होना चाहिए। परंतु यह सवाल भी उतना ही प्रासंगिक है कि क्या यह शांति स्थायी होगी, या यह केवल अगली लड़ाई से पहले का ठहराव भर है? समूची दुनिया चाहती है कि यह युद्ध विराम स्थायी हो क्योंकि इस्राइल और हमास के संघर्ष ने करीब बाइस लाख से अधिक लोगों को बेघर करके भुखमरी के कगार पर पहुंचा दिया है। ऐसे में दोनों पक्षों के लिये समझौते के पहले चरण को पूरी तरह से लागू करना बेहद जरूरी होगा। जिसमें बंधकों व कैदियों की रिहाई, गाजा में मानवीय सहायता को अनवरत जारी रखना और इस्राइली सेनाओं की गाजा के मुख्य शहरों से आंशिक वापसी सुनिश्चित करना भी शामिल है। यह सब दूसरे चरण की बातचीत पर निर्भर हैं। यदि सब कुछ ठीक-ठाक रहा तो इसके बाद ही दूसरे चरण की बातचीत की प्रक्रिया शुरू हो सकती है। यह बेहद मुश्किल चुनौतियों वाला चरण होगा। इस दौरान कई संवेदनशील मुद्दे सामने होंगे। सबकी निगाह इस पर होगी कि शांति समझौते के अगले चरण कब पूरे होते हैं और वे सही तरह पूरे होते भी हैं या नहीं? इस पर संशय इसलिए है, क्योंकि यह स्पष्ट नहीं कि इजरायली सेना गाजा में कितना पीछे हटेगी और वहां के प्रशासन को संचालित करने का कैसा तंत्र तैयार होगा और क्या उस पर हमास सहमत होगा? इसके अतिरिक्त जहां हमास को हथियार छोड़ने हैं, वहीं इजरायल को स्वतंत्र फिलस्तीन देश की राह आसान करनी है। हमास का कहना है कि हथियार तब छोड़े जाएंगे, जब स्वतंत्र फिलस्तीन का रास्ता साफ होगा। इस पर इजरायल तैयार नहीं दिख रहा है। यह ठीक है कि स्वयं की ओर से प्रस्तावित गाजा शांति समझौते पर अमल शुरू होने के अवसर पर मिस्र जाने के पहले इजरायल पहुंचे अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपनी पहल को पश्चिम एशिया में शांति की स्थापना का पथ करार दिया और इजरायली प्रधानमंत्री से ईरान से समझौता करने को कहा। ऐसे किसी समझौते की सूरत तब बनेगी, जब ईरान इजरायल को मिटाने की अपनी जिद छोड़ेगा।

गाजा की वर्तमान स्थिति किसी एक राष्ट्र या एक नीति की देन नहीं है; यह दशकों से चली आ रही अविश्वास, असमानता और राजनीतिक स्वार्थों की परिणति है। इस बार के संघर्ष ने जिस तरह से निर्दोष नागरिकों, बच्चों और महिलाओं को अपना शिकार बनाया, उसने यह स्पष्ट कर दिया कि युद्ध चाहे किसी भी नाम पर लड़ा जाए, उसका परिणाम हमेशा मानवीय त्रासदी ही होता है। अस्पताल, विद्यालय, धार्मिक स्थल-कोई भी स्थान सुरक्षित नहीं रहा। अमेरिकी मध्यस्थता वाले युद्धविराम समझौते के बाद हमास ने आखिरकार शेष जीवित बचे बीस इस्राइली बंधकों को रिहा कर दिया। जिसके बाद इस्राइल में किसी बड़े उत्सव जैसा जश्न दिखा। बहरहाल, इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि अभी भी इस्राइल-हमास जोखिमभरा युद्धविराम समझौता नाजुक बना हुआ है। इसकी वास्तविक परीक्षा आने वाले दिनों में होगी। इस संघर्षरत क्षेत्र में स्थायी शांति सुनिश्चित करने के लिये जरूरी है कि प्रमुख हितधारकों की ओर से गंभीर एवं ईमानदार प्रयास लगातार होते रहें। वर्तमान समय में सबसे बड़ी चुनौती भूतहा खण्डहर एवं तबाही में तब्दील हो चुके गाजा के पुनर्निर्माण की होगी। दो साल से लगातार जारी युद्ध के चलते यह इलाका मलबे के ढेर में तब्दील हो चुका है।

एक नाजुक समय में जब युद्धविराम की घोषणा हुई, तो यह केवल एक राजनीतिक निर्णय नहीं है, बल्कि मानवीय विवेक का पुनर्जागरण भी है। यह समझना आवश्यक है कि शांति कोई समझौता नहीं, बल्कि एक अनिवार्य आवश्यकता है। यही कारण है कि यह युद्धविराम पूरी मानवता के लिए एक 'आशा की किरण' बनकर उभरा है। यह उस संभावना का प्रतीक है कि जब दुनिया के शक्तिशाली देश, विशेषकर अमेरिका, यूरोप, और अरब राष्ट्र अपनी राजनीतिक प्राथमिकताओं से ऊपर उठकर मानवीय सरोकारों को महत्व देते हैं, तो समाधान की दिशा में रास्ता बनता है। फिर भी इस शांति की वास्तविकता पर प्रश्नचिह्न बने हुए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भले ही इस युद्धविराम को अपने कूटनीतिक प्रयासों की उपलब्धि के रूप में प्रस्तुत किया हो, पर सच यह है कि युद्ध तब रुका जब उसकी भयावहता अपनी चरम सीमा पर पहुँच चुकी थी। यह विराम किसी की 'कूटनीति की जीत' से अधिक, मानवीय विवशता की उपज है। अंतरराष्ट्रीय दबाव, मानवीय संगठनों की सक्रियता और आम नागरिकों की पुकार ने मिलकर इस विराम को संभव बनाया। अब सबसे बड़ी चुनौती यह है कि यह शांति टिके, युद्ध का अंधेरा नहीं, शांति का उजाला फैले। क्योंकि जब तक गाजा के लोगों को जीवन की मूलभूत सुविधाएँ-पानी, भोजन, दवा, शिक्षा और सम्मानजनक जीवन नहीं मिलते, तब तक शांति केवल कागजों पर दर्ज रहेगी। वास्तविक शांति केवल तब संभव है जब अन्याय, दमन और असमानता के ढाँचे टूटें। शांति का अर्थ केवल हथियारों का मौन नहीं, बल्कि हृदयों का परिवर्तन है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने इजरायली संसद को संबोधित करते हुए गाजा शांति समझौते को पश्चिम एशिया की ऐतिहासिक सुबह की संज्ञा दी। वे कुछ भी दावा करें, फिलहाल यह कहना कठिन है कि प्रमुख मुस्लिम देश इजरायल को मान्यता देने के लिए तैयार होंगे। भले ही ट्रंप यह कह रहे हों कि गाजा शांति समझौते को सभी मुस्लिम देशों का समर्थन मिला, लेकिन वस्तुस्थिति इससे अलग है। जब यह समझौता सामने आया था, तब उसे समर्थन देने और ट्रंप की प्रशंसा करने वालों में पाकिस्तान भी था, पर अब वह इस समझौते को समर्थन देने से केवल पीछे ही नहीं हट गया, बल्कि उसने अपने यहां ऐसा माहौल बनाया कि उसके विरोध में कट्टरपंथी तत्व सड़क पर उतर आए। यह मानने के अच्छे-भले कारण हैं कि पाकिस्तान ने गाजा शांति समझौते को नकारने के लिए ही कट्टरपंथी तत्वों को सड़कों पर उतरने के लिए उकसाया और फिर उन पर गोलियां भी चलवाईं, ताकि दुनिया और विशेष रूप से अमेरिका को यह संदेश जाए कि उसके लिए गाजा शांति समझौते को स्वीकार करना संभव नहीं। यहां अमेरिका को पाक के दोहरे चरित्र को समझ लेना चाहिए।

संयुक्त राष्ट्र, यूरोपीय संघ, अरब लीग और विश्व की सभी बड़ी शक्तियों की जिम्मेदारी है कि वे इस युद्धविराम को केवल घोषणा भर न रहने दें। उसे स्थायी बनाने के लिए एक ठोस मानवीय पुनर्निर्माण योजना तैयार की जाए, जिसमें राजनीतिक समाधान, मानवीय सहायता और संवाद-तीनों को समान महत्व मिले। गाजा के बच्चे जब फिर से स्कूलों में लौटेंगे, जब शरणार्थी अपने घरों में बस सकेंगे, जब भय की जगह भरोसा जन्म लेगा, तभी यह कहा जा सकेगा कि गाजा में शांति आई है। इजरायल को यहां ज्यादा उदारता का परिचय देना होगा, क्योंकि इसमें कोई संदेह नहीं है कि वह बहुत ताकतवर है। हमास को भी हिंसा से बचना चाहिए। द्वि-राष्ट्रीय व्यवस्था को जमीन पर ठीक से साकार करना हमास का लक्ष्य होना चाहिए । हमास को अपनी छवि सुधारने की चिंता करनी चाहिए, अगर उस पर यकीन किया गया है, तो उसे खरा उतरना होगा। गाजा में किसी भी सूरत में हिंसा की वापसी नहीं होनी चाहिए। आज यह युद्धविराम भले ही 'एक आशा की किरण' बना हो, परंतु उसे स्थायी प्रकाश में बदलना विश्व समुदाय के विवेक, संवेदनशीलता और सतत प्रयास पर निर्भर करता है।

संपादकीय

भारत की प्रतिबद्धता

आपदा जोखिम न्यूनीकरण (डीआरआर) पर जी-20 मंत्रिस्तरीय बैठक के पहले दिन, प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव डॉ. पी. के. मिश्र ने दो उच्च-स्तरीय कार्यक्रमों - 'एकजुटता और अनुकूलनः पूर्व-चेतावनी प्रणालियों के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग और एकजुटता में डीआरआर का विस्तार' और 'डीआरआर निवेश को बढ़ाने के लिए तकनीकी नवाचार और राजनीतिक नेतृत्व का सेतु निर्माण' में भारत का प्रतिनिधित्व किया। एकजुटता और अनुकूलन सत्र में. डॉ. मिश्र ने इस बात पर जोर दिया कि पूर्व-चेतावनी प्रणालियां तकनीकी विलासिता नहीं, बल्कि अनुकूलन को लेकर रणनीतिक निवेश हैं। उन्होंने भारत की बहु-एजेंसी संरचना के बारे में चर्चा की, जिसमें मौसम विज्ञान, जल विज्ञान, भूकंप विज्ञान और समुद्र विज्ञान संस्थानों को एक सामान्य चेतावनी प्रोटोकॉल-अनुपालक एकीकृत चेतावनी प्रणाली के माध्यम से एकीकृत किया गया है, जो पहले ही 109 बिलियन से अधिक अलर्ट जारी कर चुकी है। उन्होंने जी-20 से वैश्विक 'सभी के लिए पूर्व-चेतावनी' प्रणाली के अंतर्गत अंतर-संचालनीय क्षेत्रीय प्लेटफार्मों, साझा डेटा प्रोटोकॉल और संयुक्त क्षमता निर्माण संबंधी पहलों को मजबूत करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि भारत पूर्व-चेतावनी को एक समावेशी, बहुभाषी और पूर्वानुमानयोग्य वैश्विक सार्वजनिक हित के रूप में देखता है। डीआरआर के वित्तपोषण पर आयोजित कार्यक्रम में, डॉ. मिश्र ने जी20 स्वैच्छिक उच्च-स्तरीय सिद्धांतों के सिद्धांत 2 और 4 के अनुरूप भारत की पांच-स्तंभ वित्तपोषण रणनीति का विस्तृत विवरण दिया। उन्होंने वित्त आयोग के तहत भारत के संवैधानिक मॉडल का वर्णन किया, जिसने बहु-वर्षीय, नियम-आधारित डीआरआर आवंटन, राज्यों और स्थानीय निकायों को विकेन्द्रीकृत वित्तपोषण और राष्ट्रीय आपदा जोखिम सूचकांक के माध्यम से साक्ष्य-आधारित प्राथमिकता सुनिश्चित की। राहत-केंद्रित से जोखिम तत्काल सूचना के प्रतिमान की ओर भारत के बदलाव पर प्रकाश डालते हुए, उन्होंने नवीन स्थानीय-स्तरीय प्रणालियों, समर्पित शमन निधियों, आपदा-विशिष्ट कार्यक्रमों और आपदा मित्र स्वयंसेवकों के माध्यम से समुदाय-आधारित तैयारियों का प्रदर्शन किया, जो अनुकूलन को सीधे सार्वजनिक वित्त और शासन में समाहित करते हैं।

चिंतन-मनन

अपूर्णता से पूर्णता की ओर

मनुष्य का बाह्य जीवन वस्तुतः उसके आंतरिक स्वरूप का प्रतिबिम्ब मात्र होता है। जैसे ड्राइवर मोटर की दिशा में मनचाहा बदलाव कर सकता है। उसी प्रकार, जीवन के बाहरी ढर्रे में भारी और आश्चर्यकारी परिवर्तन हो सकता है। वाल्मीकि और अंगुलिमाल जैसे भयंकर डाकू क्षण भर में परिवर्तित होकर इतिहास प्रसिद्ध संत बन गये। गणिका और आम्रपाली जैसी वीरांगनाओं को सती-साध्वी का प्रातः स्मरणीय स्वरूप ग्रहण करते देर न लगी। वामित्र और भतृहरि जैसे विलासी राजा उच्च कोटि के योगी बन गये। नृशंस अशोक बौद्ध धर्म का महान प्रचारक बना। तुलसीदास की कामुकता का भक्ति भावना में परिणत हो जाना प्रसिद्ध है। ऐसे असंख्य चरित्र इतिहास में पढ़े जा सकते हैं। छोटी श्रेणी में छोटे-मोटे आश्चर्यजनक परिवर्तन नित्य ही देखने को मिल सकते हैं। इससे स्पष्ट है कि जीवन का बाहरी ढर्रा जो चिर प्रयत्न से बना हुआ होता है, विचारों में भावनाओं में परिवर्तन आते ही बदल जाता है। मित्र को शत्रु बनते, शत्रु को मित्र रूप में परिणत होते, दुष्ट को संत बनते, संत को दुष्टता पर उतरते, कंजूस को उदार, उदार को कंजूस, विषयी को तपस्वी, तपस्वी को विषयी बनते देर नहीं लगती। आलसी उद्योगी बनते हैं और उद्योगी आलस्यग्रस्त होकर दिन बिताते हैं। दुगरुणियों में सद्गुण बढ़ते और सद्गुणी में दुगरुण उपजते देर नहीं लगती। इसका एकमात्र कारण इतना ही है कि उनकी विचारधारा बदल गई, भावनाओं में परिवर्तन हो गया।

संसार का जो भी भला-बुरा स्वरूप हमें दृष्टिगोचर हो रहा है, समाज में जो कुछ भी शुभ-अशुभ दिखाई पड़ रहा है, व्यक्ति के जीवन में जो कुछ उत्कृष्ट-निकृष्ट है, उसका मूल कारण उसकी अंतःस्थिति ही होती है। धनी-निर्धन, रोग-नीरोग, अकाल मृत्यु-दीर्घ जीवन, मूर्ख-विद्वान, घृणित-प्रतिष्ठत और सफल-असफल का बाहरी अंतर देखकर उसके व्यक्तित्व का मूल्यांकन किया जाता है। यह बाहरी भली-बुरी परिस्थितियां मनुष्य के मनोबल, आस्था और अंतःप्रेरणाओं की प्रतीक हैं।

भाग्य यदि कभी कुछ करता होगा तो निश्चय ही उसे पहले मनुष्य की मनोरुचि में ही प्रवेश करना पड़ता होगा, जिसकी अंतःगतिविधियां सही दिशा में चलने लगीं हैं। किंतु जिसका मानसिक स्तर चंचलता, अवसाद, अवास, आलस्य, आवेश, दैन्य आदि से दूषित हो रहा है, उसके लिए अच्छी परिस्थितियां और अच्छे साधन उपलब्ध होने पर भी दुर्गति का ही सामना करना पड़ेगा।

देशद्रोह कानून पर सुप्रीम कोर्ट सख्तः लोकतंत्र की जड़ों की रक्षा की दिशा में बड़ा कदम

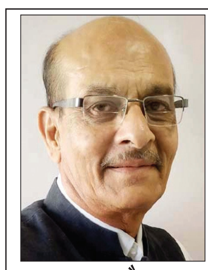

सनत जैन

सुप्रीम कोर्ट ने देशद्रोह कानून पर जो सख्त रुख अपनाया है, वह भारतीय लोकतंत्र की जड़ों को मजबूत करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। मुख्य न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 124ए यानी राजद्रोह कानून से संबंधित याचिकाओं को पाँच जजों की संविधान पीठ को भेजने का जो निर्णय लिया है, वह केवल एक कानूनी औपचारिकता नहीं, बल्कि नागरिक स्वतंत्रता और अभिव्यक्ति की आजादी की सबसे महत्वपूर्ण परीक्षा है। राजद्रोह कानून की उत्पत्ति औपनिवेशिक शासन में हुई थी। अंग्रेजों ने 1870 में इसे इसलिए बनाया था ताकि भारत में स्वतंत्रता की आवाज उठाने वाले क्रांतिकारियों, पत्रकारों और बुद्धिजीवियों को कुचल सके। इस कानून के तहत राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और बाल गंगाधर तिलक जैसे महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी भी अभियुक्त बनाए गए थे। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भारत में उम्मीद जागी थी कि इस काले कानून को समाप्त कर दिया जाएगा, लेकिन अफसोस कि यह आज तक जीवित है, और कई बार तो यह उस रूप में भी नजर आया, जो लोकतंत्र की आत्मा के विपरीत है। आजादी के बाद से ही यह कानून सरकारों के हाथों में एक ऐसा औजार बन गया, जिसका इस्तेमाल विरोधी विचारों को कुचलने में हुआ। चाहे पत्रकार हों, मानवाधिकार कार्यकर्ता या आम नागरिक हों, किसी भी असहमतिपूर्ण आवाज को 'राष्ट्रविरोधी' कहकर निशाना बनाया जा सकता था। इसी मनमाने इस्तेमाल पर 2022 में सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगाई थी। अदालत ने केंद्र सरकार से पूछा था कि जब यह कानून औपनिवेशिक मानसिकता का प्रतीक है, तो इसे क्यों बनाए रखा जाए। लेकिन सरकार ने अब 'भारतीय न्याय संहिता' (बीएनएस) के जरिए उसी कानून को नए नाम और थोड़े बदले हुए शब्दों में फिर से पेश कर दिया। अब इसे भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता को खतरे में डालने वाला अपराध कहा गया है। हालांकि 'राजद्रोह' शब्द हटा दिया गया, लेकिन इसकी भावना लगभग वैसी ही बनी हुई है। यानी जो व्यक्ति सत्ता की आलोचना करे या सरकार की नीतियों पर सवाल उठाए, उसे अब भी आसानी से देशविरोधी करार दिया जा सकता है।

मुख्य न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़ ने अदालत में कहा, कि कानून का दुरुपयोग ऐसा है जैसे किसी को एक लकड़ी काटने की अनुमति देना, और वह धीरे-धीरे पूरा जंगल काट दे। यह टिप्पणी बेहद प्रतीकात्मक है, यह दिखाती है कि यदि नागरिकों की आवाज पर नियंत्रण रखने की कानूनी छूट दी जाए, तो धीरे-धीरे लोकतंत्र का पूरा ढांचा खोखला हो जाता है। अदालत ने यह भी साफ किया कि नए कानून आने से पुराने मामलों पर कोई असर नहीं पड़ेगा; यानी उन मामलों में न्यायिक जांच जारी रहेगी। सुप्रीम कोर्ट की यह सख्ती न केवल संविधान के अनुच्छेद 19 (अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता) की रक्षा के लिए आवश्यक है, बल्कि यह एक चेतावनी भी है कि लोकतंत्र केवल चुनावों से नहीं, बल्कि असहमति को सम्मान देने से जीवित रहता है। लोकतांत्रिक समाज में असहमति को अपराध नहीं, बल्कि सुधार की प्रक्रिया का हिस्सा माना जाना चाहिए। यह फैसला मोदी सरकार ही नहीं, बल्कि आने वाली सभी सरकारों के लिए भी एक संदेश है, कि नागरिकों की आवाज को कुचलने वाले औपनिवेशिक कानूनों की समीक्षा अब टाली नहीं जा सकती। संसद को चाहिए कि वह इस दिशा में गंभीरता से विचार करे और ऐसा ढांचा बनाए जिसमें देश की अखंडता की रक्षा हो, लेकिन नागरिकों की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर कोई खतरा न आए। राजद्रोह कानून पर सुप्रीम कोर्ट का यह रुख लोकतंत्र की आत्मा को बचाने की दिशा में एक निर्णायक कदम है। यह केवल एक कानूनी बहस नहीं, बल्कि उस संघर्ष का हिस्सा है जिसमें नागरिक अपने अधिकारों और स्वतंत्रता के लिए खड़े हैं। आज आवश्यकता इस बात की है कि सत्ता, कानून और न्यायपालिका, तीनों यह समझें कि असहमति को दबाने से राष्ट्र मजबूत नहीं होता, बल्कि कमजोर होता है। सुप्रीम कोर्ट ने यह दिखा दिया है कि संविधान की मूल भावना 'हम भारत के लोग' आज भी सर्वोपरि है। देशद्रोह कानून पर पुनर्विचार केवल एक कानूनी सुधार नहीं, बल्कि भारतीय लोकतंत्र के भविष्य को सुरक्षित करने की ऐतिहासिक पहल है। यही वह क्षण है जब न्यायपालिका ने साबित किया है कि वह न केवल कानून की व्याख्या करती है, बल्कि स्वतंत्रता और न्याय की मशाल भी जलाए रखती है।

जब अनाज के ढेर में छुप जाए इंसान की भूख

दिलीप कुमार पाठक

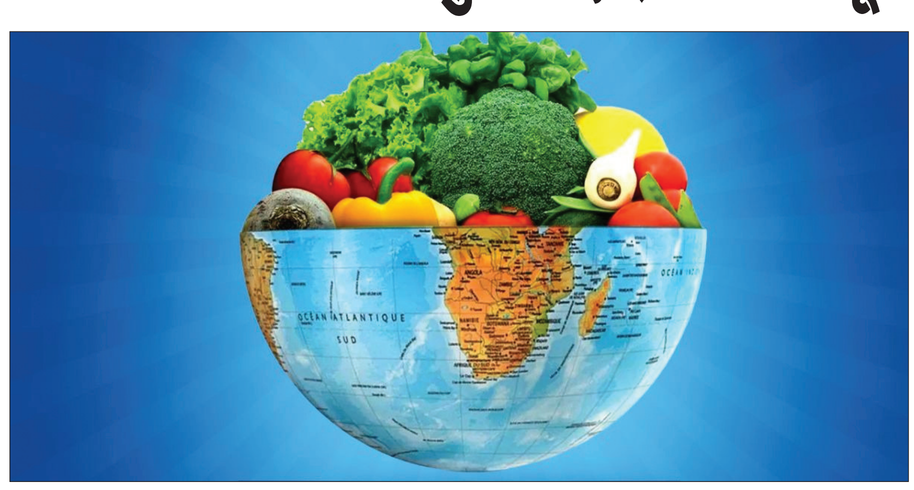

विश्व खाद्य दिवस प्रत्येक वर्ष 16 अक्टूबर को मनाया जाता है। इस दिवस को मनाते दशकों हो चुके हैं, परंतु दुनिया भर में भूखे पेट सोने वालों की संख्या में कमी नहीं आई है। यह संख्या आज भी तेजी से बढती जा रही है। विश्व में आज भी कई लोग ऐसे हैं, जो भूखमरी से जूझ रहे हैं। इस मामले में विकासशील या विकसित देशों में किसी तरह का कोई फर्क. नहीं है। विश्व की आबादी वर्ष 2050 तक नौ अरब होने का अनुमान लगाया जा रहा है और इसमें करीब 80 फीसदी लोग विकासशील देशों में रहेंगे। ऐसे में किस तरह खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी, यह एक बड़ा प्रश्न है। दुनिया में एक तरफ तो ऐसे लोग हैं, जिनके घर में खाना खूब बर्बाद होता है और फेंक दिया जाता है। वहीं दूसरी ओर ऐसे लोगों की भी कमी नहीं है, जिन्हें एक समय का भोजन भी नहीं मिल पाता। खाद्यान्न की इसी समस्या को देखते हुए 16 अक्टूबर को हर साल विश्व खाद्य दिवस मनाने की घोषणा की गई थी। विश्व खाद्य दिवस का मकसद दुनिया से भूखमरी खत्म करना है। आज भी करोड़ों लोग भूखे पेट सोने को मजबूर हैं ' हमें आधुनिक तरीके से खेती करनी होगी ताकि ज्यादा अनाज पैदा हो। इस दिन का उद्देश्य विकासशील देशों में तकनीकी और वित्तीय मदद बढ़ाना है ताकि वे ज्यादा अनाज उगा सकें।अफ्रीका के कई देशों में यह समस्या बहुत गंभीर है, जैसे रवांडा, बुरुंडी, नाइजीरिया और सोमालिया। हमें इन देशों की मदद करनी होगी ताकि वे अपने लोगों को खाना दे सकें। भूख और कुपोषण मुक्त दुनिया के सपने को साकार करने में हम सभी की भूमिका है। हमें संकट के समय में स्थायी आदतों को दरकिनार नहीं करना चाहिए। हम स्वस्थ भोजन के विकल्प चुन सकते हैं और भोजन की बबार्दी को कम करने में अपनी भूमिका निभा सकते हैं। इसके अलावा, सरकारें, उद्यम और संगठन एवं अपनी समझ को साझा कर सकते हैं और स्थायी, लचीली खाद्य प्रणालियों और आजीविकाओं का समर्थन कर सकते हैं। हम सब मिलकर अपने विश्व का विकास, पोषण और स्थायित्व कर सकते हैं। कुछ जगहों पर, खाद्य असुरक्षा की गंभीरता बहुत ज्यादा है। अनुमान है कि 67.3 करोड़ लोग भूख से जूझ रहे हैं। दूसरी तरफ, मोटापे का बढ़ता स्तर और व्यापक खाद्य अपव्यय एक असंतुलित व्यवस्था की ओर इशारा करते हैं ' बढ़ती वैश्विक जनसंख्या की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सीमाओं, क्षेत्रों और पीढ़ियों के पार टीमवर्क की आवश्यकता है। भारत में भी खाद्यान्न की कमी नहीं है, लेकिन फिर भी लोगों को खाने के लिए पर्याप्त अनाज नहीं मिलता। इसकी वजह है खराब सार्वजनिक वितरण प्रणाली और भंडारण की समस्या। लाखों टन अनाज खुले में सड़ जाता है, जबकि करोड़ों लोग भूखे पेट सोते हैं। बच्चों में कुपोषण की समस्या भी गंभीर है। हमें इस समस्या का समाधान निकालने की जरूरत है ताकि अनाज की बबार्दी रोकी जा सके और लोगों को उचित मात्रा में भोजन मिल सके।

भारत में शादी-विवाह जैसे समारोहों में बहुत सारा खाना बर्बाद होता है। एक शोध के अनुसार बेंगलुरु में शादियों में लगभग 950 टन खाना फेंका गया। समस्या सिर्फ खाने की बबार्दी नहीं है, बल्कि जरूरत से ज्यादा कैलोरी वाला खाना भी एक समस्या है। भारत में कुपोषण की समस्या गंभीर है, जबकि अनाज की बबार्दी हो रही है। विश्व खाद्य उत्पादन रिपोर्ट के अनुसार भारत में भुखमरी की समस्या से निपटने की गति धीमी है। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के अनुसार दुनिया में सभी लोगों के लिए पर्याप्त अनाज है, लेकिन फिर भी कई लोग भूखे हैं और कुपोषण से जूझ रहे हैं। हमें इस समस्या का समाधान निकालने की जरूरत है। क्या सिर्फ कृषि उत्पाद बढ़ा कर और खाद्यान्न को बढ़ा कर हम भूख से अपनी लड़ाई को सही दिशा दे सकते हैं। चाहे विश्व के किसी कोने में इस सवाल का जवाब हाँ हो, लेकिन भारत में इस सवाल का जवाब ना है और इस ना की वजह है, खाद्यान्नों को रखने के लिए जगह की कमी। यूँ तो भारत विश्व में खाद्यान्न उत्पादन में चीन के बाद दूसरे स्थान पर पिछले दशकों से बना हुआ है, लेकिन यह भी सच है कि यहाँ प्रतिवर्ष करोड़ों टन अनाज बर्बाद होता है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार लगभग 58,000 करोड़ रुपये का खाद्यान्न भंडारण आदि तकनीकी के अभाव में नष्ट हो जाता है। कुल उत्पादित खाद्य पदार्थो में केवल दो प्रतिशत ही संसाधित किया जा रहा है। भारत में लाखों टन अनाज खुले में सड़ रहा है। यह सब ऐसे समय हो रहा है, जब करोड़ों लोग भूखे पेट सो रहे हैं और छह साल से छोटे बच्चों में से 47 फीसदी कुपोषण के शिकार हैं। भूख की वैश्विक समस्या को तभी हल किया जा सकता है, जब उत्पादन बढ़ाया जाए। साथ ही उससे जुड़े अन्य पहलुओं पर भी समान रूप से नजर रखी जाए। खाद्यान्न सुरक्षा तभी संभव है, जब सभी लोगों को हर समय, पर्याप्त, सुरक्षित और पोषक तत्वों से युक्त खाद्यान्न मिले, जो उनकी आहार संबंधी आवश्यकताओं को पूरा कर सके। साथ ही कुपोषण का रिश्ता गरीबी, अशिक्षा, बेरोजगारी, आदि से भी है। इसलिए कई मोर्चों पर एक साथ मजबूत इच्छाशक्ति का प्रदर्शन करना होगा।

(लेखक पत्रकार हैं)

संक्षिप्त समाचार

इस सप्ताह वॉशिंगटन जाएंगे जेलेंस्की

कीव, एजेंसी। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की इस सप्ताह संयुक्त राज्य अमेरिका का दौरा करेंगे। इस दौरान वे यूएस से लंबी दूरी के हथियारों की संभावित आपूर्ति और अन्य सुरक्षा सहयोग पर चर्चा करेंगे। यह दौरा ऐसे समय में हो रहा है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस को चेतावनी दी है कि वे कीव को टॉमहॉक क्रूज मिसाइलें भेज सकते हैं। जेलेंस्की ने कहा कि ट्रंप से उनकी मुलाकात शुक्रवार तक हो सकती है। इसके अलावा वे रक्षा और ऊर्जा कंपनियों, साथ ही कांग्रेस के सदस्यों से भी मिलेंगे।

मैक्सिको में भयंकर बारिश और लैंडस्लाइड से मरने वालों की संख्या बढ़कर हुई 64

मैक्सिको, एजेंसी। पिछले सप्ताह मैक्सिको में हुई भयंकर बारिशों के कारण मृतकों की संख्या सोमवार तक 64 हो गई, जबकि 65 लोग अभी भी लापता हैं। भारी वर्षा के कारण कई नदियां उफान पर आ गईं और लैंडस्लाइड से कई गांवों का संपर्क कट गया। मैक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शेनबॉम की दैनिक प्रेस ब्रीफिंग में सिविल डिफेंस कोऑर्डिनेटर लौरा वेलाज़क्वेज़ अल्ज़ुआ ने बताया कि बचाव अभियान अब उन समुदायों तक भी फैलाया जा रहा है, जो पहले पहुंच से बाहर थे।

काठमांडू एयरपोर्ट पर 11 किग्रा से ज्यादा गांजा लेकर तीन भारतीय गिरफ्तार

काठमांडू, एजेंसी। त्रिभुवन अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से तीन भारतीय नागरिकों को गिरफ्तार किया गया, जिनके पास 11 किलो 275 ग्राम गांजा बरामद हुआ। गिरफ्तार भारतीय यात्रियों की पहचान सलीम इब्राहिम अंसारी (50), रेहान मोहम्मद अजाज़ शेख (24) और ज़ैनब बशीर (32) के रूप में हुई है। नेपाल पुलिस के एक बयान के अनुसार, ये तीनों बैंकॉक से एयर एशिया की फ्लाइट से रविवार दोपहर काठमांडू पहुंचे थे। फिलहाल बरामद गांजा और आरोपियों को आगे की जांच के लिए नेपाल पुलिस के नार्कोटिक ड्रग्स ब्यूरो के हवाले कर दिया गया है।

चीन के दर्जनों भूमिगत चर्च पादरी हिरासत में लिए गए

बीजिंग, एजेंसी। चीन में पुलिस ने देश के सबसे बड़े चर्चों में से 30 भूमिगत पादरियों को हिरासत में लिया गया है। एक चर्च प्रवक्ता और रिश्तेदारों ने बताया कि यह 2018 के बाद से ईसाइयों पर सबसे बड़ी कार्रवाई है। पिछले हफ्ते बीजिंग द्वारा दुर्लभ मृदा निर्यात नियंत्रणों में नाटकीय रूप से विस्तार करने के बाद चीन-अमेरिका के बीच नए सिरे से तनाव बढ़ने के बीच ये गिरफ्तारियां हुईं। इन गिरफ्तारियों की अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने निंदा की और तत्काल रिहाई की मांग की। प्रवक्ता सीन लॉन्ग ने बताया, जायन चर्च के संस्थापक पादरी जिन मिंगरी को दक्षिणी शहर बेइहाई स्थित उनके घर पर हिरासत में लिया गया।

वेनेजुएला में खदान हादसा- भीषण बारिश से सोने की खान धसने से 14 मजदूरों की मौत

काराकास, एजेंसी। वेनेजुएला के दक्षिणपूर्वी क्षेत्र में लगातार हो रही भारी बारिश के कारण एक सोने की खदान धंस गई, जिसमें कम से कम 14 मजदूरों की मौत हो गई। यह हादसा एल कालयो कस्बे में हुआ, जो राजधानी कराकस से करीब 850 किलोमीटर दूर स्थित है। अधिकारियों ने बताया कि मृतकों के शवों को निकालने के लिए राहत और बचाव कार्य जारी है। फायर ब्रिगेड और स्थानीय बचाव दल के अनुसार, गहराई वाले हिस्सों में पानी निकालने के बाद ही अंदर फंसे लोगों की तलाश जारी रखी जाएगी। फिलहाल मौतों की संख्या अन्य खनिकों के बयान के आधार पर बताई गई है।

खैबर पख्तूनख्वा के नए सीएम बने सुहैल विपक्ष का बहिर्गमन

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के उम्मीदवार सुहैल अफरीदी को सोमवार को विधानसभा सत्र के दौरान खैबर पख्तूनख्वा प्रांत का नया मुख्यमंत्री चुना गया। हालांकि इस दौरान विपक्ष ने सदन से बहिर्मगन किया। प्रांत विधानसभा के अध्यक्ष बाबर सलीम स्वाती ने विपक्ष के बहिर्गमन के बावजूद मतदान की प्रक्रिया जारी रखी। अफरीदी को 145 में से 90 वोट मिले, जबकि जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम (एफ) बीएमएलएन और पीपीपी के उम्मीदवारों को कोई वोट नहीं मिला। पार्टी के संस्थापक इमरान खान के प्रति आभार व्यक्त करते हुए अफरीदी ने कहा, उन्होंने साधारण से कार्यकर्ता, राजनीति से कोई पारिवारिक संबंध नहीं रखने वाले शख्स को मुख्यमंत्री चुना।

नीदरलैंड्स ने अपने कब्जे में ली चीन की बहुत बड़ी चिप कंपनी, व्यापार युद्ध बढ़ने की आशंका

एम्स्टर्डम, एजेंसी। वैश्विक व्यापार युद्ध के बीच नीदरलैंड्स सरकार ने एक अभूतपूर्व कदम उठाते हुए चीन की विंगटेक टेक्नोलॉजी के स्वामित्व वाली डच चिपमेकर कंपनी नेक्स्पेरिया का नियंत्रण अपने हाथ में ले लिया है। यह कदम डच आर्थिक मामलों के मंत्रालय द्वारा गुड्स अवेलेबिलिटी एक्ट के तहत उठाया गया है, ताकि देश में आवश्यक चिप्स की सप्लाई और तकनीकी सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

मंत्रालय ने अपने बयान में कहा कि नेक्स्पेरिया में गंभीर प्रशासनिक खामियों के हालिया और तात्कालिक संकेत मिले हैं, जो नीदरलैंड्स और यूरोप की तकनीकी क्षमताओं के लिए खतरा पैदा कर सकते हैं। बयान में कहा गया कि इन क्षमताओं का नुकसान डच और यूरोपीय आर्थिक सुरक्षा के लिए जोखिम साबित हो सकता है, विशेष रूप से ऑटोमोबाइल सेक्टर के लिए, जो चिप्स पर भारी निर्भर करता है।

चिप उद्योग में रणनीतिक हस्तक्षेप : नीजमेगन में मुख्यालय वाली नेक्स्पेरिया दुनिया की प्रमुख चिप निर्माता कंपनियों में से एक है, जो मुख्यतः सरल कंप्यूटर चिप्स (जैसे डायोड और ट्रांजिस्टर) बनाती है। साथ ही यह कंपनी वाइड गैप सेमीकंडक्टर तकनीक पर भी काम करती है, जिसका उपयोग इलेक्ट्रिक वाहनों, चार्जिंग सिस्टम्स और एआई डेटा सेंटर्स में होता है। नीदरलैंड्स सरकार का कहना है कि यह हस्तक्षेप अत्यंत असाधारण स्थिति में किया गया है, ताकि आपातकालीन परिस्थितियों में चिप आपूर्ति में किसी तरह की बाधा न आए। यह निर्णय सितंबर में लागू किया गया था, लेकिन इसकी औपचारिक घोषणा अब की गई है।

अमेरिका-चीन तनाव की पृष्ठभूमि में निर्णय : यह कदम ऐसे समय आया है जब अमेरिका और चीन के बीच व्यापार तनाव लगातार बढ़ रहा है। हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन के निर्यात पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने की धमकी दी थी। हालांकि डच आर्थिक मामलों के मंत्रालय ने अमेरिकी दबाव से इनकार करते हुए इसे सिर्फ एक संयोग बताया, लेकिन यह निर्णय उस व्यापक परिप्रेक्ष्य में देखा जा रहा है जिसमें अमेरिका और नीदरलैंड्स दोनों चिप उद्योग पर निर्यात नियंत्रण को लेकर करीबी सहयोग कर रहे हैं।

उधर, बीजिंग ने हाल ही में रेयर अर्थ एलिमेंट्स और मैग्नेट्स के निर्यात पर नियंत्रण लगाया है, जो यूरोप के ऑटोमोटिव सेक्टर के लिए बेहद अहम हैं। इससे यूरोप-चीन व्यापारिक रिश्तों में और तनाव आ सकता है।

विंगटेक पहले से अमेरिकी निगरानी सूची में : गौरतलब है कि विंगटेक टेक्नोलॉजी को दिसंबर 2024 में अमेरिका ने अपनी एंटिटी लिस्ट में शामिल किया था। आरोप था कि कंपनी संवेदनशील सेमीकंडक्टर निर्माण क्षमताओं वाली संस्थाओं को हासिल करने के चीन सरकार के प्रयासों में सहायता कर रही है।

विंगटेक की तीखी प्रतिक्रिया : इस फैसले पर विंगटेक ने नाराजगी जताई है। कंपनी ने अपने अब हटाए गए वीचैट पोस्ट में डच सरकार के कदम को भू-राजनीतिक पक्षपात से प्रेरित अत्यधिक हस्तक्षेप बताया। विंगटेक ने कहा कि उसने 2019 में नेक्स्पेरिया के अधिग्रहण के बाद से सभी स्थानीय कानूनों का पालन किया है और उसके यूरोप में हजारों कर्मचारी कार्यरत हैं- जिनमें नीदरलैंड्स, जर्मनी और ब्रिटेन शामिल हैं। नेक्स्पेरिया की प्रतिक्रिया और प्रभाव नेक्स्पेरिया के प्रवक्ता ने सीएनबीसी से कहा कि कंपनी सभी नियमों का पालन कर रही है और नियमित रूप से अधिकारियों के संपर्क में है, लेकिन उन्होंने आगे कोई टिप्पणी करने से इनकार किया। इस घोषणा के बाद शंघाई स्टॉक एक्सचेंज में विंगटेक के शेयर 10% की गिरावट के साथ अपने दैनिक सीमा तक लुढ़क गए। कंपनी की एक कॉर्पोरेट फाइलिंग (13 अक्टूबर) के अनुसार, अब नेक्स्पेरिया अस्थायी बाहरी प्रबंधन के अधीन है, जिसमें एक वर्ष तक कंपनी की परिसंपत्तियों, व्यवसाय या कर्मचारियों में बदलाव की अनुमति नहीं होगी। रिपोर्ट्स के अनुसार, विंगटेक के चेयरमैन झांग शुएझेंग को नेक्स्पेरिया में उनकी सभी भूमिकाओं से निलंबित कर दिया गया है, हालांकि कंपनी के दैनिक कार्य सामान्य रूप से जारी रहेंगे। इससे पहले 2023 में नीदरलैंड्स सरकार ने नेक्स्पेरिया द्वारा चिप स्टार्टअप एनओडब्ल्यूआई के अधिग्रहण की जांच की थी, जिसे बाद में मंजूरी दे दी गई थी। लेकिन अब यह नया कदम चीन-नीदरलैंड्स व्यापारिक रिश्तों को और अधिक तनावपूर्ण बना सकता है, खासकर उस पृष्ठभूमि में जब डच कंपनी एएसएमएल को चीन को उन्नत चिप-मेकिंग उपकरणों के निर्यात पर रोक लगाने का आदेश दिया गया था। जैसे-जैसे वैश्विक व्यापार युद्ध और तकनीकी प्रतिस्पर्धा बढ़ रही है, नीदरलैंड्स सरकार का यह अभूतपूर्व कदम इस बात को रेखांकित करता है।

ट्रंप ने क्लिंटन से मिली सराहना का किया स्वागत, अमेरिकी राष्ट्रपति को मिस्र का सर्वोच्च सम्मान

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन की तारीफ का स्वागत किया है। बता दें कि, बिल क्लिंटन ने गाजा युद्धविराम समझौते में ट्रंप की भूमिका की प्रशंसा की थी। ट्रंप ने इसे बहुत अच्छा कहा और माना कि क्लिंटन सच कह रहे हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने बताया कि उनका बिल क्लिंटन से पुराना संबंध रहा है। उन्होंने कहा, वो मेरे दोस्त रहे हैंज्वो और उनकी पत्नी हिलेरी क्लिंटन भी मेरी शादी में भी आए थे। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने सोशल मीडिया पर लिखा, राष्ट्रपति ट्रंप, उनकी टीम, कतर और अन्य देशों ने मिलकर इस समझौते को सफल बनाया। उन्होंने इस मौके को स्थायी शांति की दिशा में एक मौका बताया।

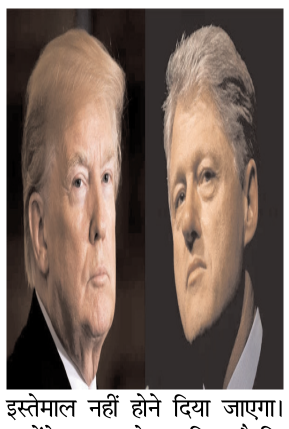

ट्रंप ने गाजा युद्धविराम को लेकर दिया भाषण : गाजा युद्धविराम को लेकर ट्रंप ने मिस्र के शहर शार्म अल-शेख में एक शांति सम्मेलन में भी भाषण दिया। उन्होंने इस समझौते को पश्चिम एशिया के लिए नए युग की शुरुआत बताया। उन्होंने कहा, हमने वो कर दिखाया जो असंभव कहा जा रहा था। अब युद्ध खत्म हो गया है और एक नई सुबह आ रही है।

गाजा के पुनर्निर्माण पर भी बोले ट्रंप : इस दौरान ट्रंप ने दोहराया कि गाजा के पुनर्निर्माण में मदद तो होगी लेकिन पैसा हिंसा के लिए इस्तेमाल नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने कहा हमने तय किया है कि गाजा को दोबारा खड़ा करेंगे, लेकिन हथियारबंदी नहीं होने देंगे। मिस्र के शहर शार्म अल-शेख में एक शांति सम्मेलन में 20 से ज्यादा देशों के नेता शामिल हुए। मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फत्ताह अल-सीसी और ट्रंप ने इसकी अध्यक्षता की। इस सम्मेलन से पहले हमास ने सभी 20 जीवित इस्राइली बंधकों को रिहा कर दिया था।

ट्रंप को मिस्र ने किया सम्मानित, इस्राइल करेगा सम्मान : मिस्र ने राष्ट्रपति ट्रंप को अपने सर्वोच्च सम्मान ऑर्डर ऑफ द नाइल से सम्मानित किया। वहीं, इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजमिन नेतन्याहू ने उन्हें इस्राइल प्राइज के लिए नामित किया और कहा, ट्रंप इस्राइल के अब तक के सबसे बड़े मित्र हैं।

हमास की कैद में एकमात्र हिंदू बंधक बिपिन जोशी की मौत, इजरायल को लौटाया शव

येरुशलम, एजेंसी। हमास की ओर से बंधक बनाए गए नेपाली हिंदू छात्र बिपिन जोशी का शव इजरायल को लौटा दिया गया है। 7 अक्टूबर, 2023 को दक्षिणी इजरायल पर किए गए हमले के दौरान उसका अपहरण कर लिया गया था। अटैक के वक्त जोशी ने अपनी बहादुरी से कई सहपाठियों की जान बचाई थी। सोमवार को गाजा में संघर्ष विराम समझौते के बाद उसकी मृत्यु की पुष्टि ऐसे समय हुई, जब 20 जीवित बंधकों की रिहाई पर उत्सव का माहौल था। बंधक बनाए जाने के कुछ दिनों बाद इजरायली सेना की ओर से वीडियो फुटेज जारी किया गया, जिसमें जोशी को गाजा के शिफा अस्पताल में घसीटते हुए दिखाया गया था। यह उनकी आखिरी ज्ञात जीवित झलक थी। हमास के लड़ाकों ने जब हमला किया, तब 22 वर्षीय बिपिन जोशी नेपाल से गाजा सीमा के पास किबुत्ज अलुमिम गए थे। यहां वह खेती-किसानी को लेकर ट्रेनिंग कार्यक्रम के लिए आए थे। जोशी गाजा में जीवित माने जाने वाले एकमात्र गैर-इजरायली और हिंदू बंधक थे। नेपाल के इजरायल में राजदूत धन प्रसाद पंडित ने रिपब्लिका को उनकी मौत की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि सोमवार देर रात हमास ने जोशी के शव को इजरयइली अधिकारियों को सौंप दिया। पंडित ने कहा, बिपिन जोशी का शव हमास ने इजरायली अधिकारियों को सौंपा है और इसे तेल अवीव ले जाया जा रहा है। इजरायली सैन्य प्रवक्ता एफी डेफ्रिन ने कहा कि हमास ने बिपिन जोशी सहित 4 बंधकों के शव लौटाए हैं। उनके शव को नेपाल भेजने से पहले डीएनए टेस्ट किया जाएगा। उम्मीद है कि उनका अंतिम संस्कार नेपाली दूतावास के सहयोग से इजरायल में किया जाएगा। जोशी की इजरायल यात्रा सितंबर 2023 में शुरू हुई, जब वह 16 अन्य छात्रों के साथ किबुत्ज अलुमिम गए थे। यह पहल नेपाली छात्रों को इजरायली कृषि तरीकों के बारे ट्रेनिंग देने के लिए की गई थी। 7 अक्टूबर की सुबह हमास आतंकवादियों ने अचानक हमला कर दिया। छात्रों ने बम बंकर में शरण ली। जब बंकर के अंदर ग्रेनेड फेंके गए तो जोशी ने एक जिंदा ग्रेनेड को पकड़कर बाहर फेंक दिया, जिससे कई लोगों की जान बच गई।

दुनिया को आपकी जरूरत है, ट्रंप को रिझाने में जुटा पाकिस्तान; फिर अलापा नोबेल राग

इस्लामाबाद, एजेंसी। अमेरिका को रिझाने का पाकिस्तान कोई मौका छोड़ता नजर नहीं आ रहा है। नोबेल शांति पुरस्कार के ऐलान के चार दिन बाद ही प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को पुरस्कार के लिए फिर नॉमिनेट कर दिया। शरीफ का कहना है कि दुनिया को इस समय सबसे ज्यादा ट्रंप की जरूरत है। अमेरिकी राष्ट्रपति की तरफ से भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम में बड़ी भूमिका निभाने का दावा लगातार किया जा रहा है।

गाजा में शांति के लिए आयोजित शिखर सम्मेलन में शरीफ ने कहा, मैं इस महान राष्ट्रपति को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नॉमिनेट करना चाहता हूं, क्योंकि मुझे वास्तविक तौर पर लगता है कि वह वास्तविक रूप से सबसे शानदार उम्मीदवार हैं...। मुझे लगता है कि आप वह व्यक्ति हैं, जिसकी जरूरत इस दुनिया इस समय सबसे ज्यादा है। उन्होंने कहा, दुनिया आपको ऐसे व्यक्ति के रूप में याद रखेगी, जिसने 7 और अब 8 युद्ध रुकवाने के लिए सबकुछ किया।

पाकिस्तान पीएम ने कहा, अगर यह सज्जन नहीं होते, तो कौन जानता है कि क्या होता। भारत और पाकिस्तान दोनों परमाणु ताकतें हैं। अगर यह अपनी शानदार टीम के साथ उन चार दिनों में दखल नहीं देते, तो युद्ध उस स्तर तक पहुंच जाता, जहां कोई भी यह बताने के लिए नहीं बचता कि आखिर क्या हुआ था। ट्रंप की सफाई नोबेल शांति पुरस्कार से चूकने के बाद, अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत और पाकिस्तान के बीच हुए सैन्य संघर्ष समेत आठ युद्धों को सुलझाने का दावा किया है। उन्होंने कहा कि उन्होंने यह नोबेल पुरस्कार के लिए नहीं किया। ट्रंप अब तक भारत और पाकिस्तान के बीच हुए संघर्ष समेत सात युद्धों को सुलझाने का दावा करते रहे हैं। हालांकि, अब उन्होंने इजराइल-गाजा संघर्ष को जोड़कर यह संख्या आठ कर दी है।

रविवार को अपने एयर फोर्स वन विमान में पत्रकारों से बातचीत में ट्रंप ने पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच संघर्ष को सुलझाने की योजना का भी संकेत दिया। ट्रंप ने कहा, यह मेरा आठवां युद्ध होगा जिसे मैंने सुलझाया है, और मैंने सुना है कि अब पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच युद्ध चल रहा है। मैंने कहा, मुझे वापस आने तक इंतजार करना होगा। मैं एक और युद्ध रोक रहा हूं। क्योंकि मैं युद्ध सुलझाने में माहिर हूं। मैं शांति स्थापित करने में माहिर हूं। नोबेल विजेता पर भड़का वाइट हाउस वाइट हाउस ने शुक्रवार को नोबेल शांति पुरस्कार समिति की आलोचना करते हुए उस पर वैश्विक शांति में ट्रंप के योगदान को नजरअंदाज करने का आरोप लगाया। वाइट हाउस के संचार निदेशक स्टीवन चेउंग ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, नोबेल समिति ने साबित कर दिया है कि वे राजनीति को शांति से अधिक प्राथमिकता देते हैं। यह बात वेनेजुएला की विपक्षी नेता मारिया कोरिना मचाडो को 2025 के नोबेल शांति पुरस्कार का विजेता घोषित किए जाने के कुछ घंटों बाद कही गई।

पाकिस्तानी रक्षामंत्री बोले- अफगानिस्तान के साथ दुश्मनी भरा माहौल

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने चेतावनी दी है कि अफगानिस्तान के साथ दुश्मनी भरा माहौल है। इस्लामाबाद और काबुल में किसी भी वक्त संघर्ष शुरू हो सकता है। उन्होंने कहा कि फिलहाल दोनों देशों में कोई झड़प नहीं हो रही है, लेकिन दोनों देशों के बीच संबंध ठंड पड़ गए हैं। आसिफ ने आगे कहा, संघर्ष की संभावना को नकारा नहीं जा सकता। अगर अफगानिस्तान धमकी देता है, तो हमें तुरंत प्रतिक्रिया देने का अधिकार है। दरअसल 9 अक्टूबर को अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तानके ठिकानों पर हवाई हमले हुए थे। तालिबान का कहना था कि ये हमले पाकिस्तान ने किए थे। इसके जवाब में अफगानिस्तान ने 11 अक्टूबर को देर रात पाकिस्तान की 25 सैन्य चौकियों पर हमला कर दिया था। सोमवार को बॉर्डर पर दोनों देशों की सेनाएं अलर्ट पर रहीं। इस दौरान दोनों देशों के बीच व्यापार और यात्रियों का आना-जाना बंद रहा। अफगानिस्तान का दावा- 58 पाकिस्तानी सैनिकों को मारा अफगानिस्तान ने दावा किया कि उसकी सेना ने शनिवार रात (11 अक्टूबर) को पाकिस्तान सीमा पर हुई झड़प में 58 पाकिस्तानी सैनिकों को मार गिराया। तालिबान सरकार के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने बताया कि अफगान सुरक्षा बलों ने पाकिस्तान की 25 सैन्य चौकियां कब्जे में ले लीं। इसके जवाब में पाकिस्तानी सेना ने कहा कि उसके सिर्फ 25 सैनिक मारे गए, जबकि उसने 200 तालिबानी लड़ाकों को ढेर कर दिया। अफगानिस्तान ने पाकिस्तानआर्मी चीफ और रक्षा मंत्री को वीजा नहीं दिया, 3 बार अर्जी खारिज की अफगानिस्तान ने पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ, आईएसआई प्रमुख असीम मलिक और 2 अन्य जनरलों को वीसा देने से इनकार कर दिया है। टोलो न्यूज ने सूत्रों के हवाले से बताया है कि पिछले 3 दिनों में वीसा अर्जी 3 बार खारिज की गई है। पाकिस्तानी सेना ने स्वीकार किया है कि सीमा पर संघर्ष में उसके 23 सैनिक और 200 तालिबानी मारे गए हैं। तालिबान सरकार के प्रवक्ता ने दावा किया कि 58 पाक सैनिक मारे गए और 30 घायल हुए हैं। वहीं, अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रम्प ने पाक-अफगान संघर्ष में मध्यस्थता की पेशकश की है। उधर, भारत के दौरे पर आए अफगान विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी ने सोमवार को कहा कि अफगानिस्तान ने पाकिस्तान के खिलाफ सीमा संघर्ष में अपना उद्देश्य प्राप्त कर लिया है।

तुर्किये के राष्ट्रपति एर्दोगन ने इटली की पीएम मेलोनी से कहा- स्मोकिंग छोड़ दो; गाजा पीस समिट में मिले

वाशिंगटन, एजेंसी। तुर्किये के राष्ट्रपति राष्ट्रपति रेचप तैयप एर्दोगन ने इटली की पीएम जॉर्जिया मेलोनी से स्मोकिंग छोड़ने के लिए कहा है। दोनों नेताओं ने सोमवार को मिस्र में गाजा पीस समिट में मुलाकात की। इस दौरान एर्दोगन ने कहा, मैंने आपको हवाई जहाज से उतरते देखा। आप शानदार लग रही हैं, लेकिन मुझे आपको स्मोकिंग छोड़वाना होगी। इस पर फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने हंसते हुए कहा कि यह असंभव है। मेलोनी ने हल्के-फुल्के अंदाज में जवाब दिया, मुझे पता है, लेकिन मैं किसी को मारना नहीं चाहती। उन्होंने बताया कि स्मोकिंग छोड़ने से उनकी सामाजिकता कम हो सकती है। मेलोनी ने एक किताब में स्वीकार किया था।

स्पेसएक्स ने 40 माले की इमारत के बराबर रॉकेट का सफल परीक्षण किया, 11वीं उड़ान में हासिल की यह खासियत

वाशिंगटन , एजेंसी। दुनिया के सबसे अमीर कारोबारी एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स ने फिर बड़ा कारनामा किया है। सबसे ताकतवर रॉकेट स्टारशिप का 11वां टेस्ट सफल रहा। मंगलवार (14 अक्टूबर) को सुबह 5ः00 बजे टेक्सास के बोका चिका से स्टारशिप की सफल लॉन्चिंग की गई। स्टारशिप की हिंद महासागर में लैंडिंग कराई गई। स्टारशिप अब तक का सबसे बड़ा और सबसे शक्तिशाली रॉकेट है। जो कि टेक्सास के दक्षिणी सिरे से आकाश में गर्जना के साथ उड़ा। बूस्टर रॉकेट अलग हो गया और योजना के मुताबिक मेक्सिको की खाड़ी में नियंत्रित रूप से प्रवेश किया, और स्टारशिप हिंद महासागर में उतरने से पहले अंतरिक्ष में उड़ता रहा। 11वें परीक्षण का लाइव वीडियो स्टारशिप रॉकेट को परीक्षण उड़ान के दौरान प्रक्षेपित किया और पिछली बार (10वां टेस्ट) की तरह ही दुनिया के आधे हिस्से का सफलतापूर्वक चक्कर लगाया। बूस्टर ने योजना के अनुसार मेक्सिको की खाड़ी में नियंत्रित प्रवेश किया, और अंतरिक्ष यान हिंद महासागर में उतरने से पहले अंतरिक्ष में घूमता रहा। घटनास्थल से कुछ भी बरामद नहीं हुआ। सुपर हैवी बूस्टर की अमेरिका की खाड़ी में वॉटर लैंडिंग कराई गई, जबकि स्टारशिप की हिंद महासागर में वॉटर लैंडिंग हुई। रिपोर्ट्स के मुताबिक ये टेस्ट 1 घंटे 6 मिनट का था। स्टारशिप अंतरिक्ष यान (ऊपरी हिस्सा) और सुपर हैवी बूस्टर (निचला हिस्सा) को पूरे तौर से स्टारशिप कहा जाता है। जिसका उद्देश्य भविष्य में रॉकेट को उड़ान भरने वाली जगह पर वापस लाने से जुड़े परीक्षण करना था। स्टारशिप की ऊंचाई 403 फीट है। जिसका उपयोग स्पेसएक्स के संस्थापक और सीईओ एलन मस्क मंगल ग्रह पर लोगों को भेजने के लिए करना चाहते हैं। दुनिया का सबसे बड़ा और शक्तिशाली रॉकेट स्पेसएक्स ने अंतरिक्ष यात्रियों को चंद्रमा पर वापस भेजने के अपने प्रयासों में दुनिया के सबसे बड़े और सबसे शक्तिशाली रॉकेट, स्टारशिप का उपयोग करने की योजना बनाई थी। कंपनी ने उन आलोचकों को भी खारिज करने की कोशिश की, जिन्होंने कहा था कि इसकी तकनीक नासा की चंद्र परियोजनाओं को पूरा करने और मनुष्यों को मंगल ग्रह पर ले जाने के मस्क के सपने को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं हो सकती है।

पहले कनाडा, फिर ब्रिटिश पीएम की बेइज्जती; ट्रंप ने मिस्र में इन नेताओं को किया शर्मसार

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को मिस्र के शर्म अल-शेख में आयोजित गाजा शांति सम्मेलन के दौरान कई विश्व नेताओं को अनजाने में या जानबूझकर शर्मिंदा कर दिया। यह घटना तब घटी जब ट्रंप ने इजरायल-हमास युद्ध को समाप्त करने वाले ऐतिहासिक समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए बुलाए गए वैश्विक नेताओं को संबोधित किया। सम्मेलन में कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर सहित दर्जनों देशों के नेता मौजूद थे। ट्रंप के भाषण और उनके व्यवहार ने सोशल मीडिया पर खूब चर्चा छेड़ दी। कई यूजर्स ने इसे ट्रंप का क्लासिक स्टाइल करार दिया। पहले कनाडा के कार्नी- प्रेसिडेंट कहकर हुई गलती, लेकिन जोक में बदल गया ट्रंप ने अपने भाषण की शुरुआत में कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी का जिक्र करते हुए उन्हें मिस्टर प्रेसिडेंट कह दिया, जबकि कार्नी कनाडा के प्रधानमंत्री हैं। यह गलती ट्रंप के वाइट हाउस में कार्नी से हुई हालिया मुलाकातों के संदर्भ में और भी मजेदार लगी, जहां ट्रंप ने कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बनाने की धमकी दी थी। कार्नी ने तुरंत मंच पर हल्के-फुल्के अंदाज में जवाब दिया, आपने मुझे अपग्रेड कर दिया, सर! ट्रंप ने हंसते हुए कहा, ओह, क्या मैंने ऐसा कहा? कम से कम मैंने गवर्नर तो नहीं कहा। दोनों नेताओं के बीच यह आदान-प्रदान कैमरों में कैद हो गया और कार्नी के पीछे खड़े ब्रिटिश पीएम स्टार्मर ने नर्वस स्माइल के साथ तालियां बजाते दिखे। यह घटना ट्रंप-कार्नी संबंधों की पृष्ठभूमि में देखी जा रही है। 7 अक्टूबर को वाइट हाउस में हुई मुलाकात के दौरान ट्रंप ने कनाडा पर लगे भारी टैरिफ को लेकर सख्त रुख अपनाया था। कार्नी पूर्व केंद्रीय बैंक गवर्नर रह चुके हैं। उन्होंने ट्रंप की चापलूसी की कोशिश की थी, लेकिन ट्रंप ने कोई रियायत नहीं दी। ब्रिटिश पीएम स्टार्मर की बेइज्जती- मंच पर बुलाया, लेकिन बोलने न दिया कार्नी के साथ जोक के ठीक बाद ट्रंप ने मंच पर खड़े नेताओं को संबोधित करते हुए कहा, मैंने आप सबको इतने सालों से जाना है। तभी उन्होंने ब्रिटिश पीएम कीर स्टार्मर की ओर इशारा किया और कहा, कीर, आपका क्या? आइए, बोलिए! स्टार्मर ने समझा कि उन्हें बोलने के लिए बुलाया गया है, इसलिए वे उत्साहित होकर मंच के आगे बढ़े। लेकिन ट्रंप ने उन्हें रोकते हुए कहा, नहीं-नहीं, बस थोड़ा इंतजार कीजिए। आपकी बारी बाद में। स्टार्मर असहज दिखे, चारों ओर देखा, फिर धीरे-धीरे पीछे लौटे। कार्नी ने उन्हें हल्के से कंधा थपथपाया, लेकिन स्टार्मर की यह स्क्वाटलिंग (पीछे हटना) वाली हरकत कैमरों में कैद हो गई। डेली मेल की रिपोर्ट के मुताबिक, स्टार्मर ने एक फीकी मुस्कान के साथ स्थिति संभाली, लेकिन सोशल मीडिया पर उन्हें खूब ट्रोल किया गया। एक यूजर ने लिखा, ट्रंप ने स्टार्मर को वर्ल्ड स्टेज पर एपिक तरीके से शर्मिंदा किया। ट्रंप कभी नहीं भूलते! एक अन्य ने कहा, स्टार्मर सोचे होंगे, मैं तो बोलने आया था, लेकिन ट्रंप का जोक बन गए। कई अन्य नेताओं को किया शर्मसार- ऐतिहासिक मध्य पूर्व का उदय भाषण में तंज ट्रंप का भाषण मुख्य रूप से गाजा शांति समझौते पर केंद्रित था, जिसे उन्होंने मध्य पूर्व में ऐतिहासिक सवाना करार दिया। समझौते के तहत इजरायल-हमास के बीच कैदी-बंदी आदान-प्रदान और युद्धविराम पर हस्ताक्षर हुए, जिसमें अमेरिका ने मध्यस्थता की। लेकिन भाषण के दौरान ट्रंप ने कई नेताओं पर तंज कसे। मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फत्ताह अल-सीसी को ट्रंप ने कहा, आपने मिस्र को फिर से महान बनाया, लेकिन मेरी मदद के बिना यह संभव न था। सीसी ने मुस्कुराकर ताली बजाई, लेकिन कुछ विश्लेषकों ने इसे ट्रंप का क्रेडिट चोरी करार दिया। इजरायल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू को ट्रंप ने मेरा पुराना दोस्त कहा, लेकिन ये भी कहा कि तुम्हें मेरी सलाह माननी चाहिए थी, वरना यह युद्ध इतना लंबा न चलता। सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान को ट्रंप ने मिडिल ईस्ट का असली बॉस कहा, लेकिन तंज कसते हुए बोले, तुम्हारे पैसे से यह डील हुई, लेकिन मेरा दिमाग था। भारत के सवाल पर असहज दिखे शहबाज शरीफ इस दौरान ट्रंप ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री से कुछ ऐसा पूछ लिया कि वे खुद असहज दिखे। डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को भारत और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का नाम लिए बिना उनकी प्रशंसा करते हुए कहा, ''भारत महान देश है, जिसका नेतृत्व मेरे बहुत अच्छे मित्र कर रहे हैं।

क्या आप जानते हैं दूध के दांतों से जुड़ी ये बातें

जन्म के छह माह बाद बच्चे का पहला दांत आता है और ढ़ाई साल की उम्र तक बीस दांत आ जाते हैं। सात साल की उम्र में दांत टूटने शुरू होते हैं और बारह साल की उम्र तक दूध सभी दांत टूट जाते हैं। एक साल की उम्र के बाद भी बच्चा मां का दूध पी रहा है तो दांतों में सड़न की तकलीफ होती है। ऐसे में इस समस्या से बचाव के लिए एक साल की उम्र के बाद मां का दूध नहीं पिलाना चाहिए।

छह साल की उम्र में बच्चे की पहली पक्की दाढ़ आ जाती है। जिन बच्चों के दांत टेढ़े मेढ़े आते हैं उनका इलाज नौ साल की उम्र में शुरू हो जाना चाहिए। मायो फंक्शनल टेक्नीक से इसका बेहतर इलाज संभव है। बच्चों का दूध का दांत किसी वजह से अचानक टूट जाए तो डॉक्टर को दिखाना चाहिए। टूटे हुए दांत से दूसरे दांत को संक्रमण होने का खतरा रहता है।

बार-बार मुंह में अंगुली न लगाने दें

बच्चों के जब दांत निकलने लगते हैं तो वे अपनी अंगुली बार-बार मुंह के भीतर ले जाते हैं। बार-बार मुंह में अंगुली ले जाने से दांत में संक्रमण का खतरा बढ़ने के साथ का आकार बदल सकता है। कई बार बच्चे दांत को अंगुली से कसकर दबाते हैं जिससे दांत की बनावट पर फर्क पड़ता है। ऐसे में दांत निकलने पर बच्चों पर ध्यान देना चाहिए और कोशिश करनी चाहिए कि वे बार-बार अंगुली न लगाए। इससे बचाव के लिए रबर की माउथ कैप आती है जिसे लगाया जा सकता है।

बच्चों में हर्पिटीक जिंजिवाइटिस खतरनाक

चार से छह साल की उम्र के बच्चों में हर्पिटीक जिंजिवाइटिस की समस्या भी पाई जाती है। इसमें दांत में तकलीफ की वजह से बच्चे को 104-105 डिग्री तेज बुखार रहता है। बच्चे के होंठ और मसूड़ों पर लाल चकते बनने लगते हैं। भूख लगनी बंद होने के साथ उल्टी, दस्त के साथ मुंह के भीतर छाले बन जाते हैं।

क्यों दूध दांत महत्वपूर्ण हैं

पहले वर्ष के दौरान एक बच्चे के विकास के स्थलों में से एक छोटे सफेद मोती का विस्फोट है। पहला दांत मुंह में टूट जाता है, कहीं छह महीने से एक वर्ष के जीवन के बीच। पूरे सेट को लगभग 20 महीने तक बच्चे के मुंह में जगह पर रखा गया है। यद्यपि पर्णपाती दांत कहा जाता है क्योंकि वे एक निश्चित अवधि के बाद गिर जाते हैं। दूध के अंतिम दांत 12 से 14 वर्ष तक मुंह में रहते हैं।

दूध दांतों के महत्व को रेखांकित करने वाले कुछ बिंदु नीचे सूचीबद्ध हैं। यह महत्व मानता है, कि कई बार, माता-पिता इस धारणा के साथ चोट या क्षय को अनदेखा करते हैं कि ये वैसे भी अस्थायी हैं और बाद में एक नया सेट होगा।

भोजनः दूध दांतों के प्राथमिक कार्यों में से एक चबाने या मास्टिकेशन और पाचन में सहायता करना है। हालांकि, उनके स्थाई समकक्ष के रूप में उतना मजबूत नहीं है। वे चबाने और भोजन को पचाने में एक बड़ी भूमिका निभाते हैं। खराब दांत वाले बच्चे, विशेष रूप से मोलर्स, (गायब या क्षीण) के परिणामस्वरूप गरीब पोषण हो सकता है।

बोलने का विकासः बोलने की क्षमता के विकास में दूध दांत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और बोलने की असामान्यताओं को लोगों में देखा जा सकता है, जिनके पास दूध दांतों का प्रभावी सेट नहीं होता है। उन बच्चों को देखना आम बात है जिनमें दूध सेट में सामने वाले दांत ठीक से तैनात नहीं होते हैं। वहां लिपिंग जैसी बोलने की समस्याएं हो सकती हैं।

सौंदर्यशास्त्रः कहने की जरूरत नहीं है, सफेद, मोटे दांतों का एक अच्छा सेट एक बच्चे की मुस्कुराहट की सुंदरता में जोड़ता है। यह स्वीकृति और आत्मविश्वास के स्तर सहित बच्चे के सामाजिक व्यवहार को बढ़ावा देने में एक प्रमुख भूमिका निभाता है।

अंतरिक्ष रखरखावः दूध के दांत उनके उत्तराधिकारी के लिए आवश्यक स्थान को बनाए रखते हैं और संरक्षित करते हैं। यदि खोया दांत प्रतिस्थापित नहीं किया जाता है, तो स्थान स्थायी व्यक्ति के विस्फोट के लिए पर्याप्त नहीं हो सकता है और यह स्थाई व्यक्ति को विस्फोट से भी रोक सकता है। नतीजा एक रिक्त स्थान हो सकता है। जहां अंतरिक्ष की कमी के कारण मुंह में उत्तराधिकारी के बिना दूध दांत खो जाता है।

या दूध या पर्णपाती दांतों की अच्छी देखभाल

- नियमित भोजन ओरल स्वच्छता दिनचर्या को लागू करें, जिसमें प्रत्येक भोजन या स्नैक्स के बाद धोने, दिन में दो बार ब्रश करना, फ्लॉसिंग और माउथवाश का उपयोग करना शामिल है।
- ओरल प्रोफेलेक्सिस नियमित सफाई के लिए दंत चिकित्सक के लिए एक दोहरी यात्रा। यदि आवश्यक हो तो फ्लोराइड पेस्ट आवेदन के बाद, इससे दंत क्षय की शुरुआत भी कम हो जाएगी। इन यात्राओं के दौरान प्रारंभिक क्षरणों की पहचान की जा सकती है और दर्द की शुरुआत से पहले इलाज किया जा सकता है।
- रासायनिक सीलेंट का उपयोग किया जा सकता है यदि दांतों पर गड्ढे गहरे हैं और आसानी से क्षीण हो सकते हैं।
- इन मोतियों को बनाए रखने के लिए और अधिक जानने के लिए नियमित रूप से अपने दंत चिकित्सक पर जाएं।

रेसिपी

एग बोट

सामग्री

■ हॉट डॉग्स- 4 ■ अंडे- 4 ■ हरी शिमला मिर्च- 1/2 कप (बारीक कटी) ■ लाल शिमला मिर्च- 1 (बारीक कटी) ■ प्याज- 1 (बारीक कटा) ■ धनिया पत्ती- बारीक कटी ■ नमक- स्वादानुसार, काली मिर्च- स्वादानुसार ■ ऑलिव ऑयल मेयोनीज- 4 चम्मच

विधि

ओवन को 18 डिग्री सेल्सियस पर प्रीहीट कर लें। हॉटडॉग बन्स के बीच में खाली जगह बना लें। अब एक बाउल में अंडा तोड़कर डालें। उसमें हरी, लाल शिमला मिर्च, प्याज, धनिया पत्ती, नमक और काली मिर्च डाल अच्छे से फेंटे। अब बन में खाली किए जगह पर ऑलिव ऑयल मेयोनीज लगाएं और इसके ऊपर अंडे वाला मिक्सचर डालें। अब इसे 15-20 मिनट प्रीहीट ओवन में रख बेक करें। तैयार है आपके एग बोट।

पनीर सिगार्स

सामग्री

■ हरे मटर- 1 कप (उबले और मसले हुए) ■ पनीर- 1/2 कप ■ तेल- 2 छोटे चम्मच तलने के लिए ■ हरा प्याज- 1/4 कप (बारीक कटा) ■ हरी मिर्च का पेस्ट- 1 छोटा चम्मच ■ मैदा- 1 बड़ा चम्मच ■ नमक- स्वादानुसार ■ भुना जीरा- 1 छोटा चम्मच
■ प्रोसेस्ड चीज- 1/4 कप (कसा हुआ)

विधि

एक नॉन स्टिक पैन में तेल गरम करें। उसमें हरे प्याज डालकर मध्यम सुनहरा होने तक भुनें। अब अदरक-हरी मिर्च पेस्ट भी डाल दें। इसके बाद इसमें हरी मटर, पनीर, नमक और भूना जीरा डालकर अच्छे से मिलाएं और लगभग 2-3 मिनट तक पकाएं। सबसे बाद में चीज डालें और उसे पूरी तरह पिघलने दें। आंच से उतारकर थोड़ा ठंडा होने के लिए रख दें। एक बाउल में मैदा डालें, उसमें थोडा पानी डालकर गाढा घोल बनाएं। अब समोसा पट्टी के बीच में ये मटर-पनीर का मिक्सचर रखें, उसे रोल का आकार दें। मैदे के घोल से उसे सील करें। एक कढ़ाई में आवश्यकतानुसार तेल गरम करें। फिर गरम तेल में तैयार किए ये रोल डालकर सुनहरा होने तक फ्राई कर लें। हरी चटनी या सॉस के साथ गरमा-गरम सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): किसी से कहासुनी न हो यह ध्यान रहे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-5-8-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। परिवारजनो के सहयोग व समन्वय से काम बनाना आसान रहेगा। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। शुभांक-5-6-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी आर्थिक लाभ हेतु किये गए कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-1-2-5

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। शुभांक-1-8-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। मनोरथ सिद्धि का योग है। सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। शुभांक-5-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। शुभांक-6-8-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-4-5-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। शुभांक-5-6-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। शुभांक-6-7-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। शुभांक-5-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-1-6-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। स्वविवेक से कार्य करे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। शुभांक-3-5-7

काकुरो पहेली - 2618

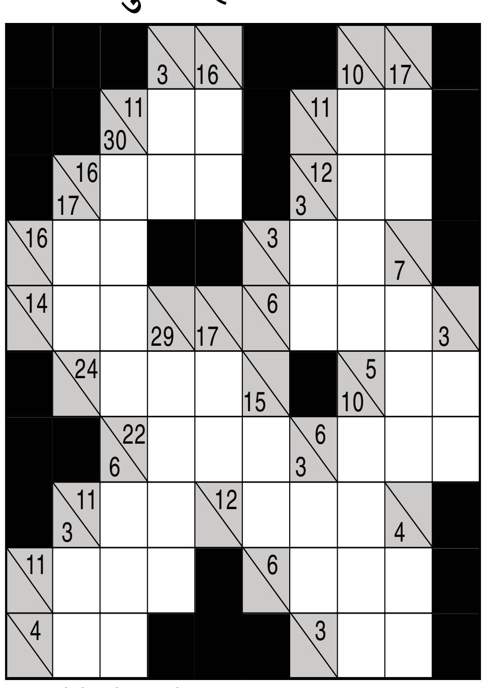

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

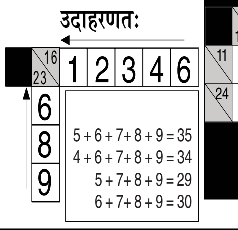

काकुरो - 2617 का हल

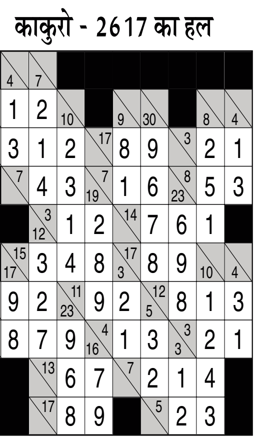

लॉफिंग ज़ोन

रमन (नरेश से)- तुम्हारी पत्नी रोजाना घर में इतनी? खिटपिट करती रहती है। तुम इतना तनावपूर्ण वातावरण को कैसे सह लेते हो?

नरेश (बड़े इत्मीनान से बोला)- दोस्त! ऑफिस एक ऐसा स्थान है, जहाँ आप घर के तनावों से मुक्ति पाकर विश्राम कर सकते हैं। और रोजाना मैं भी वही करता हूँ।

□ □ □

रमन-चमन आपस मे बातें कर रहे थे।

रमन (चमन से)- मेरी पत्नी दूसरी मंजिल से गिर गई।

चमन- क्या वह मर गई?

रमन- नहीं यार, यह तो अच्छा हुआ कि वह बाल-बाल बच गई।

चमन- अरे यार, तुम केवल बालों का क्या करोगे।

□ □ □

रमन (मित्र से)- 'यार तेरा हाथ कैसे फ्रैक्चर हो गया?'

चमन- 'कल मैं तेज मोटरसाइकल चलाकर घर आ रहा था, तभी सामने से एक ट्रक आ गया। मैंने ब्रेक मारा और...।'

रमन- 'उसने तुझे टक्कर मार दी।'

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली - 2618

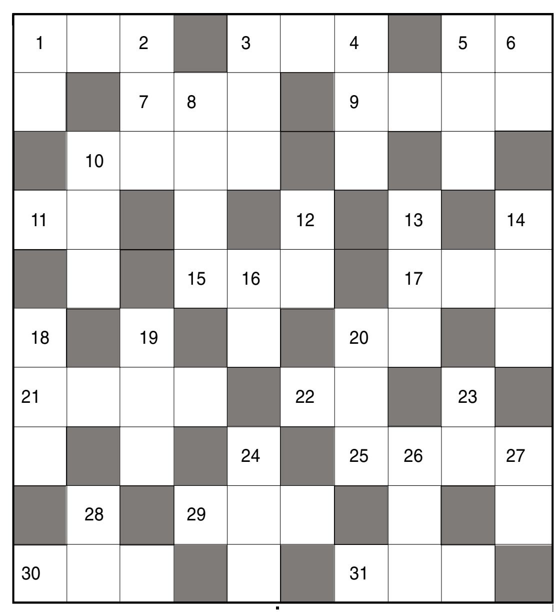

बायें से दायें:-

१. 'अंग्रेजी में कहते हैं' गीत वाली अमिताभ, परवीन की फिल्म-३
३. कुमार गौरव, पूनम की 'माँग लूंगा तुझे' गीत वाली फिल्म-३
५. 'शीशा हो या दिल हो' गीत और नायिका रीना राय वाली फिल्म-२
७. अक्षय, करीना की 'यार बदल ना जाना' गीत वाली फिल्म-३
९. सुनीलदत्त, किशोरकुमार के 'सामने वाली खिड़की में' रहती है-४
१०. करिश्मा, मनीषा की 'रंग दी रंग दी' गीत वाली फिल्म-४
११. नवीन निश्चल, रेखा की 'राज की बात कह' कव्वाली वाली फिल्म-२
१५. 'जिस दिल में बसा था' गीत वाली प्रदीपकुमार की फिल्म-३
१७. सुनील शेट्टी, नम्रता की 'जीना तेरी बाहों में' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'घायल घायल तूने मुझे' गीत वाली मिथुन, श्रीदेवी की फिल्म-२
२१. सुनीलदत्त, माला की 'चलो एक बार फिर से' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'गाये जा गीत मिलन के' गीत वाली दिलीप, नर्गिस की फिल्म-२
२५. संजयदत्त, माधुरी की 'टपका रे टपका' गीत वाली फिल्म-४
२९. 'मैं दुनिया भुला दुंगा' गीत वाली राहुल राय, अनु की फिल्म-३
३०. मिथुन चक्रवर्ती, टीना मुनीम की १९८४ की एक फिल्म-३
३१. 'बाराना दे बाराना' गीत वाली अक्षयकुमार, शिल्पा की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'हाय रे हाय रे' गीत वाली नई फिल्म-२
२. जोहराबाई अंबाले के गीत 'अंखियां मिलाके जिया' गीत वाली फिल्म-३
३. फिल्म 'अनोखी रात' के संगीतकार-३
४. अरविंद स्वामी, प्रभुदेवा, काजोल की १९९७ की एक फिल्म-३
५. 'नींद कभी रहती थी' गीत वाली फिल्म-३
६. अमिताभ बच्चन, शशि कपूर, शत्रु, राखी, परवीन, बिंदिया की अभिनीत फिल्म-२
८. 'मेरे अँगने में तुम्हारा' गीत वाली फिल्म-४
१०. फिरोजखान, हेमा, रेखा की फिल्म-३
१२. 'माई हार्ट इज बीटिंग' गीत वाली विक्रम, लक्ष्मी की फिल्म-२
१३. किशोर कुमार, मधुबाला की 'कोई हमदम ना रहा' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'गोरे गोरे मुखड़े पे काला काला चश्मा' गीत वाली फिल्म-३
१६. फिल्म 'शरीफ बदमाश' में नायिका कौन थी-२
१८. 'तुम रूठ के मत' गीत वाली फिल्म-३
१९. अमिताभ, जया की 'जहाँ चार यार' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'आँखों से तूने ये क्या' गीत वाली फिल्म-३
२३. अमिताभ की 'अरे दीवानों मुझे पहचानो' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'गोरी तेरा नखरा' गीत वाली बॉबी, करिश्मा की फिल्म-३
२६. नायक-निर्माता-निर्देशक अकबर खान, रंजीता, स्मिता की फिल्म-३
२७. अनिल, अक्षय, ऐश्वर्या की सुभाष घई निर्देशित फिल्म-२
२८. 'जाने क्या होगा रामा रे' गीत वाली बहु सितारा फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 2617

सूडोकु -2618

			2				3	
		9		8		2	6	4
1				3	6		9	
4		3						
	8			2			1	
						8		6
	4		7	5				3
3	7	5		4		1		
	2				8			

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2617 का हल

8	4	5	6	1	3	7	2	9
7	2	6	4	9	5	3	8	1
9	3	1	7	8	2	6	5	4
1	7	2	9	6	8	4	3	5
5	6	9	3	2	4	1	7	8
4	8	3	5	7	1	9	6	2
2	9	7	1	5	6	8	4	3
3	1	8	2	4	7	5	9	6
6	5	4	8	3	9	2	1	7

शब्द पहेली - 2618

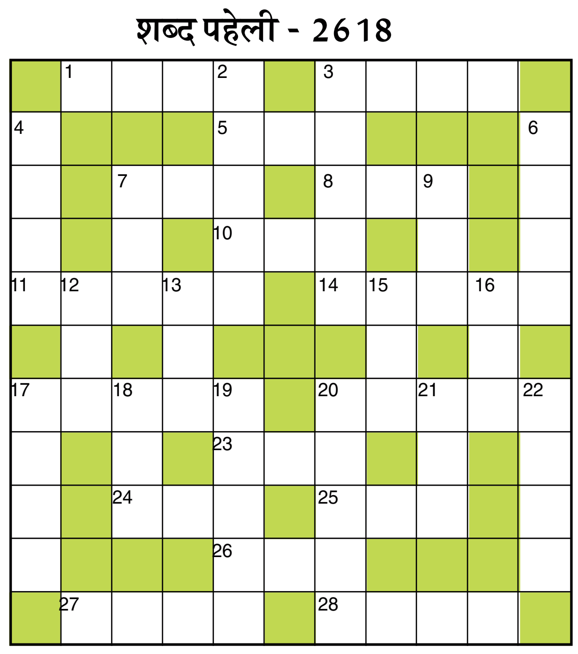

बाएँ से दाएँ

1.छुट्टी,रजा-4
3.वध,आघात-4
5.दशानन-3
7.अनमोल,अनूठा-3
8.अनाथ,बेसहारा-3
10.खजूर-3
11.रहम करना-2,3
14.गहराई नापना-2,3
17.लगातार,सतत-5
20.संतुष्ट होना-2,3
23.बीच में,दौरान-3
24.खुश,आनंदित-3
25.शिक्षा-3
26.शोक-3
27.जांचना,परखना-4
28.धार्मिक विधि का आयोजन करने वाला-4

ऊपर से नीचे

2.मयखाना,मधुशाला-5
3.प्रेमकहानी-5
4.चापलूसी-4
6.नटना,वचन तोड़ना-4
7.फिजूल,व्यर्थ-3
9.अव्यवस्थित समूह,भीड़-3
12.गुजर करना-3
13.वेग,गति-3
15.खूबसूरत-3
16.पर्वतीय मैदान, समतल पर्वत-3
17.गुजारिश,मांग-4
18.सुअर-3
19.गुस्सा होना-5
20.ममतापूर्ण-5
22.अयोग्य, असंगत-4

शब्द पहेली - 2617 का हल

उत्तर रेलवे में 15-16 अक्टूबर को मध्यरात्रि में बुकिंग सेवाएं रहेंगी बंद

एजेंसी

नई दिल्ली। उत्तर रेलवे ने यात्रियों को सूचित किया है कि नई पीआरएस (यात्री आरक्षण प्रणाली) प्रणाली के एकीकरण कार्य के चलते 15 और 16 अक्टूबर को मध्यरात्रि में कुछ घंटों के लिए टिकट बुकिंग सेवाएं अस्थायी रूप से बंद रहेंगी। रेल सूचना प्रणाली केंद्र (क्रिस) ने यह गतिविधि 14-15 अक्टूबर और 15-16 अक्टूबर की मध्यरात्रि के दौरान निर्धारित की है। इस दौरान नई पीआरएस बुकिंग काउंटर सेवाएं उपलब्ध नहीं रहेंगी। उत्तर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु शेखर उपाध्याय के अनुसार, पहली निर्धारित डाउनटाइम अवधि 15 अक्टूबर को रात 00:15 बजे से 2:15 बजे तक (2 घंटे) और दूसरी अवधि 16 अक्टूबर को रात 00:15 बजे से 1:00 बजे तक (45 मिनट) की होगी। इस अवधि के दौरान नई पीआरएस से टिकट बुकिंग, रद्दीकरण या किसी भी प्रकार का लेनदेन संभव नहीं होगा। रेलवे ने यात्रियों से अनुरोध किया है कि वे इन समयों में टिकट बुकिंग की योजना न बनाएं और असुविधा से बचने के लिए अग्रिम रूप से टिकट बुक करा लें।

दीपावली व छठ पर्व पर चलेंगी अतिरिक्त बसें, हर यात्री की यात्रा होगी सुरक्षित और सुगम

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर उत्तर प्रदेश सरकार ने दीपावली, भैयादूज और छठ जैसे प्रमुख पर्वों पर प्रदेशवासियों की सुरक्षित एवं सुगम यात्रा सुनिश्चित करने के लिए व्यापक तैयारी शुरू कर दी है। प्रदेश में 18 अक्टूबर से 30 अक्टूबर 2025 तक प्रोत्साहन अवधि घोषित करते हुए अधिकारियों को अधिकतम बस संचालन और यात्रियों की सुविधा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने कहा कि पर्वों पर यात्रियों की भारी भीड़ को ध्यान में रखते हुए दिल्ली से पूर्वी उत्तर प्रदेश के यात्रियों के लिए लखनऊ, गोरखपुर, वाराणसी, अयोध्या, कानपुर सहित प्रमुख मार्गों पर अतिरिक्त बसें चलाई जाएंगी। इसके अलावा गाजियाबाद, मेरठ, मुरादाबाद, बरेली, सहारनपुर, आगरा, अलीगढ़ और इटावा के लिए भी बसों की संख्या बढ़ाई जाएगी। उन्होंने कहा कि छठ पर्व के दौरान पूर्वांचल के लाखों लोगों का घर वापसी सफर बिना किसी असुविधा के पूरा हो, यह सरकार की प्राथमिकता है। परिवहन मंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिए कि इस अवधि में सभी निगम बसें शत-प्रतिशत ऑनरोड रहें। उन्होंने कहा कि किसी भी दशा में अनफिट बसों का संचालन नहीं किया जाएगा। बसों की असेम्बली, स्पेयर पार्ट्स और आवश्यक उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के आदेश दिए गए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि यात्रियों की सुविधा के लिए बस स्टेशनों पर साफ-सफाई, पीने के पानी, बैठने की व्यवस्था, डिजिटल समय सारिणी और सहायता केंद्रों की व्यवस्था की जाए।

देश के लिए कार्य करना सभी का धर्म, इसी भावना से कार्य करे नई पीढ़ी : स्वांत रंजन

जौनपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय प्रचारक प्रमुख स्वांत रंजन ने कहा कि महामना मदन मोहन मालवीय ने अपने विद्यार्थियों को सदैव सत्य, ब्रह्मचर्य, व्यायाम, विद्या, आत्मत्याग और देशभक्ति जैसे गुणों की शिक्षा देने की बात की थी। यह गुण भारतीय ज्ञान परम्परा की आत्मा है और चरित्र निर्माण के लिए अनिवार्य है। अखिल भारतीय प्रचारक प्रमुख स्वांत रंजन यहां वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के महंत अवेद्यनाथ भवन में आयोजित एक संगोष्ठी कोसंबोधित कर रहे थे। इस संगोष्ठी का आयोजन विश्वविद्यालय एवं अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के संयुक्त तत्वावधान में हुई। जिसमें 'भारतीय ज्ञान परम्परा' विषय पर वक्ताओं ने भारतीय ज्ञान परम्परा के विविध आयामों–शिक्षा, विज्ञान, संस्कृति और नैतिकता पर विस्तारपूर्वक विचार व्यक्त किए। प्रचारक प्रमुख स्वांत रंजन ने क्रांतिकारी पंडित राम प्रसाद 'बिस्मिल' का उल्लेख करते हुए कहा कि देश के लिए कार्य करना प्रत्येक नागरिक का धर्म है और नई पीढ़ी को भी इसी भावना से प्रेरित होना चाहिए। उन्होंने कहा कि महामना मदन मोहन मालवीय ने विद्यार्थियों को सत्य, ब्रह्मचर्य, व्यायाम, विद्या, आत्मत्याग और देशभक्ति जैसे गुणों की शिक्षा देने की बात की थी। यह गुण भारतीय ज्ञान परम्परा की आत्मा है और चरित्र निर्माण के लिए अनिवार्य है।

जिलाधिकारी ने विकास कार्यों की समीक्षा की, अधिकारियों को दीं जरूरी हिदायतें

वाराणसी। जिलाधिकारी सत्येन्द्र कुमार की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में विकास कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में शासन की महत्वपूर्ण योजनाओं, मुख्यमंत्री की प्राथमिकता वाले कार्यक्रमों और सीएम डैशबोर्ड पर दर्ज प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिया कि विकास कार्यों की गति तेज की जाए और शासन की योजनाओं का लाभ पात्र लाभार्थियों को प्राथमिकता के आधार पर उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने कहा कि कोई भी पात्र व्यक्ति सरकार की लाभकारी योजनाओं से वंचित नहीं रहना चाहिए। डीएम ने सभी विभागों को निर्देशित किया कि पात्र लाभार्थियों का सत्यापन कर उनके फैमिली पहचान पत्र बनवाए जाएं, ताकि योजनाओं का सीधा लाभ सही व्यक्ति तक पहुंच सके। सेतु निर्माण की प्रगति पर जानकारी लेते हुए जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सेतु निर्माण में यदि कोई समस्या आती है तो उसे तत्काल उनके संज्ञान में लाया जाए, ताकि समय रहते समाधान सुनिश्चित किया जा सके और कार्य निर्धारित समय सीमा में पूरा हो।उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना, मुख्यमंत्री आवास योजना, जल जीवन मिशन, सड़कों के निर्माण कार्य सहित विभिन्न विभागीय योजनाओं की समीक्षा की और प्रगति रिपोर्ट मांगी।बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि सभी अधिकारी अपने-अपने विभागों की योजनाओं की नियमित समीक्षा करें और अपने स्टाफ के साथ समन्वय बनाकर समय सीमा के भीतर कार्य पूरा करें।

सरदार वल्लभभाई पटेल के विचारों को जन-जन तक पहुंचाना होगा: अरुण सिंह

एजेंसी

भोपाल। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह ने कहा कि सरदार वल्लभ भाई पटेल ने ही एक भारत, श्रेष्ठ भारत का सपना देखा था। स्वतंत्रता के पश्चात जब देश अनेक रियासतों में बंटा हुआ था, तब सरदार पटेल ने अद्वितीय नेतृत्व, अदम्य साहस और दूरदर्शिता का परिचय देते हुए भारत को एकजुट करने का कार्य किया। उन्होंने 'खंड-खंड भारत नहीं, एक भारत' की भावना को साकार किया और हमें वह एकता दी, जो आज हमारी पहचान और गर्व का विषय है। सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर उनके विचारों को जन-जन तक पहुंचाना होगा। भाजपा महासचिव अरुण सिंह भोपाल में पार्टी के प्रदेश कार्यालय में सरदार@150 यूनिटी मार्च एक भारत, आत्मनिर्भर भारत

कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज हम यहाँ ÷लौह पुरुष÷ सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर एकत्र हुए हैं, ताकि उनके विचारों और योगदान को जन-जन तक पहुँचाया जा सके। मुझे पूरा विश्वास है कि भाजपा के कार्यकर्ता, देश का प्रत्येक युवा, मिलकर उस भारत के निर्माण में भागीदार बन सकता है, जिसका सपना सरदार वल्लभभाई पटेल ने देखा था। इस अभियान का सबसे महत्वपूर्ण चरण 26 नवंबर, संविधान दिवस से आरंभ होगा। गुजरात स्थित सरदार पटेल के जन्म स्थान करमसद से यूनिटी मार्च शुरू किया जाएगा, जो लगभग 152 किलोमीटर की पदयात्रा करते हुए केवड़िया पहुंचेगा। उन्होंने कहा कि इस पदयात्रा में देश के विभिन्न जिलों से चुने गए पांच-पांच युवा प्रतिनिधि भाग लेंगे। अगले दो महीनों तक देशभर में सरदार पटेल के विचारों और योगदान पर केंद्रित गतिविधियाँ आयोजित की जाएंगी, जिससे युवाओं में उनके विचारों को जानने और उनके पदचिन्हों पर चलने की प्रेरणा जागृत होगी। यही उनके प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी। अभियान का दूसरा चरण 31 अक्टूबर से 25 नवंबर के बीच आयोजित होगा, जिसमें जिला स्तर पर पदयात्राएं की जाएंगी। इन यात्राओं में योग एवं स्वास्थ्य शिविर, व्याख्यान, वाद-विवाद प्रतियोगिताएं, और नशा मुक्त भारत का संकल्प शामिल होगा। भाजपा महासचिव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देने के लिए प्रदर्शनियाँ, स्वच्छता अभियान तथा अन्य जनजागरूकता गतिविधियां भी पदयात्रा के रूट पर आयोजित की जाएंगी।

विंडर्जी इंडिया सम्मेलन 29 अक्टूबर से चेन्नई में होगा आयोजित

एजेंसी

नई दिल्ली। देश का प्रमुख अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला और सम्मेलन 'विंडर्जी इंडिया 2025' का सातवां संस्करण 29 से 31 अक्टूबर तक चेन्नई ट्रेड सेंटर में आयोजित किया जाएगा। इसका उद्घाटन केंद्रीय नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रह्लाद जोशी करेंगे। उद्घाटन सत्र में केंद्रीय राज्यमंत्री श्रीपद येसो नाइक भी मौजूद रहेंगे। इंडियन विंड टरबाइन मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (आईडब्ल्यूटीएमए) के सीईओ आदित्य प्यासी ने यहां आयोजित पत्रकार वार्ता में बताया कि यह आयोजन सिर्फ व्यापार मेला नहीं बल्कि भारत के पवन ऊर्जा क्षेत्र के भविष्य की नींव रखने का महत्वपूर्ण अवसर है। इसका उद्देश्य नीति निर्माताओं और उद्योग के बीच सीधा संवाद स्थापित करना है।

जेडएफ ग्रुप इंडिया के अध्यक्ष आकाश पास्सी ने कहा कि उनकी कंपनी विश्व के लिए पवन टरबाइन कलपुर्जे बनाती है और वर्तमान में 80 फीसदी से अधिक उत्पादन विदेशों में निर्यात करती है लेकिन सरकार की पवन ऊर्जा को बढ़ावा देने वाली नीतियों के चलते अगले साल 40 फीसदी उत्पादन घरेलू बाजार में इस्तेमाल होगा। विंडर रिन्यूएबल एनर्जी के सीईओ के. भारती ने कहा कि यह क्षेत्र सरकार और उद्योग के सहयोग से तेजी से बढ़ रहा है और निर्माण से लेकर संचालन तक हर स्तर पर कौशल और गुणवत्ता पर जोर देना आवश्यक है। इस सम्मेलन में 20 से अधिक देशों के 350 से ज्यादा प्रदर्शक भाग लेंगे और लगभग 15 हजार लोगों के आने की संभावना है। डेनमार्क, जर्मनी और स्पेन जैसे पवन ऊर्जा के अग्रणी देशों के राष्ट्रीय पवेलियन भी इसमें शामिल होंगे। इस साल विषय 'विंड पावर: आत्मनिर्भरता की ओर नीतियां और साझेदारियां' है, जो भारत की नवीकरणीय ऊर्जा महत्वाकांक्षाओं को साकार करने पर केंद्रित है।

मप्र में लोकायुक्त की बड़ी कार्रवाई, सेवानिवृत्त आबकारी अधिकारी के 8 ठिकानों पर छापा

एजेंसी

इंदौर। मध्य प्रदेश लोकायुक्त की टीम ने बुधवार को गोपनीय शिकायत के आधार पर सेवानिवृत्त आबकारी अधिकारी धर्मेंद्र सिंह भदौरिया के 8 ठिकानों पर छापेमारी की। इनमें से 7 ठिकाने इंदौर और एक ठिकाना ग्वालियर में है। इंदौर में कैलाश कुंज, बिजनेस स्काई पार्क सहित सात और ग्वालियर में इंद्रमणि नगर स्थित घर पर सर्चिंग की जा रही है। लोकायुक्त की टीम बुधवार सुबह सबसे पहले इंदौर के पलासिया स्थित फ्लैट पर पहुंची और सर्चिंग शुरू की। टीम ने फ्लैट में रखे दस्तावेजों की जांच शुरू की और लाखों रुपये नगद, महंगे आभूषण, विदेशी मुद्रा और लाइसेंसी हथियार जब्त किए। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, इंदौर स्थित फ्लैट की संपत्ति की कीमत ही 7 से 8 करोड़ रुपये बताई जा रही है। इसी दौरान लोकायुक्त की टीम ग्वालियर के विवेक नगर स्थित धर्मेंद्र सिंह भदौरिया के निवास पर भी पहुंची। यहां दस्तावेजों और संपत्ति की जांच की जा रही है। लोकायुक्त की यह कार्रवाई भदौरिया के कुल 8 ठिकानों पर एक साथ की जा रही है। हर ठिकाने पर टीम दस्तावेजों, बैंक खातों और घर में रखी संपत्ति की बारीकी से जांच कर रही है। जांच में जुटे लोकायुक्त अधिकारियों ने बताया कि विभिन्न बैंकों में उनके पांच लाकर

निकले हैं। इसके साथ ही उनके कई बैंकों में खाते भी पाए गए हैं। उनके पास में बड़ी संख्या में गाड़ियां भी पाई गई है। इनकी जांच की जा रही कि इनमें से कौन सी गाड़ी किसके नाम पर है। भदोरिया के द्वारा काउंटी बाग में 4700 स्क्वायर फीट क्षेत्र में आलीशान बंगला बनाने का काम किया जा रहा था। मनोरमा गंज में उनके पास में तीन बेडरूम हॉल किचन का आलीशान फ्लैट हैं। इसके साथ ही उनके घर की तलाशी के दौरान 500 यूरो के 10 नोट मिले हैं। इस तरह से उनके पास में 5000 यूरो भी पाए गए हैं। धर्मेंद्र सिंह भदौरिया 1987 में आबकारी विभाग में उपनिरीक्षक के पद पर भर्ती हुए थे। वे अगस्त 2025 को अलीराजपुर के जिला आबकारी अधिकारी के पद से सेवानिवृत हुए थे। इससे पहले 2020 में शराब ठेकों की नीलामी में लापरवाही के चलते उनको निलंबित किया गया था। नीलामी समय पर नहीं होने के कारण उनके खिलाफ यह कार्रवाई की गई थी। जांच में सामने आया है कि उनके बेटे सूर्यांश भदौरिया फिल्मों में निवेश करते थे।

केंद्रीय कृषि मंत्री चौहान ने किया लुधियाना में भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान भवन का लोकार्पण

एजेंसी

चंडीगढ़। केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने लुधियाना (पंजाब) स्थित भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान के प्रशासनिक-सह-प्रयोगशाला भवन का लोकार्पण किया। उन्होंने यहां मक्का उत्पादक किसानों व केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय की योजनाओं के लाभार्थियों तथा महिला स्वयं सहायता समूहों की दीदियों से संवाद भी किया। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह ने लोकार्पण अवसर पर कहा कि मक्का उत्पादन बढ़े और हमारा मक्का दुनिया में धूम मचाए, इसके लिए हम मक्के की नई, उन्नत व उच्च उत्पादक किस्में विकसित कर रहे हैं। शिवराज सिंह ने कहा कि हम मक्के का उत्पादन और कैसे बढ़ा सकते हैं, इसके लिए हम कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। शिवराज सिंह ने कहा कि गेहूं व धान के बाद तीसरी सबसे बड़ी फसल मक्का है, जिसका उपयोग भोजन के अलावा कई अन्य कार्यों में भी किया जा सकता है। केंद्र सरकार ने पंजाब में फसलों के नुकसान की भरपाई के लिए गेहूं के बीज की मुफ्त आपूर्ति के लिए 74 करोड़ रुपये जारी किए हैं और सरसों सहित अन्य बीजों के लिए भी राशि मंजूर की गई है।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत पंजाब के 11.09 लाख किसानों के खातों में 222 करोड़ रु. एडवांस जमा कराए जा चुके हैं। बागवानी क्षेत्र में हुए नुकसान की भरपाई के लिए एमआईडीएच योजना से सहायता भेजी जाएगी। शिवराज सिंह ने कहा कि केंद्र सरकार, पंजाब की मदद के लिए हमेशा तैयार है।

केंद्रीय मंत्री चौहान ने कहा कि केंद्र सरकार ने पंजाब में बाढ़ के कारण क्षतिग्रस्त 36,703 घरों के पुनर्निर्माण के लिए प्रति परिवार 1.60 लाख रुपये स्वीकृत किए हैं, जिनमें से 1.20 लाख रुपये मकान निर्माण और 40 हजार रुपये मजदूरी व शौचालय निर्माण के लिए हैं। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास होना चाहिए कि हम अपने देश में बनी वस्तुएं ही खरीदें। इससे स्थानीय कारीगरों को लाभ होगा, देश का पैसा देश में ही रहेगा और देश आर्थिक रूप से और समृद्ध होगा। हमें अपने देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाना है, इसलिए अपने देश में बनी स्वदेशी वस्तुएं ही खरीदें।

किशोर कुमार गीतों को जीते थे और उनका अलग ही अंदाज था : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रख्यात पार्श्व गायक और अभिनेता किशोर कुमार असाधारण कलाकार थे। वे गीतों को गाते नहीं थे, बल्कि गीतों को जीते थे। पूरा समय मस्ती में रहते थे। ऐसे हरफनमौला कलाकार थे, जिसका अलग ही अंदाज था। मुख्यमंत्री ने घोषणा करते हुए कहा कि उनकी स्मृति में मध्य प्रदेश सरकार प्रतिवर्ष दो दिन का समारोह आयोजित करेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रात्रि भोपाल स्थित अपने निवास से वर्चुअल रूप से जुड़कर प्रख्यात पार्श्व गायक और अभिनेता किशोर कुमार की स्मृति में उनकी जन्मस्थली खण्डवा में हुए दो दिवसीय राष्ट्रीय किशोर कुमार सम्मामन अलंकरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर प्रख्यात गीतकार प्रसून जोशी को किशोर कुमार सम्मान अलंकरण प्रदान किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने

राष्ट्रीय किशोर कुमार सम्मान से प्रसून जोशी को अलंकृत किए जाने पर बधाई देते हुए कहा कि जोशी ने अपनी कलम का जादू दिखाया है। उनके लिखे विज्ञापन के जिंगल्स भी लोकप्रिय हुए हैं। भगवान राम, भगवान श्रीकृष्ण और मां पर जोशी जी के गीतों और कविताओं को बहुत पसंद किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि खण्डवा किशोर कुमार की जन्मभूमि के साथ ही दादा माखनलाल चतुर्वेदी की कर्मभूमि रही है। यहां दादा धूनीवाले का आशीर्वाद है। इसके साथ ही ओंकारेश्वर धाम भी खण्डवा जिले में है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किशार कुमार के व्यक्तित्व और कृतित्व का विस्तार से उल्लेख किया। विशेष रूप से इंदौर के कॉलेज में अध्ययन के दौरान घटित विशेष प्रसंगों को गीतों और अभिनय में शामिल करने, पड़ोसन और चलती का नाम गाड़ी जैसी फिल्मों में गायन और अभिनय के प्रभावशाली अंदाज, फक्कड़ स्वभाव और अपने बड़े भाई अशोक कुमार के साथ प्रगाढ़ संबंध का उल्लेख किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किशोर कुमार के गाए गीत जिंदगी एक सफर है सुहाना..... की पंक्तियां गाकर किशोर कुमार को याद किया और उनकी पुण्य तिथि पर श्रद्धांजलि दी। गीतकार प्रसून जोशी ने प्राप्त सम्मान के लिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव और मध्य प्रदेश सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया। समारोह में प्रसून जोशी ने कहा कि किशोर दा की हंसी हमेशा गूंजती रहेगी।

बिहार विधानसभा चुनाव: हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा ने जारी की छह उम्मीदवारों की सूची

एजेंसी

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा (हम) ने छह (06) उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी है, जिसमें 2 महिलाएं शामिल हैं। इमामगंज से दीपा कुमारी (मांझी की बहू) को टिकट दिया गया है। चार मौजूदा विधायकों को दोबारा मौदान में उतारा गया है, जबकि अतरी और कुटुंबा विधानसभा क्षेत्र से नए चेहरों को मौका दिया गया है। हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा प्रमुख जीतन राम मांझी ने खुद टिकट बंटवारे की घोषणा करते हुए विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों के लिए उम्मीदवारों के नामों का ऐलान किया। सूची में कई महत्वपूर्ण और हाई-प्रोफाइल सीटें शामिल हैं।

हम पार्टी के प्रत्याशियों की सूची और उनके विधानसभा क्षेत्रों के नाम

ज्योति देवी- बाराचट्टी
दीपा मांझी- इमामगंज
रोमित कुमार- अतरी
प्रफुल्ल मांझी-सिकंदरा
ललन कुमार- कुटुंबा
अनिल सिंह- टिकारी

जानकारों का ऐसा मानना है कि हम ने यह सूची जारी कर उन सीटों पर

अपनी स्थिति स्पष्ट कर दी है, जहां पार्टी मजबूती से चुनाव लड़ना चाहती है। यह ऐलान बिहार के चुनावी माहौल में एक नई गर्मी लाएगा और इन सीटों पर अब मुकाबला और भी रोचक होने की संभावना है।

भविष्य में भारतीय मानक बनेंगे वैश्विक मानक: अनुराग ठाकुर

एजेंसी

सोलन पूर्व केंद्रीय मंत्री और हमीरपुर से सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने ज़िला सोलन के परवाणू स्थित भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) कार्यालय में आयोजित विश्व मानक दिवस कार्यक्रम में भाग लिया और भारत के मानक पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के लिए एक व्यावहारिक पांच सूत्रीय एजेंडा प्रस्तुत किया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शून्य दोष, शून्य प्रभाव विज़न को दोहराते हुए कहा कि भारत अब गुणवत्ता को विशेषाधिकार नहीं, बल्कि अधिकार मानता है। अनुराग ठाकुर ने कहा कि 2014 से पहले देश में केवल 14 गुणवत्ता नियंत्रण आदेश (क्यूसीओ) लागू थे, जिनमें 106 उत्पाद शामिल थे, लेकिन पिछले 11 वर्षों में मोदी सरकार की नीति और नीयत के चलते अब 187 क्यूसीओ के तहत 770 उत्पाद बीआईएस प्रमाणन के अंतर्गत आ चुके हैं। उन्होंने इसे घटिया गुणवत्ता को स्वीकार करने की मानसिकता से हटकर उत्कृष्टता की ओर बढ़ते भारत का संकेत बताया। उन्होंने कहा कि मानकों की बेहतर पहुंच, विशेष रूप से एमएसएमई और स्टार्टअप्स के लिए, भारत को वैश्विक बाज़ार में प्रतिस्पर्धी बना सकती है। बीआईएस परवाणू जैसे केंद्रों को उद्योग के साथ भागीदारी का मॉडल बनाने का

आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि देश के 6.63 करोड़ एमएसएमई जीडीपी में 30 प्रतिशत और निर्यात में 45 प्रतिशत से अधिक का योगदान देते हैं। उन्होंने पर्यावरणीय स्थिरता को मानकों से जोड़ने की ज़रूरत पर भी बल दिया और ऐसे मानकों की बात की जो ऊर्जा दक्षता और पुनर्चक्रण जैसे पहलुओं को कवर करें। अनुराग ठाकुर ने इंजीनियरिंग और प्रबंधन शिक्षा में मानक साक्षरता को बढ़ाने, प्रमाणन प्रक्रियाओं को डिजिटल व पारदर्शी बनाने और वैश्विक मानकों के साथ भारत की सामंजस्यता को और मज़बूत करने की बात कही। उन्होंने बताया कि भारत आज इंटरनैशनल ऑर्गनाइज़ेशन फॉर स्टैंडर्डाइज़ेशन (आईएसओ)और इंटरनेशनल इलेक्ट्रोटेक्नीकल कमीशन (आईइसी) मानकों के साथ 94 प्रतिशत तक सामंजस्य बना चुका है, जिससे निर्यातकों को वैश्विक बाज़ारों में कम अड़चन का सामना करना पड़ता है।

आईपीएस पूरन के परिवार से मिले चिराग पासवान, न्याय का दिया भरोसा

चंडीगढ़। केंद्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी (राम विलास) के अध्यक्ष चिराग पासवान चंडीगढ़ पहुंचे। उन्होंने दिवंगत आईपीएस वाई पूरन कुमार की पत्नी अमनीत पी कुमार तथा परिवार के अन्य सदस्यों से मुलाकात की। केंद्रीय मंत्री ने पीड़ित परिवार को सांत्वना दी और उन्हें न्याय का भरोसा दिलाया। इससे पहले कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी पूरन कुमार के परिवार से मुलाकात की थी।मुलाकात के बाद मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि चंडीगढ़ में हुए घटनाक्रम में होने वाली कार्रवाई देश के लिए नजीर बनेगी। उन्होंने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को पत्र लिखा है और बात की है।

इस मामले में जितने भी आरोपित हैं, अगर वह दोषी साबित होते हैं उन्हें कानूनन सजा मिलेगी। सरकार की तरफ से परिवार की मांगों पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि चंडीगढ़ की इस घटना ने यह बताया कि पुलिस विभाग में आला पदों पर किस तरह से जातिगत भेदभाव हो रहा है।

डोर-टू-डोर सेवाएं देश की जरूरत, ये बढ़ाएंगी दक्षता और घटाएंगी लॉजिस्टिक्स लागत : अश्विनी वैष्णव

एजेंसी

नई दिल्ली। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि डोर-टू-डोर सेवाएं देश की अर्थव्यवस्था के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। ये सेवाएं न केवल उद्योगों की दक्षता बढ़ाएंगी बल्कि परिवहन और लॉजिस्टिक्स लागत को भी काफी कम करेंगी। वैष्णव ने यहां रेल भवन में वर्चुअल माध्यम से उत्तर प्रदेश के सोनिक में बने इंटीग्रेटेड लॉजिस्टिक्स हब का उद्घाटन किया और दो नई डोर-टू-डोर फ्रेट एवं पार्सल सेवाओं को हरी झंडी दिखाई।

इस मौके पर उन्होंने बताया कि अब उद्योगों को अपने माल की ढुलाई के लिए पूरी रेक भरने की जरूरत नहीं होगी, बल्कि वे अपनी आवश्यकता के अनुसार कुछ कंटेनर ही भेज सकेंगे।

रेल मंत्री ने कहा कि भारतीय रेल अब फैक्टरी से लेकर ग्राहक तक 'डोर-टू-डोर' सुविधा उपलब्ध कराएगी, जिससे फैक्टरी और रेलवे लोडिंग-अनलोडिंग प्वाइंट के बीच की दूरी और असुविधा खत्म होगी। इसके लिए देशभर में बने गुड्स शेड्स और लॉजिस्टिक्स टर्मिनल्स को कंटेनर लोडिंग व अनलोडिंग सुविधाओं से लैस किया जा रहा है, ताकि ग्राहक पूरी

तरह से इस नई सेवा का लाभ उठा सकें। रेल मंत्री ने बताया कि उत्तर प्रदेश का सोनिक अब देश का पहला इंटीग्रेटेड लॉजिस्टिक्स हब बन गया है, जहां यह सुविधा उपलब्ध कराई गई है। 'गतिशक्ति कार्गो टर्मिनल' पहल के तहत अब तक 115 टर्मिनल विकसित किए जा चुके हैं, जो मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स सेवाएं प्रदान करेंगे।

सोनिक टर्मिनल लखनऊ से लगभग 50 किलोमीटर और कानपुर से 20 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। यह दोनों प्रमुख औद्योगिक और शहरी केंद्रों को जोड़ता है। इस टर्मिनल का प्रबंधन कंटेनर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (कॉनकोर) द्वारा किया जाएगा, जो 'फर्स्ट माइल' और 'लास्ट माइल' कनेक्टिविटी सुनिश्चित करेगा।

यह केंद्र उर्वरक, खाद्यान्न, सीमेंट और ट्रैक्टर जैसे विविध माल की ढुलाई के लिए तैयार है। वैष्णव ने बताया कि ट्रैक्टर अब किसानों तक पहले से अधिक सस्ती दरों पर पहुंचाए जाएंगे। जैसे कार परिवहन की व्यवस्था सुचारू है, वैसे ही अब ट्रैक्टर और निर्माण उपकरणों (जैसे जेसीबी) के लिए भी रेलमार्ग से कुशल परिवहन की सुविधा मिलेगी। रेलवे बोर्ड के चेयरमैन और सीईओ सतीश कुमार ने कहा कि डोर-टू-डोर डिलीवरी सेवा रेल आधारित लॉजिस्टिक्स में एक बड़ा परिवर्तन है।

अब भारतीय रेल केवल माल ढुलाई करने वाली संस्था नहीं रहेगी, बल्कि एक पूर्ण लॉजिस्टिक्स सेवा प्रदाता के रूप में उभर रही है। यह 'विकसित भारत' की लॉजिस्टिक्स दृष्टि को साकार करने की दिशा में एक अहम कदम है। यह उल्लेखनीय है कि भारतीय रेल विश्व की दूसरी सबसे बड़ी मालवाहक संस्था है, जो हर वर्ष करीब 1.6 अरब टन माल का परिवहन करती है। यह केंद्र कानपुर-लखनऊ क्षेत्र की बढ़ती लॉजिस्टिक्स आवश्यकताओं को पूरा करेगा। इसमें डोर-टू-डोर सेवा, कार्गो वितरण और इन्वेंट्री प्रबंधन जैसी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

दिल्ली में पानी बिल पर लेट पेमेंट सरचार्ज माफ योजना और अनधिकृत कनेक्शन नियमितीकरण योजना का शुभारंभ

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पानी के घरेलू उपभोक्ताओं के लिए लेट पेमेंट सरचार्ज माफ योजना और अनधिकृत कनेक्शन नियमितीकरण योजना का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने बताया कि अगर लोग अपने पानी के पुराने बिलों को अगले वर्ष 31 जनवरी तक जमा करा देंगे तो उन्हें लेट पेमेंट चार्ज पर 100 प्रतिशत की छूट मिलेगी। इसके अलावा अवैध कनेक्शन पर भी लगने वाली पेनल्टी पर भारी छूट दी जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार की इस योजना के तहत लगभग 11000 करोड़ रुपये सरचार्ज माफ किया जाएगा। दिल्ली के जलमंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने कहा कि दिल्ली के लोगों को यह दीपावली का उपहार है। हमने यह कदम जनहित में उठाया है। हमारी सरकार चाहती है कि जल बोर्ड की कार्यप्रणाली को बेहतर व प्रभावी बनाया जाए। आज एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में मुख्यमंत्री व जल मंत्री ने सरकार की इस योजना की विस्तृत जानकारी दी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया कि कोई भी उपभोक्ता पुराने बकायों और तकनीकी अड़चनों के कारण पेयजल से वंचित न रहे। उन्होंने बताया कि जल उपभोग के बिल दो माह की अवधि के शुल्क पर आधारित होते हैं और यदि कोई उपभोक्ता यह शुल्क समय से जमा नहीं करता, तो उस पर लेट पेमेंट सरचार्ज लगाया जाता है जो चक्रवृद्धि ब्याज की दर से बढ़ता है। यह बाद में लोगों की परेशानी का कारण बन जाता है और उनका कनेक्शन भी काट दिया जाता है। इसी समस्या को ध्यान में रखते हुए लेट पेमेंट सरचार्ज माफी योजना लागू की गई है। इस योजना के अंतर्गत अगर लोग अपने लंबित बिलों की राशि को 31 जनवरी 2026 तक जमा कर देंगे तो उनका लेट पेमेंट सरचार्ज 100 माफ कर दिया जाएगा। यह भुगतान एकमुश्त या किश्तों में किया जा सकेगा। योजना का लाभ तभी मिलेगा जब मूल राशि का पूर्ण भुगतान किया जा चुका हो। उसके बाद 1 फरवरी 2026 से 31 मार्च 2026 तक योजना के तहत 70 प्रतिशत लेट पेमेंट सरचार्ज माफी दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि सभी उपभोक्ता इस योजना का लाभ उठाते हैं तो लगभग 11 हजार करोड़ रुपये का लेट पेमेंट सरचार्ज माफ किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह सीमित अवधि के लिए लाई गई अंतिम योजना है ताकि समय पर बिल भरने की आदत को प्रोत्साहित किया जा सके।

कप्तान शुभमन सहित भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया दौरे पर रवाना हुई, विराट और रोहित भी थे टीम के साथ

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम बुधवार को ऑस्ट्रेलिया दौरे पर रवाना हुई। इसमें नये एकदिवसीय कप्तान शुभमल गिल के अलावा अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली सहित कई अन्य खिलाड़ी शामिल थे। भारत के ऑस्ट्रेलिया के बीच 19 अक्टूबर से सीरीज शुरु होगी। इस दौरे पर भारत और ऑस्ट्रेलिया की टीमें तीन मैच की एकदिवसीय सीरीज के अलावा 5 मैच की टी20 सीरीज भी खेलेगी। इस दौरे पर एकदिवसीय टीम की कप्तानी शुभमन गिल करेंगे जबकि टी20 की कप्तानी सूर्यकुमार यादव के पास रहेगी। रोहित और विराट एकदिवसीय सीरीज से सात माह बाद मैदान में वापसी करेंगे।

रवाना होने वाले खिलाड़ियों में कप्तान शुभमन, रोहित, विराट, श्रेयस अय्यर, ध्रुव जुरेल, यशस्वी जायसवाल, हर्षित राणा,

केएल राहुल, वॉशिंगटन सुंदर, अर्शदीप सिंह, नितीश कुमार रेड्डी और प्रसिद्ध कृष्णा आदि थे। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पहला एकदिवसीय मुकाबला पर्थ में खेला जाएगा। चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के बाद से ही ये भारतीय टीम की पहली एकदिवसीय सीरीज होगी।

भारत की एकदिवसीय टीम- शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (वीसी), अक्षर पटेल, केएल राहुल (विकेटकीपर), नितीश कुमार रेड्डी, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), यशस्वी जयसवाल।

भारत की टी20 टीम- सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, शुबमन गिल (उपकप्तान), तिलक वर्मा, नितीश कुमार रेड्डी, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), वरुण चक्रवर्ती, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), रिंकू सिंह, वाशिंगटन सुंदर।

एकदिवसीय सीरीज कार्यक्रम-

पहला एकदिवसीय- 19 अक्टूबर ; सुबह 9 बजे
दूसरा एकदिवसीय- 23 अक्टूबर ; सुबह 9 बजे
तीसरा एकदिवसीय- 25 अक्टूबर ; सुबह 9 बजे

टी20 कार्यक्रम

पहला टी20- 29 अक्टूबर ; दोपहर 1 बजकर 45 मिनट से
दूसरा टी20- 31 अक्टूबर ; दोपहर 1 बजकर 45 मिनट से
तीसरा टी20- 2 नवंबर ; दोपहर 1 बजकर 45 मिनट से
चौथा टी20- 6 नवंबर ; दोपहर 1 बजकर 45 मिनट से
पांचवां टी20- 8 नवंबर ; दोपहर 1 बजकर 45 मिनट से

राशिद खान ने रचा इतिहास, बने दुनिया के नंबर 1 वनडे गेंदबाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। अफगानिस्तान के स्टार लेग-स्पिनर राशिद खान ने बांग्लादेश के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज़ में शानदार प्रदर्शन करते हुए आईसीसी वनडे गेंदबाज़ी रैंकिंग में पहला स्थान हासिल कर लिया है। राशिद ने सीरीज में कुल 11 विकेट झटके, जिसमें एक पांच विकेट हॉल (फाइव-विकेट हॉल) भी शामिल था।

इस प्रदर्शन के दम पर उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के केशव महाराज, श्रीलंका के महेश थीक्षाना, इंग्लैंड के जोफ्रा आर्चर, भारत के कुलदीप यादव और नामीबिया के बर्नार्ड स्कॉल्ट्ज को पछाड़कर शीर्ष स्थान अपने नाम किया।

राशिद खान का प्रदर्शन

अफग़ानिस्तान के लेग स्पिनर राशिद खान अबू धाबी में बांग्लादेश पर 3-0 की जीत के बाद वनडे में नंबर 1 गेंदबाज बन गए हैं। राशिद ने सीरीज में 6.09 की औसत और 2.73 की इकॉनमी रेट से 11 विकेट लिए।

अफगान खिलाड़ियों का दबदबा

राशिद के साथी अजमतुल्लाह ओमरजई ने भी सीरीज़ में 7 विकेट झटके और आईसीसी ऑलराउंडर रैंकिंग में पहला स्थान हासिल किया। वहीं इब्राहिम जद्रान, जिन्होंने लगातार दो मैचों में 95-95 रन की शानदार पारियां खेलीं, वनडे बल्लेबाज़ी रैंकिंग में दूसरे नंबर पर पहुंच गए हैं।

जद्रान को सीरीज में 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' चुना गया। उन्होंने कहा, 'सेंचुरी से चूकना थोड़ा दुखद था, लेकिन मैं टीम के लिए 100त्न देने पर ध्यान केंद्रित कर रहा था। राशिद और पूरी टीम ने इस जीत को खास बना दिया।'

भारत के लिए अच्छी खबर

वहीं भारतीय क्रिकेटरों की रैंकिंग में भी सुधार देखने को मिला है। कुलदीप यादव सात स्थान की छलांग लगाकर आईसीसी टेस्ट गेंदबाज़ी रैंकिंग में 14वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

महिला विश्व कप : ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ धीमी ओवर गति के लिए भारत पर जुर्माना

नई दिल्ली (एजेंसी)। विशाखापत्तनम में रविवार (12 अक्टूबर) को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आईसीसी महिला विश्व कप मैच के दौरान धीमी ओवर गति बनाए रखने के लिए भारत पर मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। गत चैंपियन टीम ने भारत के 330 रनों के लक्ष्य को एक ओवर और तीन विकेट शेष रहते हासिल कर लिया। समय सीमा को ध्यान में रखते हुए पाया गया कि भारत अपने लक्ष्य से एक ओवर पीछे था। यह जुर्माना एमिरेट्स आईसीसी इंटरनेशनल पैनल ऑफ मैच रेफरी के मिशेल पेरेरा ने लगाया। खिलाड़ियों और खिलाड़ी सहयोगी स्टाफ के लिए आईसीसी आचार संहिता की धारा 2.22 के अनुसार - जो न्यूनतम ओवर-रेट अपराधों से संबंधित है - खिलाड़ियों पर निर्धारित समय में गेंदबाजी न करने पर प्रत्येक ओवर के लिए उनकी मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है।

भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने अपराध स्वीकार कर लिया और प्रस्तावित दंड स्वीकार कर लिया, जिसका अर्थ है कि किसी औपचारिक सुनवाई की आवश्यकता नहीं थी। यह आरोप मैदानी अंपायर सू रेडफर्न और निमाली परेरा, तीसरे अंपायर किम कॉटन और चौथे अंपायर जैकलीन विलियम्स द्वारा लगाया गया था।

आईसीसी टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में रुट , एकदिवसीय में शुभमन व टी20 में अभिषेक शीर्ष पर

दुबई (एजेंसी)। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने बुधवार को तीनों प्रारूपों टेस्ट, एकदिवसीय और टी20 के लिए खिलाड़ियों की रैंकिंग जारी की। इसमें टेस्ट बल्लेबाजी में इंग्लैंड के जो रुट शीर्ष पर है। वहीं एकदिवसीय बल्लेबाजी में भारत के शुभमन गिल जबकि टी20 में अभिषेक शर्मा शीर्ष पर हैं। गेंदबाजों में भारत के जसप्रीत बुमराह टेस्ट जबकि अफगानिस्तान के राशिद खान एकदिवसीय में नंबर एक पर हैं। भारत के ही वरुण चक्रवर्ती टी20 रैंकिंग में नंबर एक पर हैं। भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल लंबी छलांग लगाकर जहां टेस्ट फॉर्मेट में पांचवें स्थान पर पहुंचे हैं, वहीं अफगानिस्तान के इब्राहिम जादरान आठ स्थान की छलांग लगाते हुए एकदिवसीय रुप में दूसरे नंबर के बल्लेबाज बने हैं। शीर्ष पर शुभमन हैं। टी20 में भारत के अभिषेक शर्मा तो गेंदबाजी में वरुण चक्रवर्ती शीर्ष पर हैं।

टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग

1. जो रूट (इंग्लैंड), 2. हैरी ब्रूक (इंग्लैंड), 3. केन विलियमसन (न्यूजीलैंड), 4. स्टीव स्मिथ (ऑस्ट्रेलिया), 5. यशस्वी जायसवाल (भारत), 6. टेंबा बवुमा (दक्षिण अफ्रीका), 7. कामिंदु मेंडिस (श्रीलंका), 8. ऋषभ पंत (भारत), 9. डेरिल मिचेल (न्यूजीलैंड), 10. बेन डकेट (इंग्लैंड)

एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग

1. शुभमन गिल (भारत), 2. इब्राहिम जादरान (अफगानिस्तान), 3. रोहित शर्मा (भारत), 4. बाबर आजम (पाकिस्तान), 5. विराट कोहली (भारत), 6. डेरिल मिचेल (भारत), 7. चरिथ असालंका (श्रीलंका), 8. हैरी टैक्टर (आयरलैंड), 9. श्रेयस अय्यर (भारत), 10. शाई होप (वेस्टइंडीज)

टी20 बल्लेबाजी रैंकिंग

1. अभिषेक शर्मा (भारत), 2. फिल साल्ट (इंग्लैंड), 3. तिलक वर्मा (भारत), 4. जोस बटलर (इंग्लैंड), 5. पथुम निसांका (श्रीलंका), 6. ट्रेविस हेड (श्रीलंका), 7. टिम सिफर्ट (न्यूजीलैंड), 8. सूर्यकुमार यादव (भारत), 9. कुसाल परेरा (श्रीलंका), 10. मिशेल मार्श (ऑस्ट्रेलिया)

टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग

1. जसप्रीत बुमराह (भारत), 2. कगिसो रबाडा (दक्षिण अफ्रीका), 3. मैट हेनरी (न्यूजीलैंड), 4. पैट कमिंस (ऑस्ट्रेलिया), 5. जोश हेजलवुड (ऑस्ट्रेलिया), 6. नोमान अली (पाकिस्तान), 7. स्कॉट बोलैंड (ऑस्ट्रेलिया), 8. नाथन लियोन (ऑस्ट्रेलिया), 9. मार्को यानसेन (दक्षिण अफ्रीका), 10. मिचेल स्टॉर्क (ऑस्ट्रेलिया)

एकदिवसीय गेंदबाजी रैंकिंग

1. राशिद खान (अफगानिस्तान), 2. केशव महाराज (दक्षिण अफ्रीका), 3. महिश तिक्षाणा (श्रीलंका), 4. जोफ्रा आर्चर (इंग्लैंड), 5. कुलदीप यादव (भारत), 6. बर्नार्ड स्कोल्ट्ज (नामीबिया), 7. मिचेल सेंटनर (न्यूजीलैंड), 8. आदिल राशिद (इंग्लैंड), 9. मैट हेनरी (न्यूजीलैंड), 10. रवींद्र जडेजा (भारत)

टी20 गेंदबाजी रैंकिंग

1. वरुण चक्रवर्ती (भारत), 2. अकील हुसैन (वेस्टइंडीज), 3. राशिद खान (अफगानिस्तान), 4. एडम जांपा (ऑस्ट्रेलिया), 5. जैकब डफी (न्यूजीलैंड), 6. आदिल रशीद (इंग्लैंड), 7. वानिंदु हसरंगा (श्रीलंका), 8. अबरार अहमद (पाकिस्तान), 9. नुवान तुषारा (श्रीलंका), 10. कुलदीप यादव (भारत)

वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज में इंपेक्ट प्लेयर रहे सिराज

नई दिल्ली ।वेस्टइंडीज के खिलाफ भारतीय टीम की टेस्ट सीरीज में 2-0 से जीत के बाद इंपैक्ट प्लेयर का अवार्ड तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को मिला है।बीसीसीआई ने इस पदक समारोह का एक वीडियो भी सोशल मीडिया में पोस्ट किया है। सिराज इस वीडियो में कह रहे हैं, 'यह सीरीज बहुत अच्छी रही क्योंकि हम अहमदाबाद में खेले थे, जहां तेज गेंदबाज़ों को काफी मदद मिली थी पर फिर हम दिल्ली आ गए, और हमें यहां काफी ओवर फेंकने पड़े।हर विकेट 5 विकेट जैसा लगा।एक तेज गेंदबाज के तौर पर, जब आपको अपनी मेहनत का फल मिलता है, तो आपको काफी अच्छा अनुभव होता है। आप रेसिंग रूम के प्रभावशाली खिलाड़ी भी होते हैं, इसलिए ये सब बहुत अच्छा लगता है।

उन्होंने आगे कहा, जब आप कुछ हासिल करते हैं, तो आपको अपने बारे में बहुत अच्छा लगता है।मुझे अपने पर बहुत गर्व है।मैं इसी तरह अपना प्रदर्शन जारी रखूंगा, क्योंकि मेरा पसंदीदा प्रारुप टेस्ट क्रिकेट है। इसमें कई चुनौतियां होती हैं। आपको पूरे दिन शारीरिक और मानसिक रूप से मैदान पर टिके रहना होता है। मुझे योगदान देने में सक्षम होने पर बहुत गर्व है। सिराज अब ऑस्ट्रेलिया दौरे में खेलते नजर आयेंगे।

नीतीश को लेकर अश्विन ने चयन समिति पर निशाना साधा

-बोले, गेंदबाजी नहीं करानी थी तो किसी और को रखते

नई दिल्ली । भारतीय टीम के पूर्व स्पिनर आर अश्विन ने ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी के मामले को लेकर चयन समिति पर निशाना साधा है।अश्विन ने कहा कि जब नीतीश से गेंदबाजी ही नहीं करानी तो उन्हें टीम में शामिल ही क्यों किया गया था।अश्विन ने वेस्टइंडीज के खिलाफ समाप्त हुई टेस्ट सीरीज में नीतीश को अंतिम ग्यारह में रखे जाने के कारणों पर भी सवाल उठये हैं।वहीं कप्तान शुभमन गिल ने कहा भी था कि इस ऑलराउंडर को इसलिए रखा गया जिससे कि उसे अभ्यास का अवसर मिले सकें क्योंकि विदेशी पिचों पर भारत को तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर की जरूरत होती है।वहीं कोच गौतम गंभीर ने भी कहा कि नीतीश को टीम में रहने से अनुभव तो हो रहा है।दूसरी ओर अश्विन का कहना है कि जब उसे गेंदबाजी ही नहीं दी गयी तो अंतिम ग्यारह में रहने से किस प्रकार से अनुभव मिलेगा।गौरतलब है कि नीतीश ऑलराउंडर के तौर पर दोनों ही मैचों में रखे गये थे।पहले टेस्टम में उन्होंने केवल 4 ओवर गेंदबाजी की, जबकि दूसरे टेस्ट में एक ओवर भी नहीं फेंका था।इसी को लेकर अश्विन ने कहा कि जब रेड्डी से गेंदबाज करानी ही नहीं थी तो उनकी जगह पर किसी विशेषज्ञ बल्लेबाज को खिलाया जा सकता था। या फिर अक्षर पटेल जैसे स्थापित ऑलराउंडर को रखा जा सकता था।अश्विन ने कहा, अगर नीतीश रेड्डी की यही भूमिका है तब तो मुझे लगता है कि आप एक विशेषज्ञ बल्लेबाज या गेंदबाज को खेला सकते हैं। आप अक्षर पटेल को खिला सकते थे।

एशिया कप तनाव के बाद भारत और पाकिस्तान के खिलाड़ियों ने मिलाया हाथ

जोहोर (मलेशिया) (एजेंसी)। मलेशिया के जोहोर बाहरू में सुल्तान ऑफ जोहोर कप में भारत और पाकिस्तान के बीच जूनियर हॉकी मैच मंगलवार को राष्ट्रगान के बाद दोनों पक्षों के खिलाड़ियों के बीच हाई-फाइव के साथ शुरू हुआ और 3-3 से ड्रॉ रहे कड़े मुकाबले के बाद हाथ मिलाने के साथ समाप्त हुआ।

यह घटनाक्रम पिछले महीने हुए एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट के विपरीत है, जहां भारतीय और पाकिस्तानी खिलाड़ियों ने मैदान पर किसी भी तरह की बातचीत से परहेज किया था। एशिया कप में सूर्यकुमार यादव की अगुवाई वाली भारतीय क्रिकेट टीम ने ऑपरेशन सिंदूर के मद्देनजर अपने पाकिस्तानी समकक्षों के साथ पारंपरिक हाथ मिलाने से परहेज किया और अपनी जीत

पहलगाम आतंकवादी हमले से प्रभावित परिवारों को समर्पित की। बाद में भारत ने PCB और ACC प्रमुख मोहसिन नकवी, जो पाकिस्तान के गृह मंत्री भी हैं, से ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया।

सूर्यकुमार ने कहा था, 'मुझे नहीं पता कि आगे क्या होगा। दिल्ली अभी बहुत दूर है। मुझे नहीं पता कि अगले मैच में पाकिस्तान के साथ क्या होगा। वैसे भी, हम सिर्फ बहु-राष्ट्रीय टूर्नामेंट में ही खेलते हैं, लेकिन उस समय जो भी होगा, हम देखेंगे। फिलहाल, यही वो पल है जिसका हम आनंद लेना चाहते हैं।'

इसके विपरीत भारत और पाकिस्तान की जूनियर टीमों के बीच सुल्तान जोहोर कप हॉकी मैच का माहौल हमेशा की तरह सामान्य था। राष्ट्रगान के बाद खिलाड़ियों ने एक-दूसरे को हाई-फाइव दिए और 3-3 से रोमांचक ड्रॉ के बाद हाथ मिलाए। मैच से पहले पाकिस्तान हॉकी महासंघ (PHF) ने कथित तौर पर अपने खिलाड़ियों को किसी भी तरह के टकराव से बचने और पूरी तरह से खेल पर ध्यान केंद्रित करने का निर्देश दिया था - इस कदम से मैदान पर माहौल सम्मानजनक और खेल भावना से भरा रहा।

ऑस्ट्रेलिया में रोहित और विराट के खेल का जादू देखना चाहते हैं सभी : शुभमन

मुम्बई । अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली करीब सात महीने के बाद मैदान पर खेलते नजर आयेंगे।ये दोनो ही भारतीय टीम के साथ ऑस्ट्रेलिया रवाना हुए हैं।टीम के रवाना होने से पहले एकदिवसीय प्रारुप के नये कप्तान बने शुभमन गिल ने कहा कि सभी लोग इन दोनो अनुभवी खिलाड़ियों के कौशल को देखना चाहते हैं।शुभन ने कहा कि टीम चाहती है कि दोनों खिलाड़ी अपने खेल का जादू सभी को दिखाएं।गिल ने कहा, ये दोनो ही पिछले एक दशक से अधिक समय से भारतीय टीम को जीत दिलाते रहे हैं। साथ ही कहा कि उनका अनुभव हर कप्तान और हर टीम के लिए बेहद अहम होता रहा है।ऐसे में हम बस यही चाहते हैं कि वो जाएं और अपना कमाल दिखाएं।साथ ही कहा कि भारतीय टीम पिछले दो-तीन साल से एकदिवसीय प्रारुप में बेहतरीन खेल दिखा रही है। इसी लय में वह बनाये रखना चाहती है।उन्होंने कहा, हमने पिछले कुछ सालों में काफी अच्छा क्रिकेट खेला है।टीम लगभग वही है, इसलिए किसी प्रकार के बदलाव की जरूरत नहीं है।ऑस्ट्रेलिया में खेलना हमेशा ही रोमांचक होता है और इसी को लेकर हम सब बेहद उत्साहित हैं। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज 19 अक्टूबर से शुरू होगी।वहीं कई दिग्गज को मानना है कि इस सीरीज के आधार पर ही रोहित और विराट का आगे का करियर निर्भर करेगा।

शुभमन गिल ने अभी तक कप्तानी के सबसे बुरे दिनों का सामना नहीं किया है: गंभीर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने कहा कि शुभमन गिल के लिए कप्तानी के अभी शुरुआती दिन हैं और उन्होंने अभी तक अपने सबसे कठिन दिनों का सामना नहीं किया है। गंभीर ने गिल की दबाव और कठिन परिस्थितियों से निपटने की क्षमता की तारीफ़ की। गिल ने रोहित शर्मा के स्थान पर भारतीय टेस्ट टीम की कमान संभाली और इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की श्रृंखला में 2-2 से ड्रॉ कर शानदार शुरुआत की।

कप्तानी की शुरुआत और दबाव

गिल का यह पहला पूर्णकालिक टेस्ट कप्तानी कार्यकाल चुनौतीपूर्ण रहा। दिल्ली में वेस्टइंडीज़ के खिलाफ दूसरे टेस्ट में सात विकेट से जीत के साथ उन्होंने भारतीय कप्तान के रूप में अपनी पहली टेस्ट श्रृंखला जीत दर्ज की। गंभीर ने बताया कि गिल ने अपनी टीम को दबाव में भी संभालने की क्षमता दिखाई और यह दिखाया कि वह मुश्किल हालात में भी शांत रह सकते हैं।

गंभीर का समर्थन और मार्गदर्शन

गंभीर ने कहा कि एक कोच के रूप में उनका कर्तव्य है कि वह गिल के कंधों से दबाव और आलोचना को कम करें, बशर्ते गिल टीम के लिए सही निर्णय लें और ड्रेसिंग रूम में ईमानदार और पारदर्शी रहें। उन्होंने कहा, 'अब तक, वह शानदार रहे, पारदर्शी, मेहनती और टीम के हित में निर्णय लेने वाले। एक कोच इससे अधिक क्या उम्मीद कर सकता है?'

इंग्लैंड दौरे में कठिन परीक्षा

गंभीर ने इंग्लैंड दौरे को गिल की कप्तानी की सबसे कठिन परीक्षा बताया। उन्होंने याद किया कि गिल को युवा टीम के साथ एक बेहतरीन इंग्लैंड टीम के सामने खड़ा किया गया। गंभीर ने कहा कि इंग्लैंड में बनाए गए रन महत्वपूर्ण नहीं थे, बल्कि दबाव में टीम का नेतृत्व करना असली परीक्षा थी। उन्होंने गिल की नेतृत्व क्षमता और मानसिक मजबूती की सराहना की।

सफलता के हकदार

गंभीर ने कहा कि गिल ने 25 दिनों के कड़े क्रिकेट के दौरान कभी निराशा या दबाव का संकेत नहीं दिखाया। उन्होंने मुस्कुराते हुए नेतृत्व किया और टीम को एकजुट रखा। गंभीर के अनुसार, गिल अब और भविष्य में हर सफलता के हक़दार हैं, क्योंकि उन्होंने कठिन परिस्थितियों में भी खुद को साबित किया।

आगामी वनडे श्रृंखला की तैयारी

वेस्टइंडीज़ पर टेस्ट सीरीज़ जीत के बाद, गिल अब ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू वनडे श्रृंखला की तैयारी कर रहे हैं। गंभीर ने उम्मीद जताई कि गिल आगामी सीरीज़ में भी दबाव में शांत और प्रभावशाली नेतृत्व दिखाएंगे। गिल के लिए यह नया अनुभव उनकी कप्तानी यात्रा में एक और महत्वपूर्ण मील का पत्थर होगा।

मैक्सवेल की ऑलटाइम एकदिवसीय टीम में छह भारतीय और पांच ऑस्ट्रेलियाई

-इंग्लैंड के एक भी खिलाड़ी को नहीं मिली जगह

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल ने एक ऑलटाइम एकदिवसीय टीम चुनी है। इसमें सबसे अधिक छह भारतीय और पांच ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों को शामिल किया गया है पर हैरानी की बात है कि इंग्लैंड के एक भी खिलाड़ी को इसमें जगह नहीं मिल है।मैक्सवेल की इस टीम में सचिन तेंदुलकर और विराट सहित छह भारतीय खिलाड़ियों को लिया गया है। वहीं रिकी पोंटिंग, माइकल बेवन, शेन वॉटसन सहित पांच ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी शामिल हैं।टीम में इंग्लैंड के एक भी खिलाड़ी को जग नहीं मिलना उसकी बेइज्जती माना जा रहा है। सलामी बल्लेबाज के लिए मैक्सवेल ने तेंदुलकर और रोहित को शामिल किया है। वहीं हैरानकी की बात है कि डेविड वॉर्नर, मैथ्यू हेडन और एडम गिलक्रिस्ट को इस टीम में जगह नहीं मिली है। तीसरे नंबर पर मैक्सवेल ने विराट कोहली को शामिल करते हुए उन्हें अपनी पीढ़ी का सर्वश्रेष्ठ एकदिवसीय बल्लेबाज करार दिया।

मैक्सवेल की टीम में पोंटिंग चौथे जबकि माइकल बेवन पांचवें नंबर पर हैं।इस नंबर पर उन्होंने इंग्लैंड के इयोन मोर्गन और बेन स्टोक्स जैसे खिलाड़ियों को जगह नहीं दी है। ऑलराउंडर के लिए मैक्सवेल ने शॉन वॉटसन को रखा है।

वहीं विकेट कीपर के रूप में भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी को रखा है। इंग्लैंड के जोस बटलर और ऑस्ट्रेलिया से एडम गिलक्रिस्ट को भी टीम में जगह नहीं मिली है। वहीं मैक्सवेल ने अपने गेंदबाजी आक्रमण में ब्रेट ली, ग्लेन मैक्ग्रा और जसप्रीत बुमराह को रखा है।स्पिनर के तौर पर अनिल कुंबले को रखा गया है।

फीफा क्वालिफायर में रोनाल्डो ने रचा इतिहास, मेसी से आगे निकले

नई दिल्ली (एजेंसी)। फुटबॉल के महानतम गोलस्कोरर्स में शुमार क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने एक बार फिर इतिहास रच दिया। हंगरी के खिलाफ फीफा वर्ल्ड कप क्वालिफायर मुकाबले में उन्होंने दो गोल दागकर नया रिकॉर्ड बनाया। हालांकि मैच 2-2 की बराबरी पर खत्म हुआ, लेकिन रोनाल्डो की यह शानदार परफॉर्मेंस चर्चा में रही।

पहले हाफ के 22वें मिनट में रोनाल्डो ने क्लोज रेंज से गोल दागा और अपने वर्ल्ड कप क्वालिफायर करियर का 40वां गोल पूरा किया। इस गोल के साथ उन्होंने ग्वाटेमाला के पूर्व खिलाड़ी कार्लोस रुइज़ (39 गोल) को पीछे छोड़ दिया। पहले हाफ के इंजरी टाइम में उन्होंने एक और गोल कर रिकॉर्ड को 41 तक पहुंचा दिया।

इसके साथ ही रोनाल्डो के नाम अब सबसे ज़्यादा वर्ल्ड कप क्वालिफायर गोल (41) हैं – जो उन्हें लियोनेल मेसी (36) से काफी आगे ले जाता है। वहीं मेसी ने अब तक 72 क्वालिफायर मैचों में 36 गोल किए हैं।

रोनाल्डो के नाम अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में कई रिकॉर्ड

सबसे ज़्यादा अंतरराष्ट्रीय गोल- 143
सबसे ज़्यादा मैच (कैप्स)- 215+
यूरोपीय चैम्पियनशिप में सबसे ज़्यादा गोल- 14

फीफा वर्ल्ड कप क्वालिफायर में सर्वाधिक गोल करने वाले टॉप-5 खिलाड़ी

क्रिस्टियानो रोनाल्डो - 41 गोल (51 मैच)
कार्लोस रुइज़ - 39 (47 मैच)
लियोनेल मेसी - 36 (72 मैच)
अली दाई - 35 (51 मैच)
रॉबर्ट लेवानडोव्स्की - 33 (42 मैच)

मैच में 78वें मिनट तक पुर्तगाल 2-1 से आगे था, लेकिन हंगरी के डोमिनिक स्जोबोज़लाइ ने इंजरी टाइम में गोल कर स्कोर बराबर कर दिया। मैच के बाद रोनाल्डो ने सोशल मीडिया पर लिखा – 'हम अपने लक्ष्य के करीब हैं ! चलो पुर्तगाल !'

कोच रॉबर्टो मार्टिनेज ने माना कि टीम आखिरी 10 मिनट में मैच को सही तरह से मैनेज नहीं कर पाई। फिर भी, इस ड्रॉ के बावजूद पुर्तगाल ग्रुप एफ में 10 अंकों के साथ टॉप पर बना हुआ है।

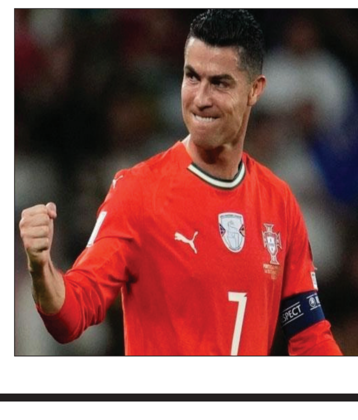

'बंदर' की आलोचनाओं पर अनुराग ने तोड़ी चुप्पी

अपनी पिछली रिलीज फिल्म 'निशानची' को लेकर सुर्खियां बटोरने वाले अनुराग कश्यप अब अपनी आगामी फिल्म 'बंदर' को लेकर चर्चाओं में हैं। बॉबी देओल स्टारर इस फिल्म का हाल ही में टोरंटो अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में प्रीमियर हुआ था। वहां प्रीमियर होने के बाद फिल्म को लेकर अलग-अलग तरह की प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। कुछ लोग इसे काफी उत्तेजक और भड़काऊ फिल्म बता रहे हैं। जबकि कई लोग इसे मीटू मूवमेंट से जोड़कर मीटू विरोधी बता रहे हैं। अब इन आलोचनाओं के बीच निर्देशक अनुराग कश्यप ने अपनी चुप्पी तोड़ी है और प्रतिक्रिया दी है।

मीटू से फिल्म का कोई लेना-देना नहीं

स्क्रीन के साथ बातचीत के दौरान अनुराग कश्यप ने फिल्म को लेकर हो रही आलोचनाओं पर रिएक्शन देते हुए कहा कि इसका मीटू से कोई लेना-देना नहीं है। निर्देशक ने कहा कि जब कोई फिल्म झूठे बलात्कार के आरोप के बारे में होती है, तो ऐसी बातें होती हैं। लेकिन 'मीटू' ताकत के बारे में है, किसी व्यक्ति द्वारा ताकत के पद का इस्तेमाल करके कुछ करने के बारे में। इस फिल्म का उस तरह के पावरप्ले या उस तरह के पहलू से कोई लेना-देना नहीं है। इसलिए इस फिल्म का मीटू अभियान से कोई लेना-देना नहीं है।

बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास नहीं रही 'निशानची'

वर्कफ्रंट की बात करें तो अनुराग कश्यप द्वारा निर्देशित 'निशानची' पिछले महीने सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। फिल्म को क्रिटिक्स ने सराहा था। लेकिन बॉक्स ऑफिस पर फिल्म कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर पाई थी। वहीं बॉबी देओल आखिरी बार आर्यन खान के शो 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' में नजर आए थे। अब बॉबी यशराज के स्पाई यूनिवर्स की फिल्म 'अल्फा' में नजर आएंगे।

हर कोई जवान दिखने की कोशिश कर रहा है, आपको भी करनी चाहिए

बॉलीवुड में अभिनेताओं की बढ़ती उम्र हमेशा से बहस का विषय रही है। पुरुष अभिनेता फिल्मों में अपने से काफी छोटी उम्र की अभिनेत्रियों के साथ रोमांस करते रहते हैं। ऐसे में क्या महिला अभिनेत्रियों को अपनी उम्र बढ़ने से रोकने का दबाव महसूस होता है? इस पर चित्रांगदा सिंह ने अपनी बात रखी है।

किरदार निभाना आना चाहिए

क्या महिला कलाकारों से वाकई जवान दिखने की उम्मीद की जाती है, इस बारे में बात करते हुए अभिनेत्री ने कहा यह सबके लिए है। अगर आप 70 साल की महिला का किरदार निभा रही हैं, तो आपको वैसा ही दिखना चाहिए। अगर आप 30 साल की उम्र की भूमिका निभाना चाहती हैं, तो आपको उसे निभाना आना चाहिए।

अक्षय कुमार फिटनेस पर ध्यान देते हैं

चित्रांगदा सिंह का कहना है कि निर्माताओं का ऐसा सोचना जायज है। पुरुष अभिनेताओं के लिए भी यही बात लागू होती है। अक्की (अक्षय कुमार) अपनी फिटनेस पर ध्यान देते हैं, अपने खान-पान पर ध्यान देते हैं। बेशक, जब किसी पुरुष अभिनेता का किरदार लिखा जाता है, तो महिला किरदार के बजाय ज्यादा लचीलापन होता है। मुझे नहीं लगता कि इसमें कोई पक्षपात है। वे फिल्म को आगे बढ़ाते हैं।

करीना और विद्या अच्छा कर रही हैं

चित्रांगदा सिंह ने आगे कहा समय बहुत बदल गया है। करीना कपूर कमाल का काम कर रही हैं। विद्या (बालन) बहुत काम कर रही हैं। ये सभी कलाकार अभी भी स्क्रीन पर अपनी अच्छी उपस्थिति बनाए हुए हैं। जहां तक एक खास तरह का दिखने के दबाव की बात है, निकोल किडमैन, डेमी मूर को ही देख लीजिए, हर कोई (जवान दिखने की) कोशिश कर रहा है, आपको भी यह कोशिश करनी होगी। बेशक कलाकारों को हर चीज में दबाव का सामना करना पड़ता है।

चित्रांगदा सिंह का वर्कफ्रंट

चित्रांगदा सिंह जल्द ही सलमान खान के साथ फिल्म बैटल ऑफ गलवां में नजर आने वाली हैं। सलमान खान इसमें आर्मी अफसर की भूमिका निभा रहे हैं। यह फिल्म अगले साल की शुरुआत में रिलीज हो सकती है।

अब दिल्ली की सत्ता में भूकंप लाएगी हुमा कुरैशी

ओटीटी प्लेटफॉर्म सोनी लिव पर आने वाली बहुचर्चित सीरीज 'महारानी' के चौथे सीजन का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। निर्माताओं ने इसके चौथे सीजन की घोषणा कुछ समय पहले की थी। अब इसका ट्रेलर आते ही सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस बार कहानी बिहार की सीमाओं को पार कर सीधे दिल्ली की सियासत में दस्तक दे रही है। सीरीज की नायिका हुमा कुरैशी, यानी रानी भारती, अब बिहार की नहीं बल्कि देश की राजनीति को हिला देने की तैयारी में हैं। ट्रेलर में रानी कहती हैं- अगर आपने हमारे दुश्मन से हाथ मिलाया तो सिंहासन खींच लेंगे आपका।

मेकर्स ने जारी किया ट्रेलर

ट्रेलर जारी करते हुए मेकर्स ने कैप्शन में लिखा- शेरनी लौटी है अपने घर की रक्षा करने! रानी तैयार है अपनी अब तक की सबसे बड़ी जंग के लिए। महारानी की स्ट्रीमिंग शुरू होगी 7 नवंबर से।

सीरीज की स्टारकास्ट

निर्देशक सुभाष कपूर ने इस बार भी सीरीज को अपने खास व्यंग्य और तीखे संवादों से भर दिया है। सीरीज में हुमा कुरैशी के साथ अमित सियाल, कनी कुसरुती, विपिन शर्मा, विनीत कुमार और प्रमोद पाठक जैसे अनुभवी कलाकार दिखाई देंगे। इन सभी ने अपने-अपने किरदारों से कहानी को और भी मजबूत बनाया है। खासतौर पर अमित सियाल का राजनीतिक प्रतिद्वंदी के रूप में अभिनय सीरीज की रीढ़ साबित हो रहा है।

इस सीजन की कहानी

पिछले सीजन तक रानी भारती बिहार की मुख्यमंत्री बन चुकी थीं, लेकिन अब कहानी वहां से आगे बढ़ती है। दिल्ली की सत्ता में एंट्री के साथ सीरीज और भी अधिक रोमांचक हो गई है। ट्रेलर में संसद की झलक, सत्ता के सौदे और राजनीतिक गठजोड़ों का खेल साफ तौर पर नजर आ रहा है।

रणवीर सिंह, बॉबी देओल और श्रीलीला ने अपनी नई फिल्म की शूटिंग की पूरी

रणवीर सिंह, बॉबी देओल और श्रीलीला की आने वाली फिल्म काफी चर्चा में है। सेट से झलकियां और लीक हुई तस्वीरें सामने आने के बाद से ही यह प्रोजेक्ट सुर्खियों में है। ऐसे में जब इस तिकड़ी को साथ में शूटिंग करते देखा गया, उसके बाद फैन्स के बीच इसे लेकर उत्सुकता बढ़ गई यह जानने के लिए कि आखिर यह टीम किस प्रोजेक्ट पर काम कर रही है। अब सूत्र के मुताबिक, इस प्रोजेक्ट की शूटिंग आधिकारिक तौर पर पूरी हो गई है। टीम ने हाल ही में आखिरी शेड्यूल खत्म किया है, जिससे इस साल के सबसे बड़े और रोमांचक प्रोजेक्ट्स में से एक की शूटिंग पूरी हो गई है। फिल्म से जुड़े एक करीबी सूत्र ने कहा, शूटिंग आराम से पूरी हो गई है और मेकर्स जल्द ही कुछ बड़ा करने की सोच रहे हैं। इस प्रोजेक्ट से जुड़ी एक बड़ी खबर अगले हफ्ते आ सकती है। रणवीर और श्रीलीला की जोड़ी बहुत अच्छी लगी है, जो नई, जोश से भरी हुई और दर्शकों को जरूर पसंद आएगी। फिलहाल फिल्म से जुड़ी जानकारी गुप्त रखी गई है, लेकिन फैंस का उत्साह लगातार बढ़ता जा रहा है, क्योंकि आने वाले दिनों में एक बड़ी घोषणा होने की उम्मीद है।

बकासुरा रेस्टोरेंट के हिंदी रीमेक में नजर आ सकते हैं राजकुमार राव

अभिनेता राजकुमार राव अपने शानदार अभिनय के लिए जाने जाते हैं। अलग-अलग किस्म की भूमिकाएं निभाने में उनका कोई मुकाबला नहीं। फिलहाल राजकुमार राव को लेकर ऐसी अटकलें हैं कि वे तेलुगु फिल्म बकासुरा रेस्टोरेंट के हिंदी रीमेक में नजर आ सकते हैं। यह एक हॉरर कॉमेडी फिल्म है। इंडस्ट्री में चर्चा है कि राजकुमार राव तेलुगु हॉरर-कॉमेडी फिल्म बकासुरा रेस्टोरेंट के हिंदी संस्करण में अभिनय कर सकते हैं। हालांकि, अभी तक आधिकारिक तौर पर ऐसा कोई एलान नहीं किया गया है। लेकिन, सूत्रों का कहना है कि मुख्य भूमिका निभाने के लिए उनके नाम पर चर्चा चल रही है। 123 तेलुगु के अनुसार, राजकुमार राव बकासुरा रेस्टोरेंट के हिंदी रीमेक में मुख्य भूमिका निभा सकते हैं। हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन प्रशंसक यह देखने के लिए उत्सुक हैं कि इस सुपरनैचुरल फिल्म में वह किस तरह की भूमिका निभाएंगे।

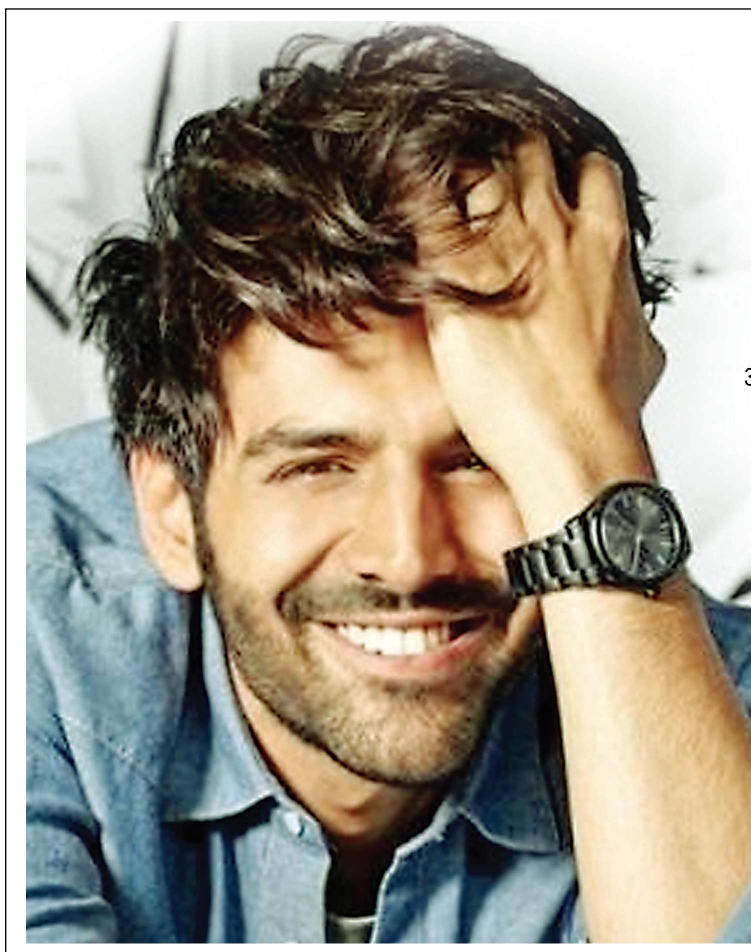

मेरा पहला फ़िल्मफ़ेयर बेस्ट एक्टर अवॉर्ड वास्तविक हीरो मुरलीकांत पेटकर जी को समर्पित

कार्तिक आर्यन, भारतीय सिनेमा के सबसे पसंदीदा और भरोसेमंद सितारों में से एक हैं और हाल ही में उन्होंने अब आधिकारिक रूप से फ़िल्मफ़ेयर इतिहास में अपना नाम दर्ज करा लिया है! सुपरस्टार ने कबीर ख़ान निर्देशित फ़िल्म चंदू चैंपियन में अपने दमदार और रूपांतरकारी प्रदर्शन के लिए अपना पहला फ़िल्मफ़ेयर बेस्ट एक्टर अवॉर्ड अपने नाम कर लिया है। यह पल किसी जादू से कम नहीं था, लेकिन सच पूछिए तो उनके लिए यह सालों की मेहनत, अनुशासन और अटूट विश्वास का परिणाम था। चंदू चैंपियन में कार्तिक ने सिर्फ़ एक किरदार नहीं निभाया, बल्कि भारत के पहले पैरालंपिक गोल्ड मेडलिस्ट मुरलीकांत पेटकर की कहानी को जिया और उनकी हर शारीरिक और भावनात्मक सीमा को पार करते हुए इस किरदार को सच्चाई के साथ पर्दे पर उतारा। सोशल मीडिया पर अपनी भावनाएँ साझा करते हुए कार्तिक ने लिखा, चैंपियन गिरता है, पर रुकता नहीं। कुछ पल सपने जैसे लगते हैं, और यह उनमें से एक था। मेरा पहला फ़िल्मफ़ेयर बेस्ट एक्टर अवॉर्ड चंदू चैंपियन के लिए। टीवी पर सिर्फ़ 'ब्लैक लेडी' को देखा करता था, और आज उसे हाथों में थामना... यह उन सब सपने देखने वालों के लिए है जो कभी हार नहीं मानते।

कार्तिक ने अपने निर्देशक कबीर ख़ान के प्रति भी गहरी कृतज्ञता जताई, उन्हें सच्चाई, भावना और ताकत से भरे फ़िल्ममेकर बताते हुए कहा कि उन्होंने सिर्फ़ निर्देशन नहीं किया, बल्कि उन्हें एक कलाकार के रूप में बदल दिया। उन्होंने निर्माताओं साजिद नाडियाडवाला और वर्धा ख़ान नाडियाडवाला को भी उनके अटूट समर्थन के लिए धन्यवाद दिया। साथ ही सुदीप चटर्जी को हर फ़्रेम में भावना भरने के लिए और प्रीतम को फ़िल्म में आत्मिक संगीत देने के लिए शुक्रिया कहा। सबसे भावुक पल तब आया जब कार्तिक ने यह अवॉर्ड वास्तविक हीरो मुरलीकांत पेटकर जी को समर्पित किया, जिनकी प्रेरणादायक यात्रा आज भी लाखों लोगों को आगे बढ़ने की ताकत देती है। चंदू चैंपियन में कार्तिक ने एक ऐसा रूप दिखाया, जो दर्शकों ने पहले कभी नहीं देखा था और यह रूप था कोमल लेकिन जज़्बे से भरा, भावनात्मक लेकिन अडिग।

इस फ़िल्म ने उनके करियर में एक मील का पत्थर जोड़ा और यह साबित किया कि वे न केवल एक स्टार हैं, बल्कि एक ऐसे कलाकार हैं जो दर्शकों के दिलों तक पहुँचना जानते हैं। जब कार्तिक ने हाथों में प्रतिष्ठित 'ब्लैक लेडी' थामी, वह सिर्फ़ एक ट्रॉफी नहीं थी, बल्कि मेहनत, जुनून और पूरे हुए सपनों का प्रतीक थी। इस ऐतिहासिक जीत के साथ, कार्तिक आर्यन ने यह साबित कर दिया है कि वे अपनी पीढ़ी के सबसे प्रतिभाशाली और बहुमुखी अभिनेताओं में से एक हैं। साथ ही वे उन तमाम सपने देखने वालों के लिए प्रेरणा हैं, जो असंभव को संभव करने का हौसला रखते हैं। फिलहाल वे जल्द ही करण जौहर की धर्मा प्रोडक्शंस के बैनर तले बनने वाली रोमांटिक कॉमेडी तू मेरा मैं तेरी, मैं तेरा तू मेरी में नज़र आएंगे। इसके अलावा, उनकी आनेवाली फिल्मों में अनुराग बसु की एक अनटाइटल्ड लव स्टोरी और बहुप्रतीक्षित फ़िल्म नागज़िला भी शामिल है।

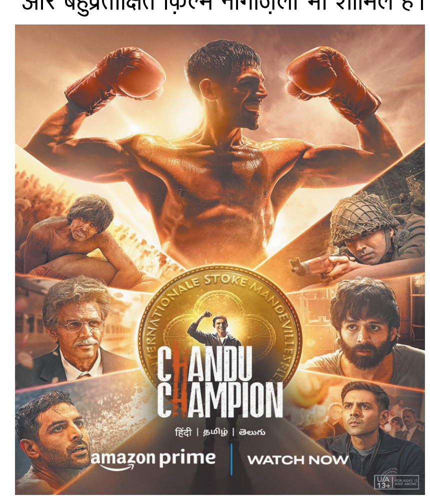

रेडियेशन थेरेपी कैंसर की चिकित्सा का एक तरीका है जिसमें आयोनाइजिंग रेडियेशन नामक कणों का इस्तेमाल कैंसर के सेल्स को क्षति पहुंचाने के लिए होता है।

नए सेल्स नहीं बनने देती

रेडियेशन थेरेपी

आयोनाइजिंग रेडियेशन कैंसर के सेल्स पर प्रहार करती है और उसके आनुवांशिक तत्व को नुकसान पहुंचा कर नए सेल्स को बनने नहीं देती। रेडियेशन थेरेपी के दौरान कैंसर के सेल्स के आसपास के सामान्य सेल्स को भी क्षति पहुंचती है लेकिन यह समय के साथ ठीक हो जाते हैं। रेडियेशन थेरेपी बाह्य रूप से एक्स रे बीम्स के रूप में गामा रेज या सब एटामिक पार्टिकल्स के रूप में दी जाती है। बाह्य रूप से रेडियेशन देने की प्रक्रिया में 5 से 15 मिनट लगते हैं और इसमें दर्द नहीं होता।

कुछ नए तरीके

चिकित्सा कितनी बार दी जानी है यह हर व्यक्ति के लिए अलग अलग होता है। कुछ स्थितियों में चिकित्सा में कई हफ्ते लग जाते हैं। आंतरिक रूप से भी रेडियेशन दिया जाता है। ऐसे में रेडियोऐक्टिव पदार्थों को शरीर की कैविटी के रख दिया जाता है या फिर ट्यूमर के सेल्स के अन्दर रखा जाता है। रेडियेशन थेरेपी के प्रभाव को बढ़ाने के लिए अपनाये जाने वाले कुछ नए तरीके हैं –

- कनफार्मल बीम तकनीक: कई बीम से एक ही समय रेडियेशन भी ली जा सकती है। ऐसा करने से रेडियेशन ट्यूमर के सेल्स पर एकत्रित हो जाता है और सामान्य टिश्यूज को कम प्रभावित करता है।
- इन्ट्राआपरेटिव रेडियेशन थेरेपी : सर्जरी के दौरान ट्यूमर पर रेडियेशन दी जाती है।
- रेडियेसेंसिटाइजर्स: यह ड्रग्स कैंसर के सेल्स पर रेडियेशन के प्रभाव को बढ़ाते हैं।
- रेडियोप्रोटेक्टर्स: यह ड्रग्स सामान्य सेल्स को रेडियेशन के द्वारा हुई क्षति से बचाते हैं जबकि आसपास के कैंसर के सेल्स क्षतिग्रस्त हो चुके होते हैं।
- रेडियोइम्यूनोथेरेपी: रेडियोएक्टिव पदार्थ एण्टीबाडीज से जुड़े होते हैं जो कि रक्षात्मक रासायन होते हैं और प्रतिरक्षा प्रणाली द्वारा बनाये जाते हैं। यह एण्टीबाडीज कैंसर के सेल्स को प्रभावित करते हैं। हमारे शरीर के एण्टीबाडीज नान कैंसरस, स्वस्थ सेल्स को प्रभावित नहीं करते हैं इसलिए इससे ट्यूमर के बाहर रेडियेशन से होने वाली क्षति का खतरा कम होता है।

रोग की चिकित्सा

बाहृय / एक्सटर्नल रेडियेशन थेरेपी शुरू करने से पहले रेडियेशन विशेषज्ञ चिकित्सा की योजना बनाता है। वह यह भी निर्धारित करता है कि मरीज़ को किस प्रकार की रेडियेशन और कितने सेशन देने हैं। आप शुरूआती सेशन में भाग ले सकते हैं। चिकित्सक सबसे पहले उस जगह पर निशान बनाता है जहां पर कि रेडियेशन चिकित्सा देनी होती है।

चिकित्सकीय क्षेत्र पर निशान अंकित करने के लिए आजकल छोटे गोल्ड सीड्स का इस्तेमाल किया जाता है जिन्हें कि फिड्यूकल्स कहते हैं। एक चिकित्सकीय सेशन से दूसरे चिकित्सकीय सेशन में जाने के लिए ट्यूमर पर रेडियेशन की बीम देने पर ज्यादा सावधानी की आवश्यकता होती है। इससे रेडिसेशन के फैलने का खतरा और सामान्य सेल्स को क्षति पहुंचने का खतरा कम हो जाता है।

चिकित्सा के दौरान मरीज को अस्पताल का गाउन पहनने की आवश्यकता होती है। रेडियेशन थेरेपी के कमरे में आपको या तो चिकित्सा की टेबल पर लेटना होता है या विशेष कुर्सी पर बैठना होता है। आपकी त्वचा पर बनाये निशान से चिकित्सक उस जगह को निर्धारित कर सकेगा जहां पर रेडियेशन देनी है और शरीर के दूसरे भागों पर किसी प्रकार का प्रभाव नहीं पड़ेगा।थेरेपी लेने के दौरान आपका एक ही स्थिति में पड़े रहना जरूरी है। इसी कारण से आपके शरीर को एक सांचे में रखा जाता है। एक बार जबकि आप चिकित्सा के लिए तैयार हो जाते हैं तो रेडियेशन आनकोलाजिस्ट कमरे से बाहर निकलकर पास के कंट्रोल रूम में चला जाता है। यहां से चिकित्सक ट्रीटमेंट मशीन का प्रयोग कर एक खास खिड़की से आपकी निगरानी करता है। रेडियेशन थेरेपी के दौरान आप चिकित्सकीय मशीन की आवाज़ सुन सकते हैं और यह मशीन आपके इर्द गिर्द घूमती है। यह चिकित्सा 1 से 5 मिनट तक होती है और इसमें किसी प्रकार का दर्द भी नहीं होता। ट्रीटमेंट के कमरे में आपको 5 से 15 मिनट तक का समय लगता है। सामान्यत: यह चिकित्सा एक हफ्ते से कई हफ्तों तक की जाती है। अगर आप आंतरिक रेडियेशन थेरेपी करा रहे हैं तो आपकी चिकितसा थोड़ा अलग तरीके से होती है।

ब्रैकी थेरेपी

एक तरीका है ब्रैकीथेरेपी जिसे कि इन्टरस्टीशियल रेडियेशन थेरेपी भी कहते हैं। अगर आप यह प्रक्रिया करा रहे हैं तो आपको एनेस्थीसिया दिया जाता है तारों में मौजूद रेडियोएक्टिव पदार्थ या छोटे ट्यूब में पड़ा रेडियोएक्टिव पदार्थ मरीज के शरीर में ट्यूमर के स्थान पर सीधा आरोपित कर दिया जाता है। यह रेडियोएक्टिव आरोपण शरीर के अंदर रहता है या इसे कुछ समय बाद शरीर से निकाल दिया जाता है और यह बात भी कैंसर के प्रकार पर निर्भर करती है।

दूसरी प्रक्रिया जिसे कि इन्ट्राकैविटरी थेरेपी कहते हैं इसमें आपको जनरल या लोकल एनेस्थेटिक दिया जाता है और रेडियोएक्टिव पदार्थ को सीधा शरीर की कैविटी में आरोपित कर दिया जाता है। बाद में इसे निकाल भी दिया जाता है। पुराने समय से आज तक दोनों ही प्रकार की रेडियेशन थेरेपी में बदलाव आये हैं। जैसे कि रेडियेशन का स्रोत प्रोटोन भी हो सकते हैं। इस तकनीक में रेडियेशन बीम को सीधा मरीज पर केंद्रित किया जाता है। इससे अधिक मात्रा में रेडियेशन टिश्यूज तक पहुंच जाती है और यह सामान्य सेल्स को कम नुकसान पहुंचाती है।

वितरण की नयी तकनीक को देखते हुए एक्स रे इमेजिंग तकनीक का प्रयोग भी विस्तार से हो रहा है। ऐसे दो तरीके हैं–

- थ्री डाइमेंशनल कनफार्मल रेडियेशन और इन्टेंसिटी माडूलेटेड रेडियेशन : इसका ध्येय है ट्यूमर सेल्स में रेडियेशन की सही मात्रा देना जिससे कि सामान्य सेल्स को किसी प्रकार की क्षति ना पहुंचे।
- साइबरनाइफ थेरेपी अधिक मात्रा में रेडियेशन थेरेपी देती है और इसे छोटे अंतराल पर देना होता है। ऐसे में बहुत ही सटीक मात्रा में रेडियेशन की डोज देनी होती है। कुछ स्थितियों में रेडियेशन चिकित्सा में कुछ हफ्ते लग जाते हैं और बीमारी ठीक हो जाती है।

बीमारी का पूर्वानुमान

चिकित्सक कुछ शरीरिक जांच, स्कैन, एक्स रे, रक्त जांच करके रेडियेशन थेरेपी का पता लगाने की कोशिश करेंगे। आपके निशचित प्रकार की फोलो अप और जांच से यह पता चलेगा कि रेडियेशन थेरेपी की आवश्यकता है या नहीं। इस जांच से ट्यूमर की सथिति का पता चलेगा और यह भी पता चलेगा कि कैंसर कितना फैल चुका है।

रेडियेशन थेरेपी के बहुत से दूसरे अतिरिक्त प्रभाव हैं जो कि शरीर के उस क्षेत्र पर निर्भर करते हैं जिनकी चिकित्सा की जानी है। रेडियेशन थेरेपी के प्रभाव कुछ इस प्रकार से हो सकते हैं जैसे कि थकान होना, बालों का झड़ना, त्वचा के रंग में परिवर्तन, भूख ना लगना, उलटियां आना, इन्फर्टिलिटी, स्टेरिलिटी, वैजाइनल ड्राइनेस। रेडियेशन थेरेपी से दूसरे प्रकार के कैंसर का भी डर रहता है।

मोटापा और मद्यपान से गंभीर बीमारी का खतरा

जानकारी

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने अपने ताजा शोध में कहा है कि 75 साल की उम्र होने तक औसत यूरोपीय महिलाओं की तुलना में ब्रिटिश महिलाओं में कैंसर की बीमारी विकसित होने का ज्यादा खतरा होता है। स्काई न्यूज के अनुसार एक औसत के मुताबिक यूरोप में 75 साल की उम्र तक पहुंचने वाली प्रत्येक पांचवी महिला कैंसर से पीड़ित हो जाएंगी। दूसरी ओर ब्रिटेन में करीब एक चौथाई महिलाएं कैंसर से पीड़ित होंगी। ऐसा इसलिए है कि ब्रिटेन में मोटापे और मद्यपान करने की दर बढ़ती जा रही है। वैसे शोधकर्ताओं का कहना है कि लोगों के कैंसर की बीमारी के चपेट में आने में आनुवांशिकी की एक बड़ी भूमिका होती है। उनका विश्वास है कि यदि लोग स्वास्थ्यवर्धक भोजन लें व व्यायाम करें तो सामान्य प्रकार के कैंसर की कई बीमारियों से बचा जा सकता है। शारीरिक रूप से सक्रिय रहने और स्वास्थ्यवर्धक शाकाहारी भोजन लेने, कम नमक खाने और लाल व प्रसंस्कृत मांस न लेने से कैंसर की बीमारियों में कमी आ सकती है। महिलाओं में स्तन कैंसर सबसे सामान्य है। विशेषज्ञों का कहना है कि जीवनशैली में बदलाव करके स्तन कैंसर के 10 में से करीब चार मामलों में जान बचाई जा सकती है। विश्व कैंसर अनुसंधान कोष (डब्ल्यूसीआरएफ) के रिचर्ड ईवान्स कहते हैं, एक देश के रूप में हम यूरोपीय औसत के मुकाबले कहीं ज्यादा मोटापाग्रस्त हो रहे हैं और हम ज्यादा शराब पीते हैं। इसलिए इस तरह के परिणाम सामने आना कोई आश्चर्य नहीं है। ब्रिटेन के कैंसर अनुसंधान केंद्र के प्रमुख पॉल मॉस का कहना है, जब खान-पान की बात आती है तो हम दिल की बीमारियों के विषय में ज्यादा सोचते हैं लेकिन कैंसर के खतरे के विषय में ज्यादा नहीं सोचते।

खुजली हमारे शरीर के किसी भी भाग में हो परेशानी का कारण बन सकती है।यें किसी भी तरह की संक्रमण के कारण पैदा हो सकती है और हमारा सारा ध्यान इस खुजली में ही लगा रहता है। हम इस खुजली से राहत पाने के लिए कई यत्न करते है।कुछ

पैरों में होने वाली खुजली से राहत दिलवाएं कुछ घरेलु उपाय

घरेलु उपायों का प्रयोग करके पैरों की खुजली से राहत पाई जा सकती है।

- सबसे पहले पैरों की सफाई की तरफ विशेष ध्यान दें,पैरों को धोने के बाद जल्दी-जल्दी मोज़े नहीं पहनने चाहिए,पहले पैरों को अच्छी तरह सुखाकर फिर मोज़े पहनने चाहिए।इससे न तो पैरों में बदबू पैदा होगी और न ही पैरों में खुजली की समस्या पैदा होगी।
- पैरों को साफ करने के लिए एक टब में गुनगुने पानी में थोड़ा नमक डालकर पैरों को टब के बीच में रखें,फिर थोड़ी देर के बाद पैरों को निकालकर किसी कपड़े से अच्छी तरह साफ करने से खुजली की समस्या से राहत पाई जा सकती है।
- पैरों में खुजली होने पर सफेद सिरका प्रयोग करने से राहत पाई जा सकती है।
- पैरों को साफ करके उस पर एलोवेरा जैल का प्रयोग करने से खुजली से राहत पाई जा सकती है।
- रात को सोने से पहले रोज़ाना पैरों को अच्छी तरह साफ करके इस पर अच्छे मॉइस्चराइजर से मसाज़ करने से पैरों मे रूखापन खत्म हो जाता है और खुजली की समस्या से राहत मिलती है।
- टब में गुनगुना पानी लेकर उसमें नींबू का रस मिलाकर पैरों को पानी के बीच में रखने से पैरों की खुजली समाप्त हो जाती है।
- बेंकिग सोडा का पेस्ट तैयार करके अपने पैरों में लगाने से पैरों की खुजली से राहत पाई जा सकती है।
- नीम की पत्तियों को पानी में डालकर उस पानी में पैरों को थोड़ी देर रखने से खुजली समाप्त हो जाती है।

पथरी के दर्द से राहत दिलाएं यें नुस्खे

पथरी हमारे शरीर में खुद ही बननी शुरू हो जाती है, इसके बनने में उम्र की सीमा नहीं होती।पहले जब ये छोटे-छोटे कंकर के रूप में फिर जब यें बड़ी हो जाती है ,इसके दर्द को बर्दाशत करना बहुत मुश्किल हो जाता है। पथरी हमारे शरीर में खुद ही बननी शुरू हो जाती है जैसे पित्त की पथरी,गुर्दे की पथरी और भी किसी भी जगह यें आकार में पहले छोटी बाद मे आकार मे बढ़नी शुरू हो जाती है। कुछ घरेलु नुस्खों की सहायता से आप इस पथरी के दर्द से राहत पा सकते है।

- पथरी होने पर नारियल का पानी पीना लाभदायक होता है।
- आंवले का चूर्ण तैयार करके मूली के साथ सेवन करने से पथरी से राहत पाई जा सकती है।
- जीरे और चीनी को अच्छी तरह पीसकर इस मिश्रण का सेवन ठंडे पानी से करने से पथरी से राहत पाई जा सकती है।
- आम के पत्तों को सुखाकर उनको अच्छी तरह पीसकर रोज इनका सेवन करने से लाभ मिलता है।
- पथरी होने पर चाय,कॉफी का सेवन अधिक नहीं करना चाहिए दर्द ज्यादा होने लगता है।
- तुलसी के बीज और दूध का सेवन करने से पथरी से राहत पाई जा सकती है।
- तुलसी के पत्तों को रोजाना चबाने से इससे राहत पाई जा सकती है।
- प्याज का सेवन करने से गुर्दे की पथरी से राहत मिलती है और हो सके तो प्याज के ताजा रस का सेवन करना गुर्दे की पथरी के लिए बहुत लाभदायक साबित हुआ है।
- अंगूर का सेवन करने से गुर्दे की पथरी से निजात पाई जा सकती है।

ऐसा-वेसा मत समझना बड़े काम का है ये

टमाटर

जो व्यक्ति सप्ताह में दस से ज्यादा टमाटर खाता है उसे प्रोस्टेट कैंसर होने का खतरा 18 प्रतिशत कम रहता है। यह जानकारी एक अनुसंधान में सामने आई है। इस निष्कर्ष पर पहुंचने के लिए ब्रिस्टोल विश्वविद्यालय और आक्सफोर्ड

विश्वविद्यालय के अनुसंधानकर्ताओं ने प्रोस्टेट कैंसर से पीड़ित 50 और 69 वर्ष की उम्र के 1,806 लोगों की खुराक और जीवनशैली पर ध्यान दिया और उसकी 12005 कैंसर मुक्त लोगों के साथ तुलना की।

अध्ययन में प्रोस्टेट कैंसर की 'आहारीय तालिका' विकसित की जिसमें आहारीय अवयवों सेलेनियम, कैलसियम और वैसे खाद्य पदार्थ जिसमें लाइकोपिन की प्रचुरता होती है, शामिल किया गया। यह पाया गया कि जिन लोगों ने इन तीन आहारीय अवयवों को खाने में शामिल किया उनमें प्रोस्टेट कैंसर की आशंका कम पाई गई। टमाटर और उसके उत्पाद जैसे टमाटर का जूस और पकाए हुए बीन सबसे ज्यादा गुणकारी पाए गए। 10 भाग से ज्यादा खाने वाले पुरुषों में बीमारी होने का खतरा 18 प्रतिशत कम पाया गया।

आपके फेफड़े के लिए गुड है Good Cholesterol

हालिया अध्ययन में यह बात सामने आई है कि फेफड़े के उच्च रक्तचाप के इलाज में गुड कोलेस्ट्रॉल यानी उच्च घनत्व वाले लिपोप्रोटीन (एचडीएल) कारगर भूमिका निभाते हैं। चूहों पर किए गए अध्ययन में शोधकर्ताओं ने खुलासा किया कि गुड कोलेस्ट्रॉल फेफड़े के रक्तचाप के दौरान शरीर में

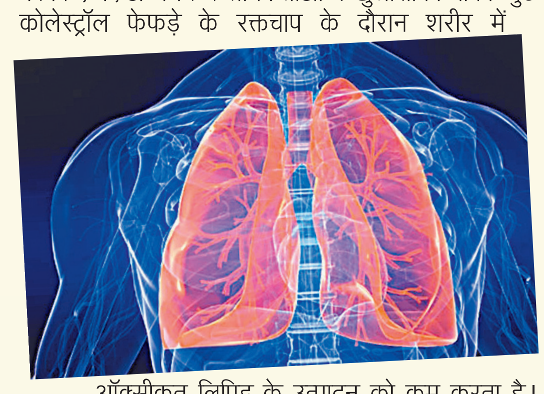

ऑक्सीकृत लिपिड के उत्पादन को कम करता है। साथ ही यह भी पाया गया कि ऑक्सीकृत लिपिड के कम बनने से फेफड़े और दिल की कार्यशैली में सुधार होता है।

लॉस एंजेलिस के कैलीफोर्निया विश्वविद्यालय के डेविड गेफेन स्कूल ऑफ मेडिसिन में ज्ञानेन्द्रिय विज्ञान के प्रोफेसर डॉ.मंसोर एगबाली ने कहा, ''एचडीएल कोलेस्ट्रॉल ऑक्सीकृत लिपिड की मात्रा कम करने में सहायक है, इससे इलाज के विकास में मदद मिलेगी।'' उल्लेखनीय है कि फेफड़े का उच्च रक्तचाप एक गंभीर बीमारी है, जिसमें रोगी के फेफड़े की विभिन्य रक्त नलियां संकरी हो जाती है, जिसके कारण रक्तचाप बढ़ जाता है।